E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

11 YEARS ANNIVERSARY

वर्ष -11 अंक -112 | प्रयागराज, गुरूवार 10 जुलाई,2025 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

ट्रम्प भारत समेत ब्रिक्स देशों पर 10फीसदी एक्स्ट्रा टैरिफ लगाएंगे

कहा- डॉलर राजा है, इसे चुनौती देने वालों को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी

नयी दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को ब्रिक्स देशों पर 1 अगस्त से 10फीसदी एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने की धमकी दी। ट्रम्प ने आरोप लगाया ब्रिक्स ग्रुप अमेरिकी डॉलर को कमजोर करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा- ब्रिक्स हमें नुकसान पहुंचाने और हमारे डॉलर को कमजोर करने के लिए बनाया गया था। जो भी ब्रिक्स में हैं उन्हें 10फीसदी टैरिफ देना होगा। अमेरिकी डॉलर की ताकत बनी रहेगी और इसे चुनौती देने वाले को बड़ी कीमत चुकानी होगी। ट्रम्प ने कहा- डॉलर राजा है, हम इसे ऐसे ही रखेंगे। मैं बस इतना कह रहा हूं कि अगर लोग इसे चुनौती देना चाहते हैं तो वे कर सकते हैं, लेकिन उन्हें बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। मुझे नहीं लगता कि उनमें से कोई भी वो कीमत चुकाने के लिए तैयार है। भारत के बारे में पूछे जाने पर ट्रम्प ने कहा कि ब्रिक्स मेंबर होने की वजह से भारत को भी 10फीसदी टैरिफ देना होगा, किसी को कोई छूट नहीं दी जाएगी। ब्रिक्स ने इसकी आलोचना की है और इसे डब्लूटीओ नियमों के खिलाफ बताया है।ट्रम्प ने भारत के साथ व्यापार समझौते की बात भी की। यह समझौता इस महीने ही या ट्रम्प की भारत यात्रा के दौरान हो सकता है। इस समझौते के तहत दोनों देश 2030 तक आपसी ट्रेड को 500 अरब डॉलर तक पहुंचाना चाहते हैं। इसमें खेती और डेयरी

जैसे सेक्टर शामिल नहीं होंगे। अमेरिका अपने कृषि उत्पादों, मेडिकल इक्विपमेंट और इंडस्ट्रियल प्रोडक्ट्स पर कम टैरिफ चाहता है, जबकि भारत टेक्सटाइल एक्सपोर्ट के लिए बेहतर मौके चाहता है।ट्रम्प ने पिछली सरकारों पर तंज करते हुए कहा कि उनकी वजह से अमेरिका को नुकसान हुआ। ट्रम्प ने कहा, मेरे पहले टर्म में सैकड़ों अरब डॉलर के टैरिफ जमा हुए। तब कोई महंगाई नहीं थी, वह देश का सबसे सफल आर्थिक समय था। मुझे लगता है कि इस बार और बेहतर होगा। हमने अभी शुरू भी नहीं किया और 100 अरब डॉलर से ज्यादा के टैरिफ जमा हो चुके हैं। कुछ देश निष्पक्ष व्यापार चाहते हैं, कुछ बिगड़ गए हैं। सालों से उन्होंने अमेरिका का फायदा उठाया है। अगर अमेरिका के पास पिछली बार जैसा मूर्ख राष्ट्रपति होता, तो आपका स्टैंडर्ड गिर जाता, यहां डॉलर नहीं होता। यह एक वर्ल्ड वॉर हारने जैसा होगा। मैं ऐसा नहीं होने दे सकता।' 1 अगस्त की डेडलाइन फिक्स पर 100फीसदी नहीं ट्रम्प ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा, '1 अगस्त 2025 से टैरिफ लागू होंगे। इसमें कोई बदलाव या छूट नहीं होगी।' ट्रम्प ने कहा कि टैरिफ का मकसद निष्पक्षता लाना है, लेकिन अगर कोई देश निष्पक्ष समझौता करना चाहे, तो बातचीत हो सकती है। जब उनसे पूछा गया कि क्या 1 अगस्त की डेडलाइन फिक्स है, तो ट्रम्प ने कहा, 'मैं कहूंगा पक्की है, लेकिन 100फीसदी नहीं। अगर कोई देश फोन करके कहता है कि वे अलग तरीके से काम करना चाहते हैं, तो हम उस पर विचार करेंगे।'ट्रम्प ने 14 देशों पर टैरिफ लगाया, 1 अगस्त से लागू होगा - अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार को बांग्लादेश-जापान समेत 14 देशों पर टैरिफ बढ़ाने का ऐलान किया। ट्रम्प प्रशासन ने सोमवार को सभी प्रभावित देशों को औपचारिक रूप से लेटर भेजकर इस निर्णय की जानकारी दी।इस फैसले के तहत कुछ देशों पर 25फीसदी टैक्स लगाया गया, जबकि कुछ पर 30फीसदी से 40फीसदी तक का भारी शुल्क लगाया गया। दक्षिण कोरिया और जापान के नेताओं को ट्रम्प ने सबसे पहले लेटर भेजा और कहा कि उनके देश से आने वाले सामान पर अब 25फीसदी शुल्क लगेगा। उन्होंने लिखा कि ये टैक्स इसलिए जरूरी हैं, ताकि अमेरिका और इन देशों के बीच व्यापार में जो असंतुलन है, उसे सुधारा जा सके। ये टैरिफ 1 अगस्त से लागू होंगे। इसके साथ ही ट्रम्प ने 1 अगस्त से ग्लोबल टैरिफ लगाने की घोषणा की। पहले ट्रम्प 9 जुलाई को इसका ऐलान करने वालेट्रम्प ने मंगलवार रात (भारतीय समयानुसार बुधवार सुबह) 7 और देशों पर टैरिफ लगाने की घोषणा की। उन्होंने यह जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर दी। ट्रम्प ने बताया कि टैरिफ से जुड़ी जानकारियां और देशों के नाम अमेरिका समयानुसार बुधवार सुबह शेयर किए जाएंगे।

मोदी नामीबिया पहुंचे,पारंपरिक नृत्य से स्वागत,पीएम ने साथ में ढोल बजाया,27 साल बाद यहां जाने वाले भारतीय पीएम

विंडहोक। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दक्षिण अफ्रीका के देश नामीबिया पहुंच गए हैं। यह 27 सालों बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री का नामीबिया दौरा है। राजधानी विंडहोक के एयरपोर्ट पर लैंड होने के बाद उनका पारंपरिक नृत्य के साथ स्वागत किया गया। इस दौरान पीएम ने कलाकारों के साथ में ढोल भी बजाया। पीएम मोदी से पहले 1998 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी नामीबिया गए थे। इससे पहले 1990 में उस वक्त पीएम रहे वीपी सिंह, पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी सहित कई हाई रैंक लीडर नामीबिया के स्वतंत्रता दिवस पर वहां गए थे।मोदी यहां राष्ट्रपति नेटुम्बो नंदी-नदैतवा से मिलेंगे। दोनों देशों के बीच डायमंड बिजनेस, जरूरी खनिजों और यूरेनियम सप्लाई पर चर्चा की संभावना है। इसके अलावा मोदी नामीबिया की संसद को भी संबोधित करेंगे। मोदी का नामीबिया दौरा 2 जुलाई से 10 जुलाई तक 5 देशों की यात्रा का हिस्सा है, जिसमें घाना, त्रिनिदाद एंड टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया शामिल हैं। नामीबिया

हीरा, यूरेनियम, तांबा, फॉस्फेट और अन्य खनिजों से समृद्ध देश है।दुनिया का सबसे ज्यादा समुद्री हीरे का भंडार है। यहां समुद्र के नीचे लगभग 80 मिलियन कैरेट से ज्यादा हीरा मौजूद है। हालांकि, नामीबिया भारत को कच्चा हीरा डायरेक्ट एक्सपोर्ट नहीं करता है। इसके बजाय, ये लंदन, एंट्वर्प और दूसरे वैश्विक व्यापार केंद्रों से होते हुए भारतीय तटों तक पहुंचते हैं। पीएम मोदी की यात्रा हीरे के डायरेक्ट खरीद-बिक्री के लिए आधार तैयार करने में मदद कर सकती है। खासकर इसलिए क्योंकि भारत की कई डायमंड प्रोसेसिंग कंपनियां पहले से ही नामीबिया में काम कर रही हैं। भारत ने नामीबिया में माइनिंग, मैन्युफैक्चरिंग, डायमंड प्रोसेसिंग और सर्विसेज सहित कई क्षेत्रों में 800 मिलियन डॉलर (लगभग रु6,600 करोड़) से ज्यादा का निवेश किया है। हीरे के अलावा, नामीबिया में कोबाल्ट, लिथियम और दुर्लभ मृदा तत्व और मिनरल्स पाए जाते हैं, जो क्लीन एनर्जी की तरफ बढ़ने में भारत के लिए जरूरी है। नामीबिया यूरेनियम का भी प्रमुख उत्पादक है, जो भारत के सिविलियन न्यूक्लियर एनर्जी प्रोग्राम में मदद कर सकता है।नामीबिया से भारत में चीतों का ट्रांसफर दुनिया में चीतों के पहले अंतरमहाद्वीपीय ट्रांसफर था। भारत में शिकार और जंगलों की कटाई के चलते अफ्रीकी चीतों की प्रजाति 70 साल से विलुप्त हो चुकी थी। अफ्रीकी चीतों को 1952 में आधिकारिक रूप से विलुप्त घोषित किया गया था। सीधे तौर पर भारत ही एकमात्र ऐसा देश है जिसे नामीबिया ने जंगल में बसाने के लिए चीते ट्रांसफर किए हैं। हालांकि, कुछ चीतों को वैज्ञानिक अध्ययन, चिड़ियाघरों, या जनसंख्या प्रबंधन के लिए अमेरिका और यूरोप के संस्थानों को अस्थायी रूप से भेजा गया है, लेकिन ये सब बहुत ही छोटे पैमाने पर और संरक्षण के मकसद से थे। पिछले कुछ सालों में भारत और नामीबिया के बीच द्विपक्षीय व्यापार में तेजी देखी गई है। साल 2024-25 में दोनों तरफ से करीब रु4,858 करोड़ का व्यापार हुआ। भारत का निर्यात रु2,798 करोड़ और नामीबिया से आयात रु2,061 करोड़ का रहा। दोनों देशों में वित्तीय वर्ष 2022-23 में करीब रु2,320 करोड़ का व्यापार हुआ था, जिसमें भारत का निर्यात रु2,004 करोड़ था। 2023 में अप्रैल और नवंबर के बीच, 178फीसदी की बढ़ोतरी के साथ दोनों देशों के बीच लगभग साढ़े 5 हजार करोड़ का व्यापार हुआ। 8 महीने के दौरान भारत का निर्यात करीब रु3,488 करोड़ था और नामीबिया से करीब रु1,962 करोड़ का आयात था। मार्च 24 तक दोनों तरफ से रु6,735 करोड़ का व्यापार हुआ, जिसमें भारत का निर्यात रु3,785 करोड़ था।

वोटर वेरिफिकेशन के विरोध में महागठबंधन का बिहार बंद,5 शहरों में ट्रेनें रोकीं, हाईवे जाम

पटना।बिहार चुनाव से पहले हो रहे वोटर वेरिफिकेशन के विरोध में विपक्ष ने बंद बुलाया है। राहुल गांधी, तेजस्वी यादव और पप्पू यादव इनकम टैक्स चौराहे पर पहुंच चुके हैं। यहां से प्रदर्शन करते हुए सभी नेता चुनाव आयोग के ऑफिस जाएंगे। भोजपुर के बिहिया स्टेशन पर पूर्व आरजेडी विधायक भाई दिनेश ने अपने समर्थकों के साथ श्रमजीवी एक्सप्रेस और विभूति एक्सप्रेस को रोककर नारेबाजी की। 3 मिनट बाद ट्रेन को रवाना करवाया गया। बेगूसराय में आरजेडी कार्यकर्ताओं ने एनएच-31 को जाम कर दिया। सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। जहानाबाद में भी महागठबंधन नेताओं ने मेमू पैसेंजर को रोका और नारेबाजी की। थोड़ी देर बाद पुलिस ने सभी को ट्रैक से हटाया। दरभंगा में प्रदर्शनकारियों ने नमो भारत ट्रेन को रोका। पटना के मनेर में एनएच-30 को जाम किया गया। नेताओं ने आगजनी कर प्रदर्शन किया। माले के नेतृत्व में आरा-सासाराम मुख्य मार्ग को जाम किया गया। इससे सैकड़ों गाड़ियां जाम में फंस गईं। पप्पू यादव पटना के सचिवालय हॉल्ट और अपने समर्थकों के साथ ट्रेन रोककर विरोध प्रदर्शन कर रहा है।बिहार में हो रहे मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट सुनवाई को तैयार हो गया है। 10 जुलाई को मामले की सुनवाई होगी। 5 जुलाई को गैर सरकारी संस्था एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर बिहार में वोटर लिस्ट पुनरीक्षण के चुनाव आयोग के आदेश को रद्द करने की मांग की है।

कुशीनगर में बच्चे को नोचते हुए उठा ले जा रहे आवारा कुत्ते, दर्दनाक चीखें सुन महिला दौड़ी

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले से दिलदहला देने वाला वीडियो सामने आया है। यहां घर के पास खेल रहे मासूम बच्चे पर आवारा कुत्तों ने हमला कर दिया। आवारा कुत्ते बच्चे के नोंचते हुए उठा ले जाने का प्रयास कर रहे थे। बच्चा जोर से चिल्ला कर रो रहा था और अपनी मां को मदद के लिए आवाज लगा रहा था। पड़ोस की एक महिला ने बच्चे की कलेजा चिर देने वाली मदद की गुहार सुनी और वो भागकर बाहर पहुंची। फौरन महिला ने बच्चे को आवारा कुत्तों के चंगुल से मुक्त कराया और घर के अंदर ले गई।मामला कसया थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 26, अमिय त्रिपाठी नगर का है। बीते दिन सोमवार को उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब घर के बाहर खेल रहे 5 वर्षीय मासूम पर आवारा कुत्तों

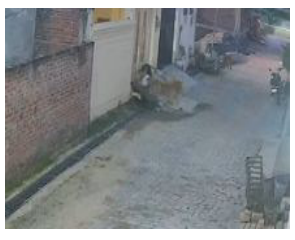

के झुंड ने अचानक हमला बोल दिया। आवारा कुत्तों ने मासूम को जमीन पर गिराकर बुरी तरह नोच डाला। बच्चे की चीख-पुकार सुन पास ही मौजूद एक महिला ने हिम्मत दिखाते हुए लाठी लेकर दौड़ लगाई और कुत्तों को खदेड़ा, तब जाकर मासूम की जान बच सकी। हालांकि तब तक बच्चे का शरीर कई जगहों से लहूलुहान हो चुका था।स्थानीय लोगों ने आनन-फानन में घायल बच्चे को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने उसकी हालत गंभीर देखते हुए मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर कर दिया। इलाज के बाद अब बच्चे की हालत में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है।पूरी घटना पास लगे एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जो न केवल वारदात की भयावहता को उजागर करती है, बल्कि नगर प्रशासन की लापरवाही पर भी सवाल खड़े करती है। मोहल्ले के लोगों में भय और आक्रोश का माहौल है। लोगों का कहना है कि पहले भी आवारा कुत्तों के झुंड ने कई बार लोगों पर हमला किया है, लेकिन नगर पंचायत प्रशासन की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

सांडों की भिड़ंत पर अखिलेश यादव का पोस्ट, 'टकराते हुए डबल इंजन'बीजेपी पर टिप्पणी से मचा बवाल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सहारनपुर के नानौता कस्बे में मोहर्रम के जुलूस के दौरान दो सांडों की भिड़ंत ने अफरा-तफरी मचा दी। इस घटना का वीडियो अब राजनीतिक तंज का जरिया बन गया है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इस वीडियो को अपने सोशल मीडिया हैंडल से साझा करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर व्यंग्य किया है। अखिलेश यादव ने इसे डबल इंजन से जोड़ दिया है।अखिलेश यादव ने वीडियो के साथ लिखा, यह है टकराते हुए डबल इंजन। उनका यह कटाक्ष केंद्र और उत्तर प्रदेश दोनों जगह भाजपा की सरकार को लेकर था, जिसे भाजपा अक्सर ' डबल इंजन सरकार ' कहकर प्रचारित करती है। घटना उस वक्त हुई जब मोहर्रम का जुलूस कस्बे के मुख्य बाजार से गुजर रहा था, तभी अचानक दो सांड आपस में भिड़ गए। तेज टक्कर के कारण लोगों में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। एक स्थानीय दुकानदार सांड की टक्कर की चपेट में आकर घायल हो गया। जुलूस में शामिल कुछ लोगों ने इस पूरी घटना को अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर लिया। वीडियो वायरल होते ही अखिलेश यादव ने इसे भाजपा के डबल इंजन मॉडल से जोड़ दिया।अखिलेश यादव की इस पोस्ट पर सोशल मीडिया में तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। भाजपा नेता अजय गुप्ता ने इसे सस्ती राजनीति करार देते हुए कहा कि अखिलेश यादव हताश और निराश के चलते उनकी गिरती मानसिकता और घटिया सोच दर्शाती है। वही सपा नेताओं ने इसे सटीक और तर्कपूर्ण बताया फिलहाल मुद्दे पर एक्स (पूर्व में ट्विटर), फेसबुक और व्हाट्सएप जैसे प्लेटफॉर्म पर बहस छिड़ गई है।

मेजा में डूबने से 4 बच्चों की मौत,खेत के गड्ढे में भरे पानी में डूबे 4-5 साल के मासूम

प्रयागराज। मेजा में एक हृदयविदारक घटना सामने आई है।

खेत में बने गड्ढे में डूबने से चार बच्चों की मौत हो गई। मृतक बच्चों में हीरा आदिवासी के बेटे हुनर (5 वर्ष) और वैष्णवी (4 वर्ष), विमल कुमार का बेटा कंधा (5 वर्ष) और संजय आदिवासी का बेटा केशरी (4 वर्ष) शामिल हैं। मंगलवार शाम चारों मासूम बच्चे गांव में खेल रहे थे। खेलते खेलते वे कब खेत के गड?ढे की तरफ चले गए पता ही नहीं चला। शाम के बाद बच्चों की तलाश शुरू हो गई। गांव क लोग हर तरफ बच्चों को तलाशने लगे। किसी का ध्यान गड?ढे की तरफ नहीं गया। बुधवार सुबह गांव से कुछ दूर खेत में स्थित ईंट भट्ठे के लिए खोदे गए गड्ढे में एक बच्चे का शव उतराता नजर आया। इसके बाद गांव के लोग गड?ढे में उतर गए। एक एक कर चारों के शव बरामद हो गए।सूचना मिलते ही मेजा थाना प्रभारी राजेश उपाध्याय और चौकी प्रभारी अनिल पांडेय पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। घटना से चारों परिवारों में शोक की लहर है। रात भर बच्चों की तलाश की गई, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। सुबह गड्ढे में भरे पानी में शव उतराते हुए मिले। चार बच्चों की मौत से पूरे गांव में कोहराम मचा है। मेजा थाना प्रभारी राजेश उपाध्याय ने बताया की पानी मे डूबने से सभी बच्चों की मौत हुई है।फिलहाई इसकी गहराई से जाँच की जा रही है। सभी शवो कों पीएम के लिए भेज दिया गया है।

मंत्री नंदी पर हुआ था आरडीएक्स जानलेवा हमला,वो मनाते हैं पुनर्जन्म उत्सव,7 महीने अस्पताल में रहे

प्रयागराज। ठीक 15 वर्ष पूर्व।

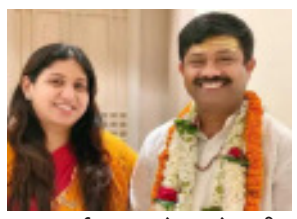

12 जुलाई 2010, दोपहर के करीब 12:30 बजे थे। शहर की तंग गलियों में रिमोट से आरडीएक्स विस्फोट हुआ। 2 लोगों की मौत हो गई जबकि नंद गोपाल गुप्ता नंदी भागकर जान बचाने में सफल रहे लेकिन बुरी तरह से घायल हो चुके थे। 7 दिन कोमा में रहे और 7 महीने अस्पताल में भर्ती रहे लेकिन नया जीवनदान मिला। तभी से हर वर्ष इसी दिन बड़े पैमाने पर अपना पुनर्जन्मोत्सव मनाते हैं। हर साल की तरह इस बार भी नंदी प्रयागराज के बहादुरगंज स्थित मनकामेश्वर मंदिर में इसका आयोजन कर रहे हैं। तैयारियां जोरों से चल रही है।मौजूदा समय में सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के करीबी मंत्री कहे जाने वाले नंदी 2010 में बसपा सरकार में मंत्री थे। बहादुरगंज स्थित मनोकामनापूर्ति शिव मंदिर के सामने वाली सकरी गली में रहते थे। प्रतिदिन की भांति उस दिन भी अपने लोगों के साथ शिव मंदिर ही दर्शन के लिए जा रहे थे। घर से 50 कदम की दूरी पर स्कूटर में रिमोट आरडीएक्स बम रखा था, वहां पहुंचते ही विस्फोट हो जाता है। धमाका इतना तेज था कि हड़कंप मच गया। अफरा तफरी जैसी स्थिति बनी। इसमें एक पत्रकार विजय प्रताप व एक गनर की मौत भी हुई थी। खून से लथपथ मंत्री जमीन पर तड़पते रहे। उन्हें अस्पताल ले जाया गया। लेकिन बम से शरीर बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई थी।हर वर्ष 12 जुलाई को नंदी जी बहादुरगंज स्थित प्राचीन मनोकामनापूर्ति शिव मंदिर में में रुद्राभिषेक कर भोलेनाथ को पुनर्जन्म की कृतज्ञता अर्पित करते हैं।

प्रयागराज में सफाई कर्मियों ने किया हड़ताल के दिन प्रदर्शन,न्यूनतम वेतन और कुंभ बोनस की मांग

प्रयागराज। बुधवार को देशभर में ट्रेड यूनियनों द्वारा बुलाए गए राष्ट्रव्यापी हड़ताल के समर्थन में

प्रयागराज में व्यापक आंदोलन देखने को मिला। खास बात यह रही कि इस आंदोलन में सफाई मजदूरों ने भी खुलकर हिस्सा लिया और सिविल लाइंस के धरना स्थल पर ट्रेड यूनियन नेताओं के साथ एकजुट होकर अपनी मांगों की आवाज बुलंद की। सफाई मजदूर एकता मंच के नेतृत्व में सफाई कर्मचारियों ने न्यूनतम वेतन 26,000 तय करने, ठेका प्रथा समाप्त करने और महाकुंभ के दौरान किए गया कार्यों के लिए 10,000 बोनस दिए जाने बात हुई थी। लेकिन उसका भुक्तान अभी तक नहीं हुआ। इन सब मांगों को लेकर जमकर नारेबाजी की। मंच के प्रतिनिधियों ने कहा कि उन्हें हर बार नजरअंदाज किया जाता है, जबकि सफाई व्यवस्था का सारा बोझ उनके कंधों पर होता है। धरना स्थल सिविल लाइंस में ट्रेड यूनियनों से जुड़े सैकड़ों कर्मचारियों ने भाग लिया। यहां आयोजित सभा में अविनाश कुमार मिश्र ,इंश्योरेंस, देवेंद्र प्रताप सिंह (इंटक) और श्याम सूरत पांडेय जैसे नेताओं ने केंद्र सरकार की मजदूर और कर्मचारी विरोधी नीतियों पर तीखा हमला बोला। नगर निगम कर्मचारी संघ की ओर से भी सुबह 11 बजे से दोपहर एक बजे तक सांकेतिक हड़ताल कर प्रदर्शन किया गया। इससे पहले मंगलवार को विभिन्न कार्यालयों में पूर्व तैयारी के तहत सभाएं की गईं, जिनमें हड़ताल को सफल बनाने की रणनीति बनी। लोक निर्माण विभाग कार्यालय में आयोजित सभा में पूर्व विधायक अनुग्रह नारायण सिंह, कर्मचारी नेता घनश्याम पांडेय और सुभाष पांडेय ने चार श्रम संहिताओं, निजीकरण, और पेंशन नीति पर सरकार को आड़े हाथों लिया।

संगम नगरी में लगें 77लाख से ज्यादा पौधे,कैबिनेट मंत्री नंदी ने चंद्रशेखर आजाद में किया पौधारोपण

प्रयागराज। आज 9 जुलाई को प्रदेश में पौधारोपण के लिए महा

अभियान चलाया रहा है। एक दिन में पूरे प्रदेश में 37 करोड़ पौधे लगाए गए। यह अभियान "एक पेड़ मां के नाम-2.0" थीम को समर्पित है। प्रयागराज की बात की जाए तो यहां 77. 71 लाख पौधे लगाए गए। यह लक्ष्य एक ही दिन में ही पूरा करने हैं। प्रदेश सरकार की ओर से सभी जनपदों में अलग अलग मंत्रियों को भेजा गया है। इसी क्रम में प्रयागराज में मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी चंद्रशेखर आजाद पार्क में पौधारोपण कार्यक्रम में पहुंचे थे। मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे नंदी ने कहा, एक साथ बड़ी संख्या में पौधारोपण का कार्यक्रम पूरे प्रदेश में हो रहा है। निश्चित ही यह वर्ल्ड रिकार्ड बनेगा। इसी तरह जनपद के सभी स्कूल व कालेजों में भी पौधारोपण हो रहा है। जिनके द्वारा जहां भी पौधे लगाए जाएंगे उसकी तस्वीरें हरितिमा एप पर अपलोड किया जायेगा एवं लोगों के द्वारा "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के तहत रोपित पौधो के साथ सेल्फी लेकर "मेरी लाइफ पोर्टल" पर भी अपलोड किया जाना है। इस महाअभियान की प्रत्येक घंटे के प्रगति सूचना की रिपोर्टिंग सुबह 06:00 बजे से शाम 05:00 बजे तक की गयी। प्रमुख सचिव, सहकारिता सौरभ बाबू ने इस अभियान के लिए मंगलवार को प्रयागराज में समीक्षा बैठक भी की थी। उन्होंने उपस्थित सभी विभागाध्यक्षों को लक्ष्य के अनुरूप शत-प्रतिशत पौधारोपण की जिओ टैगिंग करते हुए उसे हरितिमा एप पर अपलोड करने एवं "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के तहत रोपित पौधों के साथ सेल्फी लेकर "मेरी लाइफ पोर्टल" पर भी अपलोड किए जाने के निर्देश दिए हैं।

उद्यान मंत्री, नोडल अधिकारी,डीएम और एसपी ने पौध रोपण अभियान में लिया हिस्सा,एक पेड़ मां के नाम का दिया संदेश

पूजन पाठ कर उपस्थित क्षेत्र वासियों के साथ किया पौधरोपण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। वृहद वृक्षारोपण जन अभियान 2025 के दृष्टिगत उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने नोडल अधिकारी/ प्रमुख सचिव सुभाष चन्द शर्मा, जिलाधिकारी हर्षिता माथुर, एसपी डॉ यशवीर सिंह के साथ ग्रीकशाह का पुरवा (अहमदपुर नजूल) स्थित मियावाकि पार्क में पूजन पाठ के साथ पौधा लगाकर उपस्थित लोगों को पर्यावरण को बचाने की शपथ दिलाई।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उद्यान मंत्री ने उपस्थित जनता को संबोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण को बचाना हम सब की नैतिक जिम्मेदारी है। इससे हमारी आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुनिश्चित होगा। कोरोना काल के बाद यह और भी आवश्यक हो गया है कि धरती माता की हरितमा को बचाए रखा जाए। इसके लिए प्रदेश सरकार द्वारा 37 करोड़ से अधिक पौधे लगाने का वृक्षारोपण अभियान चलाया जा रहा है। जिससे कि पर्यावरण सुंदर और सुरक्षित रहे। उन्होंने उपस्थित जनता,स्कूली बच्चों और आंगनबाड़ी बहनों को संबोधित करते हुए कहा कि हम सभी को पेड़ अवश्य लगाना चाहिए। इस अवसर पर नोडल अधिकारी/ प्रमुख सचिव अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण एव दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग सुभाष चन्द शर्मा ने भी बताया कि वृक्षारोपण से आर्थिक लाभ के साथ-साथ स्वास्थ्य लाभ भी मिलता है। उनकी देखभाल हमें अपने बच्चों की तरह करनी चाहिए। उन्होंने इस अवसर पर उपस्थित लोगों से कहा की एक पेड़ मां के नाम के अलावा गुरु के नाम का भी लगाए। वर्तमान समय में बढ़ते तापमान को देखते हुए यह आवश्यक हो गया है कि हम अधिक से अधिक पेड़ लगाए और उनको संरक्षित करें। जिस प्रकार एक मां अपने बच्चों की देखभाल करती है और बच्चा बड़े होने के बाद अपनी मां की देखभाल करता है। ठीक उसी प्रकार हम सब को भी अपने जीवन में अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए और अपने बच्चों की तरह उनका लालन पोषण करना चाहिए। यही पौधे वृक्ष बनाकर कल हमारे आने वाले पीढ़ियों की रक्षा करेंगे। इसके उपरांत नोडल अधिकारी/प्रमुख सचिव ने कुंदनगंज स्थित बिरला सीमेंट फैक्ट्री में भी पौधरोपण किया। डीएफओ आशुतोष जायसवाल ने कहा कि सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष इस बार जनपद में 53 लाख 50 हजार से अधिक पौधे लगाए जा रहे हैं। सभी विभागों को पौधे उपलब्ध करा दिए गए हैं और उनका लक्ष्य निर्धारित करते हुए निर्देश दिया गया है कि अधिक से अधिक पौधे लगाए। लोगो से भी पौधे लगाने की अपील की जा रही है। इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष बुद्धि लाल,मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय, अपर जिलाधिकारी (वि/रा) अमृता सिंह, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट प्रफुल्ल शर्मा, ईओ नगर पालिका स्वर्ण सिंह, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी मोहन त्रिपाठी के अतिरिक्त जनप्रतिनिधि,व्यापार एवं उद्योग मंडल के सदस्य भी उपस्थित रहे।

यूपी के 22 पीसीएस अधिकारियों के लिए खुशखबरी,आईएएस कैडर में मिला प्रमोशन, योगी सरकार ने जारी किया आदेश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार में एक ओर जहां जिम्मेदार अधिकारियों को नई-नई जिम्मेदारी सौंपी जा रही है। वहीं अधिकारियों को समय रहते पदोन्नति का लाभ भी दिया जा रहा है। इसी क्रम में पीसीएस अधिकारियों से जुड़ी बड़ी खबर आ रही है। 22 पीसीएस अधिकारियों को आईएएस काडर में पदोन्नति दे दी गई है। इस संबंध में नियुक्ति विभाग की ओर से आदेश भी जारी कर दिया गया है।वहीं जिन अधिकारियों को पदोन्नति मिली है, उसमें पीसीएस अधिकारी दयानंद प्रसाद, विनोद कुमार गौड़, अंजू लता और वंदिता श्रीवास्तव का नाम शामिल है। इसके साथ ही मंडी परिषद के संयुक्त निदेशक सचिन कुमार सिंह और यूपी लोकसेवा आयोग प्रयागराज के उपसचिव विवेक कुमार श्रीवास्तव को भी पदोन्नति मिल गई है।आदेश के क्रम में पीसीएस अधिकारी व सहारनपुर मंडल के अपर आयुक्त भानु प्रताप यादव, विधान जायसवाल, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के सचिव राजेश कुमार सिंह, सिद्धार्थनगर के मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह और शैलेन्द्र कुमार भाटिया को आईएएस काडर में पदोन्नति दे दी गई है। इसी तरह यूपी लोकसेवा आयोग के उपसचिव देवी प्रसाद पाल, मुरादाबाद विकास प्राधिकरण की सचिव अंजू लता, जय नाथ यादव, मुरादाबाद अपर जिलाधिकारी प्रशासन गुलाब चंद्र, राम सुरेश वर्मा, रण विजय सिंह, दयानंद प्रसाद और विनोद कुमार गौड़ को भी पदोन्नति मिल गई है।इसके अलावा हाथरस के अपर जिलाधिकारी (वि/रा) बसंत अग्रवाल, वाराणसी के अपर जिलाधिकारी (वि/रा) वंदिता श्रीवास्तव, अयोध्या के अपर जिलाधिकारी (वि/रा) महेंद्र कुमार सिंह को भी आईएएस काडर में पदोन्नति मिली है। साथ ही बिजनौर के अपर जिलाधिकारी प्रशासन विनय कुमार सिंह, गौतमबुद्ध नगर के अपर जिलाधिकारी भूमि अध्याप्ति राजेश कुमार, मंडी परिषद के उपनिदेशक योगेंद्र कुमार और चिकित्सा शिक्षा निदेशालय की अपर निदेशक नीलम को पदोन्नति दे दी गई है। पीसीएस से आईएएस काडर में पदोन्नति पाने वाले सभी अधिकारियों को भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ वेतनमान में तत्काल कार्यभार ग्रहण करने के लिए भी कहा गया है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने किया विटामिन ए सम्पूर्ण कार्यक्रम का शुभारम्भ,नौ माह से पांच वर्ष तक की आयु के कुल 3.3 लाख बच्चे पियेंगे विटामिन ए की दवा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। एक माह तक चलने वाले विटामिन ए सम्पूर्ण कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नवीन चन्द्रा ने बुधवार को किया। जिला महिला चिकित्सालय के पोस्ट पोस्टपार्टम सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि विटामिन ए की कमी से बच्चों में मुख्यतः रतौंधी सहित आँखों सम्बन्धी बीमारियाँ होती हैं। गंभीर स्थिति में आँखों की रौशनी जाने का खतरा भी होता है द्य विटामिन ए की कमी कुपोषण की एक स्थिति है। यदि बच्चा कुपोषित है तो उसकी प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है और डायरिया व निमोनिया जैसी बीमारियों से ग्रसित होने की संभावना बढ़ जाती है। यह दवा नौ माह से पांच साल तक के बच्चों को हर छह माह के अन्तराल पर पिलाई जाती है।जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. अरुण कुमार ने बताया कि यह कार्यक्रम हर छह माह के अन्तराल पर एक वित्तीय वर्ष में दो चरणों में चलाया जाता है। यह पहला चरण है। इस कार्यक्रम के तहत नौ माह से पांच वर्ष तक की आयु के कुल 3.3 लाख बच्चों को आच्छादित किये जाने का लक्ष्य है जिसमें नौ माह से एक वर्ष की आयु के कुल 37,421, एक से दो साल की आयु के 71,314 और दो से पांच वर्ष तक की आयु के कुल 2.19 लाख बच्चे हैं।जिला स्वास्थ्य शिक्षा एवं सूचना अधिकारी डी.एस. अस्थाना ने बताया कि नौ जुलाई से शुरू हुआ यह कार्यक्रम नौ अगस्त तक चलाया जायेगा। इसको लेकर आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि विटामिन ए की दवा पिलाने के साथ ही बच्चे का नियमति टीकाकरण जरूर करवाएं और छह माह तक बच्चे को केवल स्तनपान कराएँ। छह माह की आयु के बाद बच्चे को पूरक पोषाहार दें। विटामिन ए पीले, हरे एवं नारंगी फलों और सब्जियों में होता है इसलिए बच्चे को इसका सेवन कराना सुनिश्चित करें जैसे कद्दू, पालक, चौलाई, आम, गाजर अदि।इस मौके पर जिला पुरुष अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. पुष्पेंद्र कुमार, जिला महिला अस्पताल की मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. निर्मला, स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी अंजली सिंह, विश्व स्वास्थ्य संगठन से डॉ. सी.लाल, यूनिसेफ से वंदना, अस्पताल के कर्मचारी और लाभार्थी मौजूद रहे।

जन्मदिवस पर योग प्रशिक्षिका सोनम गुप्ता ने किया पौधरोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

एक पौधा मां के नाम रोपित कर उसे संरक्षित करें : प्रदीप पांडेय

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मातृभूमि सेवा मिशन धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र इकाई रायबरेली की योग प्रशिक्षिका सोनम गुप्ता ने अपने जन्मदिवस पर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अनुकरणीय पहल करते हुए राणा बेनी माधव बख्श सिंह पार्क में बेल सहित कई फलदार एवं शोभादार पौधों का रोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने पौधों की संरक्षण की जिम्मेदारी भी स्वयं उठाई और समाज को संदेश दिया कि वृक्षारोपण के साथ उनका संरक्षण करना भी उतना ही आवश्यक है। योग प्रशिक्षिका सोनम गुप्ता ने कहा कि जन्मदिवस जैसे व्यक्तिगत अवसरों को सामाजिक और प्राकृतिक दायित्वों से जोड़ना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि वृक्ष न केवल वातावरण को शुद्ध करते हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी स्वस्थ भविष्य की नींव रखते हैं। इस अवसर पर इकाई के जिला संयोजक प्रदीप पांडेय, जिलाध्यक्ष एवं योगाचार्य बृजमोहन, संरक्षक महेंद्र अग्रवाल तथा मंडल अध्यक्ष भगवत प्रताप सिंह ने भी पौधरोपण किया और पर्यावरण संरक्षण के विषय में अपने विचार व्यक्त किए। प्रदीप पांडेय ने कहा कि हर व्यक्ति को हर वर्ष कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए। एक पौधा अपनी मां के नाम रोपित कर उसे संरक्षित करना सबसे सुंदर और सार्थक श्रद्धांजलि होगी। यही सच्ची राष्ट्रसेवा है। योगाचार्य बृजमोहन ने कहा कि वृक्षारोपण केवल पर्यावरण की रक्षा नहीं, बल्कि मानसिक और आध्यात्मिक संतुलन का भी आधार है।मंडल अध्यक्ष भगवत प्रताप सिंह ने कहा कि सोनम गुप्ता की यह पहल न केवल समाज के लिए प्रेरणास्पद रही, बल्कि यह संदेश भी दिया कि छोटे-छोटे व्यक्तिगत अवसरों को भी जनहित में कैसे बदला जा सकता है। महेंद्र अग्रवाल ने कहा कि आज की परिस्थितियों में हर नागरिक की यह जिम्मेदारी बनती है कि वह पर्यावरण रक्षा के लिए ठोस कदम उठाए। प्रदीप पांडेय ने वन महोत्सव के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह केवल उत्सव नहीं, बल्कि प्रकृति से हमारे रिश्ते की पुनर्पुष्टि है।कार्यक्रम के दौरान पूजा मौर्या, पूनम सिंह, मोहिनी, राधिका गुप्ता समेत कई महिला योग साधिकाओं ने सोनम गुप्ता को माला पहनाकर जन्मदिवस की शुभकामनाएं दीं और पुष्पवर्षा कर उनका अभिनंदन किया। इससे पूर्व योगाचार्य बृजमोहन द्वारा उपस्थित साधकों को नियमित योगाभ्यास कराया गया, जिसमें प्राणायाम और मानसिक शांति के लिए विभिन्न आसनों का अभ्यास कराया गया।

लखनऊ के मॉल में धर्मांतरण कांड से हड़कंप, रेप के आरोप में मैनेजर अरेस्ट

लखनऊ। लखनऊ के एक प्रतिष्ठित मॉल में एक शर्मनाक घटना सामने आई है। 25 वर्षीय हिंदू युवती ने अपने कैश सुपरवाइजर मो फरहाज उर्फ फराज पर दुष्कर्म का आरोप लगाया है। युवती का कहना है कि फराज ने उसे कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर पिलाया और फिर दुष्कर्म किया। उसने अश्लील वीडियो भी बना लिया। वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उसने युवती का शोषण किया और उससे पैसे और जेवर भी वसूले। विरोध करने पर उसे पीटा भी गया और सिगरेट से जलाया गया। पीड़िता ने सुशांत गोल्फ सिटी थाने में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

शिव शक्ति अपार्टमेंट में जल भराव से जनमानस परेशान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नोएडा। सेक्टर 71 शिव शक्ति अपार्टमेंट में सिविल डिपार्टमेंट के डीएम साहब एवं जल एवं सीवर के डीएम साहब जरा सा बारिश होने पर हालात ऐसा बना हुआ है कि लोग घर में ईट का सहारा लेकर अपने घरों के अंदर घुस रहे हैं यही नंबर वन नोएडा बनेगा। वरिष्ठ समाजसेवी संजय शुक्ला ने हमारे ब्यूरो प्रभारी देवी मणि शुक्ल को बताया कि अधिकारीगण से बार बार शिकायत करने के बावजूद भी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। उन्होंने ने कहा कि अधिकारियों से निवेदन है कि आप लोग तो अपने कोठियों में आराम से सो रहे हैं और हमारे सेक्टर की जनता मच्छरों से सीवर लाइन से और बरसात के पानी से त्राहि त्राहि कर रही है। मेरा अनुरोध है इसमें तत्काल प्रभाव से इस पानी निकासी के लिए तुरंत समाधान करें। जिससे कि आवंटी अपने घर में से आराम से निकल सके।और समस्या से निजात मिल सके।

विद्यालय बंद करने से होगा शिक्षा के मौलिक अधिकार का हनन-राजेश शुक्ला

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)रायबरेली। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रान्तीय नेतृत्व के आह्वान पर आज विकास भवन में जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ला की अध्यक्षता में संगठन द्वारा विशाल धरना-प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा गया। धरना-प्रदर्शन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष राजेश कुमार शुक्ला ने कहा कि मनमानीपूर्ण तरीके से शिक्षा के मौलिक अधिकार का उल्लंघन करके विद्यालय बंद करने का काम किया जा रहा है,आरटीई एक्ट और एसएमसी को एकदम से नजरंदाज कर दिया गया है। अध्यक्ष जिला संघर्ष समिति पंकज द्विवेदी एवं संरक्षक दान बहादुर सिंह ने कहा कि जब तक एसएमसी और अभिभावकों की भावनाओं एवं समस्याओं का संज्ञान नहीं लिया जाता तब तक हम लोग संघर्ष करेंगे।

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के माण्डलिक मंत्री जगजीवन शुक्ला और महिला अध्यक्ष गीता त्रिपाठी ने कहा कि संविधान कहता है कि बच्चों को एक किलोमीटर के अंदर प्राथमिक शिक्षा उपलब्ध होनी चाहिए। जिला मंत्री मुकेश चंद्र द्विवेदी और जनपदीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश यादव ने कहा कि विभाग कैसे मनमानीपूर्ण तरीके से विद्यालय बंद कर सकता है। जनपदीय संयुक्त मंत्री डा चंद्र मणि बाजपेई व संघर्ष समिति के कार्यवाहक अध्यक्ष सुरेंद्र यादव ने कहा कि विभाग आज मनमानीपूर्ण तरीके से विद्यालय बंद करने पर आमादा है। जनपदीय उपाध्यक्ष/ऊंचाहार अध्यक्ष दिनेश सिंह और जनपदीय लेखाकार गंगा चरण भारती ने कहा कि आरटीई एक्ट कहता है कि प्रत्येक बच्चे को एक किलोमीटर के अंदर प्राथमिक शिक्षा उपलब्ध होनी चाहिए। जनपदीय कोषाध्यक्ष यादवेन्द्र प्रताप सिंह और छतोह अध्यक्ष आदित्य पाण्डेय ने कहा कि विभाग अपनी मनमानी के आगे कुछ भी सुनने को तैयार नहीं है। महराजगंज अध्यक्ष विनोद अवस्थी ने कहा कि विद्यालय प्रबंध समिति की अनदेखी करके आनन फानन में गुप चुप तरीके से मर्जर आदेश बांटे जा रहे हैं। खीरों अध्यक्ष नीरज हंस ने कहा कि संगठन का संघर्ष का इतिहास रहा है,संगठन इसकी भी लडाई लडेगा। जगतपुर अध्यक्ष डा संजय सिंह ने कहा कि इस उत्पीडन के खिलाफ क्रमबद्ध लडाई लडनी पडेगी। जनपदीय उपाध्यक्ष उमेश त्रिवेदी व अनुराग शुक्ला ने कहा कि विद्यालय प्रबंध समिति की अनदेखी नहीं होने दी जाएगी,ग्राम प्रधान,विद्यालय प्रबंध समिति,अभिभावकों की आवाज को बुलंद किया जाएगा। इस अवसर पर हरचंदपुर अध्यक्ष अरविन्द द्विवेदी,डलमऊ अध्यक्ष योगेश सिंह,सरेनी अध्यक्ष राकेश द्विवेदी,महराजगंज अध्यक्ष विनोद अवस्थी,सलोन अध्यक्ष राजेश पाण्डेय,डीह अध्यक्ष कमलेश ओझा,बछरावां अध्यक्ष अमन शुक्ला,रोहनियां अध्यक्ष पवन शुक्ला,शिवगढ अध्यक्ष गयेन्दु सिंह,लालगंज अध्यक्ष शेषर यादव,गौरा अध्यक्ष शैलेश पाण्डेय,अमावां अध्यक्ष अशोक पाल,राही अध्यक्ष गजेन्द्र सिंह, जटा शंकर बाजपेई,राम जी सरोज,अजय मिश्र,ओमानंद श्रीवास्तव,मो सगीर,अरविन्द मिश्र,अखिलेश कुमार,डा बृज किशोर,श्रवण यादव,नीलेश शुक्ला, जितेन्द्र सिंह,आकाश त्रिपाठी,दिलीप गुप्ता,दर्शन लाल,मुन्ना लाल,शशांक मिश्र, आशुतोष पाण्डेय आदि उपस्थित रहे।

पैनल लायर्स व परावैधिक स्वयं सेवकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली।माननीय उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार तथा माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली राजकुमार सिंह की गरिमामयी उपस्थिति में पैनल लायर्स व परावैधिक स्वयं सेवकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का दीप प्रज्जवलन कर शुरुआत हुई। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम 07 व 08 जुलाई 2025 को ए0डी0आर0 सेन्टर रायबरेली में आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली के पैनल लायर्स व परावैधिक स्वयं सेवकों का महिलाओं व बच्चों से सम्बन्धित अधिकारों के प्रति विशेष रुप से जानकारी प्रदान करना। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहायक अभियोजन अधिकारी यदुवेन्द्र के द्वारा महिलाओं के अधिकार के सम्बन्ध में जानकारी दी गयी। पैनल अधिवक्ता शैलजा सिंह के द्वारा पारिवारिक मामलों के साथ-साथ भरण पोषण सम्बन्धित विषय, अधिवक्ता सुषमा सरोज के द्वारा भी पारिवारिक मामले, अधिवक्ता ममता यादव के द्वारा दौरान हिरासत विधिक अधिकारों के सम्बन्ध में जानकारी दी गयी। अधिवकता मधू सिंह के द्वारा गर्भाधान पूर्व और प्रसव पूर्व निदान तकनीक अधिनियम 1994 गर्भावस्था की चिकित्सीय समाप्ति अधिनियम के सम्बन्ध में जानकारी दी गयी। प्रथम दिवस के अन्तिम सत्र में मा0 अपर जिला जज/सचिव अनुपम शौर्य के द्वारा महिलाओं की घरेलू हिंसा से रक्षा, दहेज प्रतिषेध अधिनियम 1961, महिलाओं के कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न से सम्बन्धित विषय विस्तारपूर्वक जानकारी दी गयी। प्रशिक्षण के द्वितीय दिवस में मा0 अपर जिला जज/सचिव अनुपम शौर्य के द्वारा परिचय एवं आइस ब्रेकिंग सत्र के माध्यम से पैनल लायर्स व परावैधिक स्वयं सेवक की भूमिका के सम्बन्ध में अवगत कराया गया। स्थायी लोक अदालत की सदस्या प्रीति पाण्डेय के द्वारा मौलिक अधिकारों के अन्तर्गत विभिन्न अनुच्छेद के साथ-साथ विधिक सेवा अधिनियम 1987 व नालसा विनियम के सम्बन्ध में जानकारी दी गयी। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में डिप्टी लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल जय सिंह यादव के द्वारा शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 सम्बन्धी विषय पर प्रकाश डाला गया। अधिवक्ता अन्जू के द्वारा बच्चों से सम्बन्धित कानून किशोर न्याय(बालको की देखभाल एवं संरक्षण अधिनियम) सम्बन्धी विषय पर प्रशिक्षण में सम्मिलित लोगों को जानकारी देकर जागरुक किया गया। प्रशिक्षण के द्वितीय दिवस में अधिवक्ता मधू सिंह के द्वारा बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 व अनैतिक व्यापार रोकथाम अधिनियम व यौनकर्मियों से सम्बन्धित विषय पर जानकारी दी गयी। उक्त प्रशिक्षण में असिस्टेन्ट लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल योगेश चन्द्र के द्वारा यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम विषय पर अपने विचार साझा किये गये। द्वितीय दिवस प्रशिक्षण कार्यक्रम में सदस्या स्थायी लोक अदालत सुधा रानी के द्वारा बाल श्रम निषेध विनियमन अधिनियम 1986 व सरकार द्वारा बच्चों के कल्यार्थ चलायी जा रही योजनाओं के सम्बन्ध में जानकारी प्रदान की गयी। प्रशिक्षण कार्यक्रम में असिस्टेन्ट लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल विपिन कुमार के द्वारा बच्चों से सम्बन्धित कारखाना अधिनियम सम्बन्धी विषय पर उपस्थित लोगों को जानकारी दी गयी। उक्त प्रशिक्षण के अन्तिम सत्र में प्रश्नोत्तरी सत्र का आयोजन कर समस्त प्रशिक्षण प्राप्तकर्ता से उनकी प्रतिक्रिया ली गयी। दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली अनुपम शौर्य की देखरेख में सम्पन्न हुआ।

रील-सोशल मीडिया के जमाने में 'टार्जन' की याद दिला रहे राजा यादव, अखिलेश ने ऐसे की बिहारी युवक की तारीफ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव से बिहारी टार्जन के नाम से मशहूर राजा यादव ने मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान अखिलेश यादव युवक की जमकर तारीफ करते रहे। लखनऊ स्थित समाजवादी पार्टी मुख्यालय में पूर्व मुख्यमंत्री और सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने प्रेस वार्ता की। इस बार प्रेस वार्ता में एक खास शख्स की मौजूदगी चर्चा का विषय रही। यह शख्स थे बिहार के चर्चित फिटनेस आइकन और सोशल मीडिया सेंसेशन देसी टार्जन राजा यादव। उन्हें अखिलेश यादव ने 'हिम्मत और हौसले का नाम' करार दिया। अखिलेश यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के अंत में राजा यादव की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि हम लोग तो फिलहाल राजनीति में

व्यस्त हैं, लेकिन अगर समय मिला तो हम भी टार्जन जैसे बन जाएंगे। इसके साथ ही उन्होंने फिटनेस के महत्व पर बल देते हुए कहा कि अच्छी सोच के लिए अच्छी सेहत जरूरी है। इसके लिए संतुलित खानपान और परिश्रम सबसे जरूरी है।अखिलेश यादव ने कहा कि राजा यादव ने अपनी मेहनत के बल पर एक नाम पाया है। लोग इन्हें बिहारी टार्जन के नाम से बुलाते हैं। आज का समय सोशल मीडिया और रील का है। ऐसे समय में राजा यादव इस पुरानी फिल्म की याद दिला रहे हैं। लोगों को फिटनेस के प्रति प्रेरित कर रहे हैं। यह सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। अखिलेश यादव ने राजा के साथ मुलाकात की यादों को भी शेयर किया।कन्नौज से सांसद अखिलेश यादव ने कहा कि हेल्थ से बड़ी कोई वेल्थ नहीं हो सकती। यदि हमारी सेहत ठीक है, तभी हम बेहतर निर्णय ले सकते हैं और समाज को दिशा दे सकते हैं। प्रेस वार्ता के बाद अखिलेश यादव ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर राजा यादव के साथ तस्वीरें भी साझा कीं। सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने लिखा कि इंसान के बेपनाह हौसले और हिम्मत का नाम है-टार्जन।राजा यादव की देसी फिटनेस स्टाइल बिना आधुनिक जिम उपकरणों के उनके अभ्यास और अनुशासन की शैली आज युवाओं में तेजी से लोकप्रिय हो रही है। सपा प्रमुख की ओर से इस प्रकार खुले मंच से उनकी सराहना से यह संदेश गया है कि पार्टी अब युवाओं और फिटनेस के प्रतीकों को भी अपने करीब ला रही है।दरअसल, बिहार चुनाव से पहले इस प्रकार की मुलाकातों ने पटना से लखनऊ तक राजनीतिक चर्चा गरमा दी है। अखिलेश युवा वर्ग को साधने के साथ क्या बिहार के राजनीतिक मैदान में भी उतरेंगे? इस पर सवाल उठने लगा है।

27 बदमाशों को ढेर करने वाले आईपीएस राम सुरेश,कभी 300 रुपए में ट्यूशन पढ़ाए

प्रयागराज। जहां चाह वहां राह कुछ भी असंभव नहीं। सफलता के लिए यह मायने नहीं रखता कि आपकी पारिवारिक स्थिति कैसी है? बस आगे बढ़ने का साहस होना चाहिए। 'हर परिवार चाहता है कि मेरा बेटा या बेटी भी पढ़कर आगे बढ़े, जब मैं पढ़ता था तो बेहद गरीब परिवार से था। मां और पिता पर मेरी पढ़ाई को बोझ न पड़े, इसलिए 300 रुपए महीने पर घर जाकर ट्यूशन भी पढ़ाया। लेकिन, एक जुनून था कि मुझे पुलिस अफसर बनना है। प्रयागराज में कोचिंग सेंटरों में पढ़ाए हुए मेरे 20 से ज्यादा छात्र पीसीएस और पीपीएस में सफल हुए।' ये शब्द हैं आईपीएस डॉ राम सुरेश के। 1993 बैच के पीपीएस अफसर रहे राम सुरेश 2015 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। वह 2023 से मथुरा में एसएसएफ (स्पेशल सिक्योरिटी फोर्स) के कमांडेंट के तौर पर तैनात हैं। 27 बदमाशों को ढेर करने वाले राम सुरेश यूपी पुलिस फोर्स में एनकाउंटर स्पेशलिस्ट के तौर पर भी अपनी पहचान रखते हैं।जिसमें सीनियर अधिकारी उन्हें टास्क देकर निश्चित हो जाते थे कि यह काम अब समय से हो जाएगा। यूपी के गोंडा जिला मुख्यालय से 55 किमी दूरी पर कस्बा पड़ता है बभनान। यहां रहने वाले राम कलूट पेशे से किसान रहे हैं। एक अप्रैल, 1971 को जन्मे राम सुरेश बताते हैं बचपन में मैं गांव के ही सरकारी स्कूल में पढ़ने जाता था। मां यशोदा देवी गृहिणी थीं। सुबह मां ही स्कूल जाने के लिए तैयार करती थीं। कस्बे के ही प्राथमिक स्कूल से पांचवीं तक की पढ़ाई पूरी की। इसके बाद माता प्रसाद शाहू किसान इंटर कॉलेज, कूकनगर से 1985 में फर्स्ट डिवीजन में हाईस्कूल की परीक्षा पास की। इसके बाद किसान इंटर कॉलेज गौर बस्ती से 1987 में फर्स्ट डिवीजन में 12वीं पास की। पढ़ाई के दौरान भी गांव में पिता के साथ खेती के काम में हाथ बंटाता था। जो गाय पली थीं, उनका दूध भी निकालता था। यूपी बोर्ड में उस समय किसी इंटर कॉलेज में फर्स्ट डिवीजन में मुश्किल से एक ही छात्र पास होता था। घर की स्थिति इतनी मजबूत नहीं थी, फिर भी मां और पिता ने हमेशा पढ़ाने के लिए पूरी मेहनत की। जब इंटर पास किया, तो पिता से कहा कि मुझे पढ़ने के लिए प्रयागराज जाना है। इस पर मां और पिता ने कहा कि हमें बड़ी खुशी है। यह घर, गांव और जमीन तो यहीं रह जाएंगे, लेकिन पढ़ाई का जो समय है, फिर वापस नहीं आएगा।राम सुरेश बताते हैं- इंटर करने के बाद 1987 में पहली बार प्रयागराज पढ़ने पहुंचा। इलाहाबाद यूनिवर्सिटी में बीए में एडमिशन ले लिया। पिता ने कहा था, उम्मीद है कि पढ़ाई की मेहनत बेकार नहीं जाएगी।राम सुरेश बताते हैं- पहले ही प्रयास में झ्झ में चयन हो गया और बैच मिला 1993। राजेश कुमार भी पहले ही प्रयास में पीपीएस बने। उस समय मोबाइल फोन नहीं होते थे, इसलिए कस्बे में जो एसटीडी थी उसी के नंबर पर कभी-कभी कॉल कर लेते थे। जब घर परिवार को मेरे सीओ बनने का पता चला, तो मां बहुत खुश हुईं।राम सुरेश बताते हैं- साल 2000-01 की बात है, मैं उस समय गाजियाबाद में सीओ सिटी था। उस समय दिल्ली से सटे नोएडा, गाजियाबाद और मेरठ में अपराध बहुत होता था। रंगदारी और अपहरण की घटनाएं होती थीं। हापुड़ जिला नहीं बना था, हापुड़ का पूरा क्षेत्र गाजियाबाद देहात में आता था। गाजियाबाद और नोएडा बहुत तेजी से डेवलप हो रहे थे। इसी दौरान मेरठ के परतापुर से एक बड़े कारोबारी स्वतंत्र का अपहरण हो गया। जांच में मेरठ और गाजियाबाद पुलिस अधिकारियों को लगाया गया। उस समय मोबाइल आ चुका था। पता चला कि मेरठ के एक राजनीतिक व्यक्ति ने अपहरण कराया है। राम सुरेश बताते हैं- साल 2002 की बात है, मैं सीओ सिटी गाजियाबाद था। उस समय प्रशांत कुमार एसएसपी गाजियाबाद थे। एक ईंट-भट्ठे वाले के यहां उसका 5-6 साल का भांजा भी रहता था। परिवार और गांव के कुछ युवक उससे कहते कि तेरा मामा बहुत पैसे वाला है। जैसे हम कहें करना। एक दिन बहुत पैसा आ जाएगा। उसी समय परिवार में शादी समारोह की तैयारी चल रही थीं। शादी से एक दिन पहले परिवार की महिलाएं ब्यूटी पार्लर चली गईं। घर पर वह बच्चा अकेले था। इन्हीं में से एक लड़का उसे घर से बुलाकर ले गया।राम सुरेश बताते हैं- कारोबारी के परिवार में उसी दिन शादी थी। यह बात परिवार को कैसे बताएं कि बच्चे की हत्या हो गई है? पुलिस ने झाल के पास शव भी बरामद कर लिया। सारे अधिकारी भावुक हो गए। कारोबारी खुद रो रहे थे कि अचानक यह कैसे हो गया? यह ऐसी घटना थी, जिसमें पुलिस अफसरों की भी आंखें नम हो गईं। इस केस को सॉल्व करते हुए अपहरण और हत्या में शामिल सभी को अरेस्ट कर जेल भेजा गया। यह ऐसी घटना थी जिसमें एक रिश्तेदार और परिवार से जुड़े युवक ने दूसरे दोस्तों के चक्कर में अपने ही हाथ अपहरण और खून से रंग लिए। राम सुरेश एक और केस के बारे में कहते हैं कि उस समय हापुड़ जिला नहीं बना था, पिलखुवा गाजियाबाद जिले में आता था। जिसमें पिलखुवा के कपड़ा कारोबारी का हरियाणा के गैंग ने अपहरण कर लिया। इसमें व्यापारी को बरामद करते हुए हरियाणा के 50 हजार के इनामी को एनकाउंटर में ढेर किया।राम सुरेश यादव बताते हैं- 2003 की बात है। मुजफ्फरनगर जिले के जानसठ के रहने वाले कालू और बबलू गैंग का पूरे वेस्ट यूपी में आतंक था। यह दोनों भाई थे, जो भाड़े पर हत्या करने के अलावा करोड़ों की फिरौती के लिए अपहरण भी करते थे। उस समय मैं सीओ गाजियाबाद था, जहां गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के लेखपाल का अपहरण कर लिया गया। 4 करोड़ रुपए की फिरौती बदमाशों ने मांगी। लेखपाल को छुड़ाने के लिए पुलिस की 4 टीमें बनाई गईं। पता चला कि अपहरण वेस्ट यूपी के कुख्यात गैंग कालू और बबलू ने किया है। गैंग में इनके परिवार की एक महिला भी शामिल है। महिला का पुलिस को सुराग लगा। रेड की गई, लेकिन बदमाश हत्थे नहीं चढ़े। लेखपाल का परिवार डरा हुआ था कि ऐसा न हो कि पुलिस कार्रवाई के डर से बदमाश हत्या कर दें।पुलिस को सूचना मिली कि गाजियाबाद के लोनी इलाके में लेखपाल को बंधक बनाकर रखा गया है। पुलिस ने घेराबंदी की, तो बदमाशों ने फायरिंग कर दी। सिपाही और दरोगा को गोली लगी। करीब 40 मिनट तक बदमाशों और पुलिस में फायरिंग हुई। पुलिस ने लेखपाल को बरामद करते हुए दोनों कुख्यात कालू और बबलू को एनकाउंटर में ढेर किया।राम सुरेश बताते हैं- अपहरण की घटनाओं में 15 से ज्यादा लोग सुरक्षित छुड़ाए। साल- 2013 में आगरा में तैनात रहते हुए एक किसान को बीहड़ से छुड़ाया था। इस किसान की करोड़ों की जमीन प्राधिकरण में गई थी। जमीन का मोटा पैसा मिला था, जिसके लिए बदमाशों ने अपहरण किया था। राजस्थान के धौलपुर से अपहृत किसान को बचाते हुए पूरे गैंग को जेल भेजा।राम सुरेश बताते हैं- परिवार ने बचपन में ही गोद विवाह कर दिया था। बड़ा हुआ, तब गोद विवाह के बारे में पता चला। बीए में पढ़ाई के दौरान साल 1989 में उर्मिला के साथ गौना हुआ। वह कहते हैं कि परिवार ने हमेशा ही आगे बढ़ाया। आज भी अपने गांव में जाता हूं, तो गायों का दूध निकालने के साथ खेती में भी हाथ बंटाता हूं। पुलिस विभाग में आने के बाद पत्नी उर्मिला ने हमेशा साथ दिया। कई मौके ऐसे भी आए जब 24-24 घंटे से अधिक लॉ एंड ऑर्डर के लिए वर्दी भी चेंज करने का मौका नहीं मिला।डॉ. राम सुरेश यादव पुलिस विभाग में अपनी निष्पक्ष छवि के लिए जाने जाते हैं। विभाग में आने के बाद 1995-96 में दर्शन प्रकाश के नाम से किताब भी लिखी। यह किताब सिविल सेवा की तैयारी करने वाले छात्रों के लिए लिखी गई। जिसमें छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए बहुत मदद मिली। इसका प्रकाशन अभिव्यक्ति प्रकाशन और ज्ञानभारती प्रकाशन ने किया।

फेलिक्स हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने प्लेटलेट्स की कमी के बावजूद सुरक्षित डिलीवरी कराई,गंभीर थ्रॉम्बोसाइटोपीनिया, यूट्रस और पेट की दीवार में चिपकाव से जूझ रही थी महिला

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नोएडा। फेलिक्स हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने प्लेटलेट्स की कमी और पहले से दो सिजेरियन महिला का गर्भाशय पेट की दीवार से पूरी तरह चिपका हुआ था। जिसे मेडिकल भाषा में गर्भाशय आसंजन कहा जाता है। यह स्थिति आमतौर

ऑपरेशन की जटिलता के बावजूद सफल ऑपरेशन कर मां और नवजात बच्ची की जान बचाई है। डॉ सीमा चपराना ने बताया कि मध्य प्रदेश निवासी 39 सप्ताह की गर्भवती महिला पिछले शनिवार को रूटीन जांच के लिए नोएडा स्थित अस्पताल आई थी। प्लेटलेट काउंट मात्र 33 हजार होने से गंभीर थ्रॉम्बोसाइटोपीनिया था। जिससे डिलीवरी के दौरान अत्यधिक रक्तस्राव के खतरे की आशंका थी। सामान्य सिजेरियन ऑपरेशन के लिए यह संख्या 1 लाख होनी चाहिए। इतनी कम प्लेटलेट्स के साथ सर्जरी करना खतरनाक माना जाता है। लेकिन समय की मांग और शिशु की स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने तुरंत प्लेटलेट्स की व्यवस्था शुरू की। डॉक्टरों ने पहले दो जंबो प्लेटलेट यूनिट्स चढ़ाए। जिससे काउंट 47 बजट हुआ। फिर दो और यूनिट देने पर यह बढ़कर 89 हजार पहुंचा। यह संख्या अब भी न्यूनतम मानक से कम थी, लेकिन ऑपरेशन में देर करना शिशु और मां दोनों के लिए जोखिम भरा हो सकता था। ऐसे में डॉक्टरों ने बेहोशी की दवा (एनेस्थीसिया) देकर सावधानीपूर्वक ऑपरेशन शुरू किया। ऑपरेशन के दौरान गंभीर चुनौती का सामना करना पड़ा। पर पहले किए गए सिजेरियन ऑपरेशन के कारण बनती है और सर्जरी को अत्यंत जटिल बना देती है। बावजूद लेयर को साइड कर एक विंडो बनाई और बहुत सावधानी से अंदर की ओर बढ़े। अंदर पहुंचते ही उन्हें ब्लैडर और यूट्रस के बीच भी चिपकाव मिला। जिससे ऑपरेशन और भी संवेदनशील हो गया। बावजूद गर्भाशय की ऊपरी परत पर चीरा लगाकर शिशु को बाहर निकाला। इस दौरान देखा गया कि शिशु ने गर्भ में ही मल त्याग किया हुआ था, लाल। जो एक गंभीर स्थिति होती है और नवजात के फेफड़ों पर असर डाल सकती है। लेकिन सौभाग्य से बच्ची स्वस्थ निकली और उसका वजन 3.3 किलोग्राम पाया गया। इसके बाद डॉक्टरों ने गर्भाशय को सावधानी से बंद किया। इस पूरे जटिल ऑपरेशन के दौरान कोई गंभीर रक्तस्राव नहीं हुआ। मरीज के प्लेटलेट्स बहुत कम थे। यूट्रस पूरी तरह पेट की दीवार से चिपका था और पहले से दो सिजेरियन हो चुके थे। इसलिए यह केस बेहद चुनौतीपूर्ण था। लेकिन टीम ने सोच-समझकर उठाया और मां- बच्चे दोनों को सुरक्षित बचाया। वर्तमान में मां और नवजात बच्ची डॉक्टरों की निगरानी में हैं और धीरे-धीरे स्वस्थ हो रही हैं।

16 जुलाई को मानचित्रों को स्वीकृत/निस्तारित करने हेतु समाधान दिवस/कैंप का आयोजन

रायबरेली। आम जन मानस को सुविधा प्रदान करने के दृष्टिगत शमन मानचित्र एवं ओ0बी0पी0ए0एस0 पोर्टल पर प्राप्त मानचित्रों को स्वीकृत/निस्तारित करने हेतु जिलाधिकारी/ उपाध्यक्ष रायबरेली विकास प्राधिकरण हर्षिता माथुर की अध्यक्षता में दिनांक 10 जुलाई 2025 को पूर्वान्ह 10:30 बजे से अपरान्ह 01:30 बजे तक कलेक्ट्रेट स्थित बचत भवन सभागार में आयोजित होने वाला समाधान दिवस/कैम्प का आयोजन अपरिहार्य कारणों से स्थगित करते हुए, अब दिनांक 16 जुलाई 2025 को पूर्व निर्धारित समय व स्थान पर आयोजित किया जाएगा, जिसमें शमन मानचित्र एवं ओ0बी0पी0ए0एस0 पोर्टल पर ग्रुप्त मानचित्रों की स्वीकृति/निस्तारण एक ही पटल पर किया जायेगा। इस सम्बन्ध में अपना आवेदन शमन मानचित्र प्राधिकरण कार्यालय व भवन मानचित्र ओ0बी0पी0ए0एस0 पोर्टल पर जमा कर सकते है। जन मानस से अपील है कि अपने भवनों का शमन/ ओ0बी0पी0ए0एस0 पोर्टल पर मानचित्रों की स्वीकृत्ति/निस्तारण कराने हेतु आयोजित समाधान दिवस कैम्प मे उपस्थित होकर निस्तारण करा सकते है।

हज-2026 पर जाने वाले हज यात्रियों के लिए आवश्यक तैयारियों हेतु निर्देश व समय-सीमा निर्धारित : महिमा

रायबरेली। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी महिमा ने हज-2026 पर जाने वाले समस्त हज यात्रियों से कहा है कि अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा हज सत्र 2026 की घोषणा के बाद ऑनलाइन हज आवेदन हज कमेटी ऑफ इण्डिया की वेबसाइट fhttp://www.hajcommittee.gov.in व हज सुविधा एप पर 07 जुलाई 2025 से अन्तिम तिथि 31 जुलाई, 2025 (रात्रि 11:59 बजे तक) किये जायेगें। उन्होंने बताया है कि हज-2026 (1447 हि0) की आवश्यक तैयारियों हेतु निर्देश व समय-सीमा निर्धारित की गयी है, जिसके अनुसार हज-2026 हेतु पासपोर्ट मशीन पठित होना आवश्यक है। हस्तलिखित पासपोर्ट मान्य नहीं होगा। हज-2026 के आवेदन हेतु पासपोर्ट दिनांक आवेदन अन्तिम तिथि 31 दिसम्बर, 2025 या उससे पूर्व तक जारी होना चाहिए तथा जिसकी वैधता 31 दिसम्बर 2026 तक होना आवश्यक है। हज आवेदन फार्म में कम दिनों सम्भवतः 20 दिन हेतु आवेदन करने का विकल्प रखा गया है जिसके लिए सामान्य हज से अधिक व्यय की सम्भावना है। कम अवधि के पैकेज में सीमित सीटें उपलब्ध रहेंगी। अधिक आवेदन आने पर उनका चयन लाटरी से किया जायेगा। कम अवधि के हज यात्री केवल सात (07) उड़ान स्थल से रवाना हो सकेंगे, जिसमें अहमदाबाद, बैंगलोर, चेन्नई, कोचित, दिल्ली, हैदराबाद, मुम्बई। उन्होंने बताया है कि आवेदन करते समय हज अवेदकों को पासपोर्ट साइज फोटो, पासपोर्ट का प्रथम पृष्ठ, अन्तिम पृष्ठ, ऐडरेस प्रूफ, बैंक खाते का विवरण जिसमे कैंसल्ड चेक अथवा बैंक पासबुक की प्रति अपलोड की जायेगी। आवेदन करने के बाद केवल मृत्यु या गम्भीर बीमारी के कारण से ही आवेदन निरस्त किये जा सकेंगे अन्यथा की स्थिति में अर्थदण्ड के रूप में जमा धनराशि काटी जायेगी। इच्छुक आवेदकों से अनुरोध है कि आवेदन से पहले हज गाइडलाइंस को अच्छी तरह पढ़ लें तभी आवेदन करें।

ऑनलाइन आवेदन जिले में स्थापित ई-सुविधा केन्द्र, साइबर कैफे, एण्ड्रायड व आई0फोन के माध्यम से भरे जा सकते हैं। उ0प्र0 राज्य हज समिति के कार्यालय में स्थापित ई-सुविधा केन्द्र क्रियाशील कर दिया गया है जिस पर तैनात कर्मचारी का मोबाईल नम्बर 7905953578 एवं 7310103534 पर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

'हरियाली महोत्सव' अंतर्गत मंगरौरा हायर सेकेंडरी स्कूल में किया गया वृक्षारोपण

मैहर। देहात मंगरौरा हायर सेकेंडरी स्कूल में पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली को बढावा देने के उद्देश्य से 08 जुलाई से 10 जुलाई 2025 तक 'हरियाली महोत्सव' अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। जिसके तहत आज संकुल प्राचार्य वीरेंद्र प्रताप सिंह प्रधानाध्यापक श्यामसुंदर कोल और समस्त शिक्षक स्टाफ एवं छात्र-छात्राएं विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया ।वृक्षारोपण के दौरान आम, आंवला, नीम, सागौन एवं अन्य पौधे लगाए गए। वृक्षारोपण सप्ताह के अंतर्गत फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण किया गया है।

सरसेंडी में नवागंतुक शिक्षकों का हुआ स्वागत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
प्रयागराज/बारा। बेसिक शिक्षा विभाग के निर्देश के क्रम में विकास खंड जसरा के उच्च प्राथमिक विद्यालय सरसेंडी में स्थानांतरित होकर आए शिक्षकों का भव्य स्वागत किया गया। जिसमें प्राथमिक विद्यालय रामनगर से आए सरोज सिंह यादव एवं जगतधारी का डेरा विद्यालय से आईं कविता शुक्ला का शिक्षकों ने माल्यार्पण कर मुंह मीठा कराया। सरोज सिंह ने कहा कि बच्चों को बेहतर शिक्षा एवं विद्यालय परिवेश सुसज्जित रखना प्रथम उद्देश्य रहेगा। कविता जी ने कहा कि शासन की मंशानुरूप छात्रों का सर्वांगीण विकास करना ही प्रमुख लक्ष्य रहेगा। मौके पर उपस्थित शिक्षामित्र संघ के जिलाध्यक्ष ने सभी का स्वागत किया। इस अवसर पर प्र .अ. संतोष कुमारी, कंचन सिंह, प्रीति श्रीवास्तव, रेखा रानी, कमलेश यादव, आशीष कुमार, सुजीत कुमार, विजय प्रकाश आदि रहे। संचालन कर्ता सुमन्त भार्गव ने सभी का आभार प्रकट किया।

शिक्षक राष्ट्रीय अध्यापक पुरस्कार के लिए करें ऑनलाइन आवेदनः डीआईओएस

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
रायबरेली। जिला विद्यालय सहायता प्राप्त/स्ववित्त पोषित, हाई स्कूल/इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य/

प्रधानाचार्या को निर्देशित किया है कि अपने विद्यालय में कार्यरत शिक्षको को अवगत कराते हुए आवेदन कराने एवं शिक्षको द्वारा ऑनलाइन पोर्टल पर किये गये आवेदन की प्रति समस्त संलग्नकों सहित 15 जुलाई 2025 तक जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

निरीक्षक संजीव कुमार सिंह ने बताया है कि शासन के निर्देशानुसार राष्ट्रीय अध्यापक पुरस्कार वर्ष 2025 में प्रतिभाग किये जाने हेतु अध्यापको द्वारा 23 जून से 13 जुलाई 2025 के मध्य निर्धारित वेबसाइट http://nationalawardstoteachers.education.gov.in पर आवेदन किया जा सकता है। उन्होंने राजकीय/अशासकीय

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) समाज कल्याण असीम अरुण ने जैतूपुर स्थित निर्माणाधीन मल्टीपर्पज हाल का किया निरीक्षण,गुणवत्तापूर्ण कार्य कराने के दीए निर्देश

रायबरेली। मा0 राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) समाज कल्याण होना चाहिए। राज्यमंत्री ने कार्य कर रहे इंजीनियरों, कर्मियों से भी

विभाग उ0 प्र0 असीम अरुण ने सदर विधायक अदिति सिंह के साथ खेलो इंडिया योजना अंतर्गत जैतूपुर स्थित निर्माणधीन मल्टीपरपज हाल का निरीक्षण किया। राज्य मंत्री ने हॉल के मॉडल का अवलोकन किया, फिर यहां हो रहे कार्यों का जायजा लिया। डायरेक्टर समाज कल्याण कुमार प्रशांत ने राज्य मंत्री को कार्य प्रगति की विस्तृत जानकारी दी। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माणाधीन कार्यालय कक्ष,चेंजिंग रूम, हॉल, किचन, शौचालय आदि के कार्य को देखा। मंत्री ने कार्य में समयबद्धता व गुणवत्ता पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि युद्ध स्तर पर अभियान चलाकर कार्य को तय समयसीमा में पूर्ण कराएं। उन्होंने कार्यदाई संस्था को निर्देश दिया कि कार्य गुणवत्ता के अनुसार वार्ता की। उन्होंने यहाँ पर ड्रेनेज, सड़क कनेक्विटी आदि की भी जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिया कि खिलाड़ियों की सुविधा के लिए हर संभव प्रयास किया जाए।

इसके उपरांत राज्य मंत्री ने सदर विधायक अदिति सिंह और जिलाधिकारी हर्षिता माथुर के साथ पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में खेलो इंडिया योजना अंतर्गत निर्माणाधीन कार्यों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने जिला समाज कल्याण अधिकारी से विभागीय योजनाओं के संबंध में भी जानकारी ली। इस अवसर पर जिला क्रीड़ा अधिकारी धीरेंद्र पुरुषोत्तम, जिला समाज कल्याण अधिकारी सृष्टि अवस्थी, समाज कल्याण विभाग के कर्मचारीगण व अन्य लोगों उपस्थित रहे।

गुरु पूर्णिमा की पूर्व संध्या पर विशेष

सनातन धर्म की संस्कृत व संस्कृति की उत्पत्ति! गुरु के चरणों से ही होकर प्रारंभ होती है!

नोएडा पूर्णिमा के शुभ अवसर पर निखिल धाम वनखंडी सरकार के पीठाधीश्वर अनंत श्री विभूषिता महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 स्वामी पंचमानंद जी महाराज ने बताया कि भारतीय संस्कृति में गुरु को भगवान के समान माना जाता है, क्योंकि गुरु ही अज्ञान के अंधकार को दूर करके ज्ञान का प्रकाश फैलाते हैं। गुरु, शिष्य को सही मार्ग दिखाते हैं और उसे सांसारिक दुखों से मुक्ति दिलाते हैं। गुरु की महिमा का वर्णन शास्त्रों और संतों द्वारा किया गया है, और इसे अनंत बताया गया है। गुरु की महिमा को समझने के लिए, हमें गुरु के महत्व को समझना होगा, गुरु वह व्यक्ति है जो हमें ज्ञान, दिशा और जीवन के सही उद्देश्य को समझने में मदद करता है। वह हमें जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए सक्षम बनाता है और हमें आत्म-जागरूकता की ओर ले जाता है। हमारे जीवन में गुरु का विशेष महत्व होता है। भारतीय संस्कृति में गुरु को भगवान से भी बढ़कर माना जाता है। संस्कृत में 'गु' का अर्थ होता है अंधकार (अज्ञान) एवं 'रु' का अर्थ होता है प्रकाश (ज्ञान)। गुरु हमें अज्ञान रूपी अंधकार से ज्ञान रूपी प्रकाश की ओर ले जाते हैं। गुरु को महत्व देने के लिए ही महान गुरु वेद व्यासजी की जयंती पर गुरु पूर्णिमा का पर्व मनाया जाता है।आषाढ़ माह की पूर्णिमा के दिन गुरु पूर्णिमा का उत्सव मनाया जाता है।इस पर्व को हिन्दू ही नहीं बल्कि जैन, बौद्ध और सिख धर्म के लोग भी मनाते हैं। माता और पिता अपने बच्चों को संस्कार देते हैं, पर गुरु सभी को अपने बच्चों के समान मानकर ज्ञान देते हैं। गुरु और शिक्षकों का सम्मान करना हमारा कर्तव्य है। एक विद्यार्थी के जीवन में गुरु अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। गुरु के ज्ञान और संस्कार के आधार पर ही उसका शिष्य ज्ञानी बनता है। गुरु की महत्ता को महत्व देते हुए प्राचीन धर्मग्रन्थों में भी गुरु को ब्रह्मा, विष्णु और महेश के समान बताया है। एक व्यक्ति गुरु का ऋण कभी नहीं चुका पाता है। गुरु मंदबुद्धि शिष्य को भी एक योग्य व्यक्ति बना देते हैं। संस्कार और शिक्षा जीवन का मूल स्वभाव होता है। इनसे वंचित रहने वाला व्यक्ति बुद्धू होता है। गुरु के ज्ञान का कोई तोल नहीं होता है। हमारा जीवन गुरु के अभाव में शून्य होता है। गुरु अपने शिष्यों से कोई स्वार्थ नहीं रखते हैं, उनका उद्देश्य सभी का कल्याण ही होता है। गुरु को उस दिन अपने कार्यों पर गर्व होता है, जिस दिन उसका शिष्य एक बड़े ओहदे पर पहुंच जाता है। पूर्णिमा के शुभ अवसर पर शिष्य अपने देव स्वरूप गुरुदेव का सानिध्य पाकर आशीर्वाद प्राप्त कर अपने आपको गौरवान्वित समझता है। हर किसी के जीवन में गुरु का विशेष महत्व होता है। मनुष्य को गुरु का महत्व समझना चाहिए और जीवन पर्यंत उनका सम्मान करना चाहिए। उनके आशीर्वाद के बगैर मनुष्य अधूरे हैं। गुरु के प्रति हमेशा शिष्य के मन में श्रद्धा होनी चाहिए, तभी से अपने कार्य के बारीकियों को भलीभांति सीख सकते हैं। गुरु ही अपने ज्ञान से शिष्य को सन्मार्ग पर ले जाता है. गुरु का वास्तविक अर्थ तो यही ध्वनित होता है कि जो जीवन में गुरुता यानी वजन-शक्ति बढ़ाये. यह भौतिक पदार्थों से नहीं, बल्कि सत-शास्त्रों के निरंतर अध्ययन और चिंतन-मनन से ही संभव है. बाहरी गुरु से धोखा हो सकता है, लेकिन सत्साहित्य से व्यक्ति निरंतर वजनदार होता जाता है. सच तो यह है कि हर मनुष्य 'गोविंद' बन कर ही जन्म लेता है. यही कारण है कि शिशु को जन्म देते ही एक मां को ईश्वर को पाने जैसा सुख मिलता है. कबीर कहते हैं कि भगवान और गुरु दोनों साथ मिलें, तो गुरु के चरणों में समर्पित हो जाना चाहिए जिस गुरु की ओर कबीर का संकेत है, उस गुरु के दो चरण हैं- पहला चरण 'बुद्धि और दूसरा 'विवेक' है. जिसने भी गुरु के इन चरणों को मजबूती से पकड़ लिया, उसका गुरुत्व और गुरुत्वाकर्षण बढ़ जाता है. इस अवसर पर सैकड़ों समर्पण भाव वाले मौजूद थे। इस मौके पर आचार्य विश्वनाथ त्रिपाठी, श्री भरतानंद जी महाराज, गौरव आचार्य, देव मणि शुक्ल, सी एल तिवारी, संदीप पांडेय, सिया राम, रवि राघव, राजेश कुमार गुप्ता, संजय पांडेय, गोरे लाल, अजय सिंह, धर्मेंद्र सिंह, रंजन गिरि, अंगद सिंह तोमर, रमेश चंद्र दास, सत्येन्द्र प्रताप सिंह, राम भजन सिंह, हंस मणि शुक्ल, वीरेंद्र कुमार राय, मोहन राम, धर्मेंद्र कुमार मिश्रा, मुक्तेश भारद्वाज, प्रांजल शुक्ला, अनिल कुमार शर्मा, देव नारायण तिवारी, अभिशेष पांडेय, निखिल पाठक, दलवीर सिंह, प्रमोद सिंह, रवि कुमार, राजवीर सिंह आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे।

स्कूलों के विलय के खिलाफ शिक्षकों का प्रदर्शन, मर्जर नीति और ओपीएस समेत कई मांगों को लेकर मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन दिया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के आह्वान पर मंगलवार को जिले भर से हजारों शिक्षकों ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा। शिक्षकों ने इसको लेकर इस आदेश को वापस कराने की मांग की। जिलाध्यक्ष संतोष कुमारी की अध्यक्षता में आयोजित इस धरने में जिले के सभी ब्लॉकों से शिक्षक-शिक्षिकाएं शामिल हुए। धरना प्रदेश नेतृत्व के उस आंदोलनात्मक कार्यक्रम का हिस्सा था, जिसके तहत सरकार द्वारा विद्यालयों के मर्जर, 150 से कम छात्र संख्या वाले प्राथमिक विद्यालयों और 100 से कम छात्र संख्या वाले उच्च प्राथमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापक पदों को समाप्त करने जैसे निर्णयों के खिलाफ आवाज बुलंद की गई। धरना को सम्बोधित करते हुए जिलाध्यक्ष संतोष कुमारी ने कहा कि वर्तमान परिवेश में परिषदीय विद्यालयों का संचालन व पठन पाठन बहुत ही प्रभावशाली रूप में चल रहा है। परंतु इस प्रकार के निर्देश से परिषदीय विद्यालयों का पठन-पाठन अत्यंत प्रभावित होगा। इसके नतीजे राष्ट्र के लिए घातक और भयंकर होंगे। कहा कि प्रदेश के नौनिहाल बच्चों के भविष्य के प्रति गहनता से विचार करते हुए परिषदीय विद्यालयों को पेयरिंग कर विद्यालयों का मर्जर प्रक्रिया अपनाए जाने के कारण परिषदीय विद्यालयों को बंद किए जाने के निर्देश को निरस्त किया जाए। संघ की चेतावनी है कि यदि सरकार ने शीघ्र ही इस विषय पर कोई सकारात्मक कार्रवाई नहीं की, तो आगामी दिनों में आंदोलन को और तेज किया जाएगा और जनपद सोनभद्र प्रदेश नेतृत्व के हर निर्णय में अग्रिम पंक्ति में खड़ा रहेगा। इस मौके पर संगठन मंत्री धनश्याम सिंह, संरक्षक लल्लन सिंह, विनीता, बृजबाला सिंह, सरोज, दिव्या सिंह, राज मौर्या, अनिल कुमार सिंह, संतोष कुमार सिंह, तैयब अंसारी, अखिलेश सिंह गुंजन, शिवशंकर, जटा शंकर, रजनीश श्रीवास्तव, राजेश प्रेमी आदि रहे।

एबीवीपी का स्थापना दिवस राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस के रूप में मना

सोनभद्र। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) का 77वां स्थापना दिवस जिले भर में धूम धाम से मनाया गया।के अवसर पर रॉबर्ट्सगंज के डायट सभागार में संगोष्ठी का आयोजन किया गया।डायट परिसर में आयोजित संगोष्ठी में विभाग प्रमुख डॉ आमोद तिवारी, स्वावलंबी भारत के प्रान्त संयोजक पुनीत मिश्रा, विभाग संगठन मंत्री विवेक कुमार, डायट प्रवक्ता नीरज, पूर्व विभाग संगठन मंत्री अशोक ने मां सरस्वती व स्वामी विवेकानंद के प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलन व पुष्पार्चन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए स्वावलंबी भारत के प्रान्त संयोजक ने कहा आज अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का स्थापना दिवस है। जिसे संगठन राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस के रूप में मनाता है।विद्यार्थी परिषद मानती है कि विद्यार्थी कल का नहीं,आज का नागरिक है। विद्यार्थी देशभक्त,चरित्रवान, ईमानदार तथा परिश्रमी बनें और केवल अपने लिए नहीं, देश व समाज के लिए जिएं; ये गुण विद्यार्थी परिषद कूट-कूटकर भरती है। पूर्व योजना और पूर्ण योजना ये मंत्र विद्यार्थी परिषद ने ही सबको सिखाया है। आज जो कुछ भी कार्यकर्ता अपने निजी जीवन में अच्छा कर पा रहे है, उसमें विद्यार्थी परिषद द्वारा दिए गए गुणों का बहुत योगदान है। विभाग प्रमुख डॉ आमोद तिवारी ने कहा कि भारत माता की जय का उद्घोष मात्र बोलने ने लिए नही है परिषद् का प्रत्येक कार्यकर्त्ता माँ भारती के लिए जीने का कार्य करता है देश की अखंडता के लिए कार्य करता है। विभाग संगठन मंत्री विवेक ने कहा कि छात्रशक्ति को राष्ट्रशक्ति में रूपांतरित करने और युवाओं में देशभक्ति की भावना जागृत करने हेतु समर्पित अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के स्थापना की गई। चाहे पूर्वोत्तर में घुसपैठ के मुद्दे को राष्ट्रीय स्तर पर लाना हो,आपातकाल के विरुद्ध राष्ट्रव्यापी आंदोलन के माध्यम से तानाशाही को चुनौती देना हो, गोवा मुक्ति आंदोलन को गति प्रदान करनी हो या धारा 370 के विरोध में सक्रिय भूमिका निभानी हो, एबीवीपी ने सदैव देशहित को सर्वोपरि रखा है और मातृभूमि व संस्कृति के प्रति युवाओं को जागरूक किया है।

इस संगठन ने भारतीय इतिहास में अमिट छाप छोड़ने वाले अनेक महापुरुष देकर राष्ट्रनिर्माण की यात्रा को सतत और सशक्त बनाए रखा है। स्थापना दिवस इस अवसर को 'राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस' के रूप में मनाया जाता है जो राष्ट्र निर्माण में छात्रशक्ति के योगदान को समर्पित है। अभाविप के कार्यकर्ता देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों एवं शैक्षणिक संस्थानों में संगोष्ठियों, छात्र रैलियों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, और रक्तदान शिविरों का आयोजन कर इस पर्व को बड़ी धूम धाम से मनाते है। परिषद के कार्यकर्ताओं ने छात्रहित, शिक्षा सुधार और राष्ट्रभक्ति जैसे विषयों पर संवाद स्थापित किया।

इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जिला संयोजक ललितेश मिश्रा, पूर्व जिला संयोजक सौरभ, पूर्व संगठन मंत्री मनीष पटेल, प्रिंस सिंह, अमन सिंह सहित सैकड़ों विद्यार्थी उपस्थित रहे।

जनपद के बैंकों पर एक दिवसीय हड़ताल,जताया विरोध

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र -। देश के नौ केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर बुधवार को 17 सूत्रीय मांगों को लेकर देशव्यापी हड़ताल के समर्थन में सोनभद्र जनपद के बैंकों में भी एक दिवसीय हड़ताल रही। हड़ताल के दौरान रॉबर्ट्सगंज स्थित पंजाब नेशनल बैंक के बाहर बैंककर्मियों ने मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। मजदूर विरोधी, कारपोरेट समर्थक रवैये का विरोध करते हुए केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। यूपी बैंक इम्प्लाइज एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष राजीव रंजन ने कहा कि उनकी मांगों में नए श्रम संहिताओं की वापसी सबसे अहम है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की जन व श्रम विरोधी नीतियों के विरोध में यह राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल की गई है। सरकार ने सभी को बंधुआ मजदूर बनाने की योजना बना ली है, जो बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सरकार को अपने फैसले वापस लेने होंगे। कहा कि सरकार को बैंकों का निजीकरण रोकना होगा, पर्याप्त भर्तियां सुनिश्चित करें, आउटसोर्सिंग भर्ती बंद की जाए, कॉरपोरेट के बकाया ऋणों की तत्काल वसूली हो, ग्राहकों के लिए बैंकों में सेवा शुल्क कम किया जाए। जिलामंत्री मुकेश कुमार ने सरकार से मांग की है कि प्रतिगामी श्रम संहिताओं को लागू न किया जाए, ओपीएस बहाल करें, ट्रेड यूनियन अधिकारों में हस्तक्षेप बंद हो, बैंक कर्मियों की लंबित मांगों का निराकरण शीघ्र किया जाए। प्रदर्शन करने वालों में राजेश, महेश, राहुल,अजय, दीपेश, उत्पल, रामजी, रामकेश, विकास, नीरज आदि बैंक कर्मी शामिल रहे।

9 माह बाद कोर्ट के आदेश पर दम्पति समेत तीन के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने का आदेश

चोपन थाना क्षेत्र के बेलछ गांव के टोला अकेलवा निवासी मनीष कुमार हत्याकांड का मामला

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। करीब 9 माह पूर्व हुए मनीष कुमार हत्याकांड के मामले में सीजेएम आलोक यादव की अदालत ने दम्पति समेत तीन लोगों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर विवेचना का आदेश चोपन थानाध्यक्ष को दिया है। साथ ही विवेचना के परिणाम से न्यायालय को अवगत कराने का आदेश दिया है। उक्त आदेश चोपन थाना क्षेत्र के बेलछ टोला अकेलवा गांव निवासी अर्जुन प्रसाद पुत्र स्वर्गीय रजई द्वारा अधिवक्ता राजेंद्र प्रसाद सिंह के जरिए दाखिल धारा 173(4)बीएनएसएस के प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने दिया है। कोर्ट में 16 नवंबर 2024 को दाखिल प्रार्थना पत्र में अर्जुन प्रसाद ने अवगत कराया है कि उसका बेटा मनीष कुमार डाला प्लांट में 11 अक्तूबर 2024 को काम करने सायं 4 बजे घर से निकला था। गांव का सुदेश्वर पुत्र राम अधार उसके घर आया था और सुदेश्वर के कहने पर उसका बेटा मनीष कुमार रास्ते से ही सुदेश्वर के घर चला गया। जब बेटा घर वापस नहीं आया तो प्लांट पर पता किया तो पता चला कि उसका बेटा मनीष कुमार नहीं आया है। काफी तलाश करने के बाद भी जब बेटा मनीष कुमार का पता नहीं चला तो सुदेश्वर के घर गया तो सुदेश्वर ने सही बात बताने से इनकार कर दिया। उसके बाद बेटे मनीष की मोबाइल पर कई बार फोन किया, घण्टी जा रही थी लेकिन फोन नहीं उठा। इसीबीच 14अक्तूबर 2024 को सुबह 8 बजे सूचना मिली कि बेटे मनीष की लाश नाले में पड़ी है। सिर्फ अंडरवियर के अलावा शरीर पर कोई कपड़ा नहीं था। आसपास भी कपड़ा जूता, मोजा, मोबाइल नहीं था। पुलिस मौके पर पहुंच कर शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। काफी दूर सुदेश्वर की पत्नी सिताबी देवी की शाल व साड़ी का आधा भाग बेडशीट में लपेटा दिखाई दिया। जिससे पूर्ण विश्वास है कि बेटे मनीष की हत्या गांव के सुदेश्वर पुत्र राम अधार, सिताबी देवी पत्नी सुदेश्वर व सुदेश्वर का दामाद रमेश निवासी गिरिया, थाना पन्नूगंज, जिला सोनभद्र ने साजिश के तहत किया है। इसकी सूचना कई बार थाने दिया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। जहां एसपी सोनभद्र को रजिस्टर्ड डाक से दिया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। कोर्ट ने इस मामले में सीओ से प्रारंभिक जांच आख्या मांगा तो जो सीओ ने आख्या कोर्ट में दी है उसमें मनीष की मौत डूबने से होना दर्शाया गया है।

मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने माना कि मृतक की मोबाइल की बरामदगी न होने, मोबाइल गायब होने, मृतक का केवल अंडरवियर में लाश मिलना प्रथम दृष्टया संज्ञेय अपराध किए जाने का संकेत देता है। इसके अलावा सीओ की जांच आख्या में मोबाइल व कपड़ों की कोई भी जांच किए बिना ही आख्या प्रस्तुत की गई है। मृतक के मोबाइल की जांच सभी कई साक्ष्य प्राप्त किए जा सकते हैं। अतः मामले की विवेचना आवश्यक है। कोर्ट ने चोपन एसओ को एफआईआर दर्ज कर विवेचना करने व कृत कार्यवाही से न्यायालय को अवगत कराने का आदेश दिया है।

दुद्धी में दो सगी बहनों ने खाया जहर,फर्श पर रखे कीटनाशक को टाफी समझकर खाया, दोनों जिला अस्पताल रेफर

सोनभद्र। सोनभद्र जिले के दुद्धी क्षेत्र के सिद्धवादामर गांव में बुधवार को खेलते समय दो सगी बहनों ने ज़हर खा लिया। यह दर्दनाक हादसा तब हुआ जब दोनों बच्चियां खेलते-खेलते अपने बड़े पिताजी के घर पहुंच गईं, जहां फर्श पर रखी मक्खी मारने की दवा को उन्होंने गलती से टॉफी समझ लिया और निगल गईं। हादसे के बाद दोनों की हालत गंभीर बनी हुई है और उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया है। राम स्वार्थ की बेटियां, 3 वर्षीय सीमा और 2 वर्षीय पूजा, रोज की तरह घर के बाहर खेल रही थीं। पिता दिल्ली में मजदूरी करते हैं, जबकि मां खेत में काम पर गई थीं और दादा सोमारू बैल से खेत जोत रहे थे। इस बीच, बच्चियां खेलते-खेलते पास में ही रहने वाले अपने बड़े पापा देव कुमार के घर चली गईं। घर उस वक्त खाली था और फर्श पर मक्खी मारने की जहरीली दवा रखी थी, जिसे बच्चियों ने संभवतः कोई मीठी चीज या टॉफी समझकर खा लिया।परिजन जब खेत से लौटे तो देखा कि दोनों बच्चियां फर्श पर अचेत पड़ी हैं। पास ही कीटनाशक दवा का डिब्बा पड़ा था, जिससे यह अंदेशा हुआ कि उन्होंने वही ज़हर खा लिया है। परिवार ने तत्काल 108 नंबर पर कॉल कर एंबुलेंस बुलाई और बच्चियों को दुद्धी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। डॉ. विनोद ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने के कारण उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल बच्चियों के दादा सोमारू की आंखें बार-बार भर आ रही थीं। उन्होंने कहा, 'मेरा बेटा राम स्वार्थ दिल्ली में मजदूरी कर रहा है, घर की जिम्मेदारी मेरे ऊपर थी... अब उसे क्या बताऊं कि उसकी बच्चियां अस्पताल में मौत से लड़ रही हैं।'वहीं जब मां को बच्चियों की हालत का पता चला, तो वह बेसुध होकर रोने लगी। बार-बार कहती रही, 'हे भगवान, मेरी बेटियां मुझे छोड़कर मत जाना... मेरा क्या होगा?' इतना कहकर वह बेहोश हो गई, जिसे आस-पास की महिलाओं ने संभाला।

सोनभद्र के करहिया में सालों से बंद होम्योपैथी अस्पताल:दुद्धी तहसील से 25 किमी दूर पहाड़ी क्षेत्र में स्थित

सोनभद्र। सोनभद्र जिले के कोन क्षेत्र स्थित ग्राम पंचायत करहिया में सरकारी होम्योपैथी अस्पताल कई वर्षों से बंद पड़ा है। यह क्षेत्र पहाड़ों से घिरा हुआ है और दुद्धी तहसील से लगभग 25 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।विंढमगंज के मंडल अध्यक्ष वीरेंद्र चौधरी ने अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल की स्थिति पर नाराजगी व्यक्त की। चौधरी ने कहा कि पहाड़ी क्षेत्र में स्थित इस अस्पताल का खुलना बेहद जरूरी है।मंडल अध्यक्ष ने स्थानीय लोगों को आश्वासन दिया कि वे अस्पताल को पुनः चालू करवाने का पूरा प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि वे इस मामले से उच्च अधिकारियों को भी तत्काल अवगत कराएंगे।

एबीवीपी का स्थापना दिवस राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस के रूप में मनाया गया

सोनभद्र। आज दिनांक 9 जुलाई 2025 को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का 77वां स्थापना दिवस के अवसर पर रॉबर्ट्सगंज के राजा शारदा महेश इंटर कालेज में संगोष्ठी एवं विद्यार्थी संवाद का आयोजन किया गया। स्थापना दिवस इस अवसर को 'राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस' के रूप में मनाया जाता है जो राष्ट्र निर्माण में छात्रशक्ति के योगदान को समर्पित है। अभाविप के कार्यकर्ता देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों एवं शैक्षणिक संस्थानों में संगोष्ठियों, छात्र रैलियों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, और रक्तदान शिविरों का आयोजन कर इस पर्व को बड़ी धूम धाम से मनाते है। परिषद के कार्यकर्ताओं ने छात्रहित, शिक्षा सुधार और राष्ट्रभक्ति जैसे विषयों पर संवाद स्थापित किया।

प्रवासी कार्यकर्ता पूर्व विभाग संगठन मंत्री अमित देव पांडेय ने इस अवसर पर कहा की 'छात्र केवल भविष्य के नागरिक नहीं, बल्कि वर्तमान के जिम्मेदार कर्ताधारी हैं।' इस का उद्देश्य विद्यार्थियों को राष्ट्र के प्रति सजग और समर्पित बनाना है। राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस, छात्रों की ऊर्जा और संकल्प को एक दिशा देने का प्रयास है।'

विद्यार्थी परिषद छात्रों को कल का नही अपितु आज का नागरिक मानते हुए उनके अंदर नेतृत्व क्षमता विकसित कर रही है।

वही प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अनमोल सोनी ने बताया की अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जिसकी स्थापना 9 जुलाई 1949 को हुई थी, आज यह भारत ही नही अपितु विश्व का सबसे बड़ा छात्र संगठन बन चुका है।

यह संगठन न केवल शैक्षणिक परिसरों में छात्र कल्याण के लिए कार्य करता है, बल्कि समाज के विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय योगदान भी देता है। आभार ज्ञापन प्राचार्य डॉ. बृजेश सिंह ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया और विद्यार्थी को अध्ययन के साथ साथ देशहित व समाजहित के कार्यक्रम मे सम्मिलित होते हुए अपनी भूमिका सुनिश्चित करने का आह्वान किया। इस दौरान संस्कृत प्रवक्ता श्री राकेश शुक्ल, नगर सह मंत्री कुशाग्र दुबे, अभय कुमार उपस्थित रहे।

नयी भर्ती, एफडीआई, निजीकरण जैसे मुद्दों पर राष्ट्रव्यापी हड़ताल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। भारत सरकार द्वारा सरकारी संस्थाओं में लगातार परिवर्तन किया जा रहा है जिससे नाराज संस्थाओं के कर्मचारियों ने बुधवार को देशव्यापी हड़ताल कर अपनी मांगों को सरकार के सामने रखा। इस क्रम में रावट्सगंज स्थित भारतीय जीवन बीमा निगम की शाखा के मुख्य द्वार को बंद कर वाराणसी डिवीजन इन्श्योरेन्स इम्प्लॉइज एसोसिएशन के बैनर तले एसोसिएशन के शाखा रावट्सगंज के अध्यक्ष प्रेमनाथ तिवारी के नेतृत्व में कर्मचारियों ने सरकार की नीति और नीयत के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और अपनी मांगों को रखा।अध्यक्ष प्रेमनाथ तिवारी ने कहा कि श्रम कानून को बंद करके सरकार नया लेबर कोड्स कर्मचारियों पर थोपकर हम श्रमिकों के अधिकारियों का हनन करना चाहती है और साथ ही सरकारी संस्थाओं का लगातार हो रहा निजीकरण देश की आर्थिक संप्रभुता, जनहित एवं देशहित के खिलाफ है।

कर्मचारी एसोसिएशन के महामंत्री परमानंद सिंह ने बताया पुरानी पेंशन बहाली की मांग करते हुए कहा कि सरकार द्वारा पुरानी पेंशन व्यवस्था बंद करके एनपीएस/यूपीएस लागू किया जाना नौकरी पेशा वर्ग के लोगों के बेहतर भविष्य पर सीधा हमला है। सुरेन्द्र कुमार सिंह ने बीमा क्षेत्र में 100 प्रतिशत एफडीआई लाने को देश की जनता के घरेलू बचत को विदेशी हाथों में सौंपने की बात करते हुए एफडीआई का विरोध किया तो उपस्थित कर्मचारियों ने बताया कि 2020 से भारतीय जीवन बीमा निगम में नियमित कर्मचारियों की नयी भर्ती पूर्ण रूप से बंद है जो संस्था की प्रगति में बाधक एवं कार्यबल के हितों के विपरित है साथ ही कर्मचारियों ने आईआरडीए पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि आईआरडीए द्वारा लगातार बीमा नियमों में बदलाव और प्रिमियम पर जीएसटी लगाया जाना सामान्य जनता के आर्थिक सुरक्षा हितों के विपरित है। एक दिवसीय हड़ताल के दौरान कर्मचारियों ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि सरकार ने कर्मचारियों की मांग जनहित में नहीं माना तो निकल भविष्य में व्यापक स्तर पर आंदोलन किया जाएगा।

इस दौरान कर्मचारी एसोसिएशन की ज्योति अस्थान, रामजी सिंह, विकास पटेल, पूजा सिंह, संजय कुमार गुप्ता, हजारी लाल, रतन लाल, किशोरी, सोहन जायसवाल, तेजबली सिंह उपस्थित थे।

क्या ब्रैडमैन का रिकॉर्ड तोड़ेंगे शुभमन,एक सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने के करीब,190 रन बनाकर गावस्कर से आगे निकल जाएंगे

नयी दिल्ली। टीम इंडिया के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल इंग्लैंड में इतिहास रचने के करीब हैं। वे 2 ही टेस्ट में 3 शतक लगाकर 585 रन बना चुके हैं। 3 टेस्ट में 390 रन और बनाते ही शुभमन एक सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले प्लेयर बन जाएंगे। इस मामले में वे ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज डोनाल्ड ब्रैडमैन का 95 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ देंगे। वहीं शुभमन को एक सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाला भारतीय भी बन सकते हैं। इस मामले में वे सुनील गावस्कर का 54 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ेंगे। इतना ही नहीं, वे इंग्लैंड में एक सीरीज में सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने वाले भारतीय भी बन सकते हैं। शुभमन ने 2 ही टेस्ट में 585 रन बना दिए हैं। वे इंग्लैंड में एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बनने से महज 18 रन दूर हैं। 603 रन बनाते ही वे राहुल द्रविड़ को पीछे छोड़ देंगे, जिन्होंने 2002 में 3 शतक लगाकर 602 रन बनाए थे। शुभमन 9 रन और बनाते ही इंग्लैंड में एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय कप्तान भी बन जाएंगे। इस मामले में वे विराट कोहली का रिकॉर्ड तोड़ेंगे। जिन्होंने 2018 में जेम्स एंडरसन और स्टुअर्ट ब्रॉड जैसे बॉलर्स के खिलाफ 593 रन बनाए

थे।शुभमन गिल 190 रन और बनाते ही एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय भी बन जाएंगे। इस मामले में वे सुनील गावस्कर का रिकॉर्ड तोड़ेंगे, जिन्होंने 1971 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 4 ही टेस्ट में 774 रन बना दिए थे। इंग्लैंड के खिलाफ एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन का रिकॉर्ड बनाने वाला भारतीय बनने के लिए शुभमन को 128 रन ही चाहिए। वे 713 रन बनाते ही यशस्वी जायसवाल का रिकॉर्ड तोड़ देंगे, जिन्होंने पिछले साल ही घरेलू कंडीशन में 712 रन बनाए थे।शुभमन गिल 148 रन और बनाते ही एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय कप्तान भी बन जाएंगे। इस मामले में वे सुनील गावस्कर का 47 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ेंगे। जिन्होंने 1978 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 6 टेस्ट में 732 रन बनाए थे। शुभमन 71 रन और बनाते ही इंग्लैंड के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय कप्तान भी बन जाएंगे। इस मामले में विराट कोहली को पीछे छोड़ेंगे, जिन्होंने 2016 में घरेलू कंडीशन में ही 655 रन बनाए थे। एक सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले कप्तान भी डॉन ब्रैडमैन ही हैं। उन्होंने 1936-37 की ऐशेज में इंग्लैंड के खिलाफ 5 टेस्ट में 810 रन बनाए थे। यह ब्रैडमैन की भी कप्तानी में पहली ही टेस्ट सीरीज थी। गिल 225 रन बनाते ही इस रिकॉर्ड को अपने नाम कर लेंगे।शुभमन गिल बतौर कप्तान सबसे तेज 1000 टेस्ट रन का रिकॉर्ड भी बना सकते हैं। यह रिकॉर्ड भी ब्रैडमैन के नाम है, जिन्होंने 11 पारियों में 1000 रन बनाए थे। शुभमन को 6 पारियों में 415 रन और चाहिए। भारतीय कप्तानों में सुनील गावस्कर के नाम यह रिकॉर्ड है, जिन्होंने 14 पारियों में एक हजार रन पूरे किए थे।ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान व दिग्गज सर डोनाल्ड ब्रैडमैन ने 1930 में इंग्लैंड में ही 5 टेस्ट खेलकर 974 रन बनाए थे। शुभमन को डॉन से आगे निकलने के लिए 3 टेस्ट में 390 रन चाहिए। एक टेस्ट सीरीज में 900 रन बनाने का रिकॉर्ड ब्रैडमैन के अलावा इंग्लैंड के वॉली हैमंड के नाम ही है। जिन्होंने 1928-29 में ऑस्ट्रेलिया जाकर 908 रन बनाए थे।शुभमन गिल एक सीरीज में सबसे ज्यादा टेस्ट सेंचुरी लगाने का रिकॉर्ड भी बना सकते हैं। फिलहाल यह रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के क्लाइव वालकॉट के नाम है। जिन्होंने 1955 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 शतक लगाए थे। गिल 3 टेस्ट में 3 शतक लगाकर इस रिकॉर्ड को बना सकते हैं। शुभमन बतौर टेस्ट कप्तान अपनी पहली ही सीरीज खेल रहे हैं। लीड्स में पहले टेस्ट की पहली पारी में उन्होंने 147 रन बनाए थे। हालांकि, वे टीम को मुकाबला नहीं जिता सके।

हमारा ब्लड प्रेशर लो क्यों होता है? इन 10 संकेतों को कभी न करें नजरअंदाज

नयी दिल्ली। आजकल खराब लाइफस्टाइल के कारण लोगों में हाई और लो ब्लड प्रेशर की समस्या आम होती जा रही है। लो ब्लड प्रेशर को मेडिसिन की भाषा में हाइपोटेंशन और

हाई ब्लड प्रेशर को हाइपरटेंशन कहा जाता है। हालांकि कभी-कभार बीपी का थोड़ा ऊपर-नीचे होना सामान्य है। लेकिन अगर यह अक्सर होने लगे तो गंभीर स्वास्थ्य समस्या का संकेत हो सकता है। नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, लो ब्लड प्रेशर अक्सर बिना किसी खास लक्षण के होता है। इसलिए यह जानना बेहद जरूरी है कि यह समस्या कब सामान्य है और कब डॉक्टर के पास जाने की जरूरत होती है। तो चलिए, आज फिजिकल हेल्थ कॉलम में हम लो ब्लड प्रेशर के बारे में विस्तार से बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- लो ब्लड प्रेशर क्या है और ये किन कारणों से होता है? इस समस्या से कैसे बचा जा सकता है?जब हार्ट खून को पूरे शरीर में पंप करता है तो वह नसों की दीवारों पर दबाव डालता है, जिसे ब्लड प्रेशर कहते हैं। अगर यह दबाव सामान्य से कम यानी 90/60 स्स्पु (मिलीमीटर ऑफ मर्करी) से नीचे चला जाता है तो उसे लो ब्लड प्रेशर कहते हैं। इस स्थिति में शरीर के अंगों को पर्याप्त मात्रा में ब्लड और ऑक्सीजन नहीं मिल पाता, जिससे व्यक्ति को चक्कर आना, थकान, धुंधला दिखना और कभी-कभी बेहोशी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। ब्लड प्रेशर की माप में दो संख्याएं होती हैं। सिस्टोलिक (ऊपरी संख्या): जब दिल खून पंप करता है। डायस्टोलिक (निचली संख्या): जब दिल पंप के बाद विश्राम करता है। आमतौर पर एक स्वस्थ व्यक्ति का बीपी लगभग 120/80 स्स्पु होना चाहिए। जब यह स्तर काफी नीचे चला जाए तो यह शरीर के लिए खतरे की घंटी साबित हो सकता है। ब्लड प्रेशर बहुत कम होने पर शरीर के अंगों को पर्याप्त ब्लड और ऑक्सीजन नहीं मिल पाती है। इससे व्यक्ति को चक्कर आना, थकान, धुंधलापन या बेहोशी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। कई बार बैठने या खड़े होने के तुरंत बाद ये लक्षण अचानक महसूस होते हैं। ब्लड प्रेशर लो होने के पीछे डिहाइड्रेशन और हार्ट संबंधी समस्याएं, हॉर्मोनल असंतुलन और खून की कमी समेत कई कारण शामिल हैं। महिलाओं में प्रेग्नेंसी के दौरान हार्मोनल बदलावों की वजह से भी ब्लड प्रेशर गिर सकता है, जो आमतौर पर डिलीवरी के बाद अपने आप सामान्य हो जाता है। इसके अलावा गर्म मौसम, तनाव, डर या अचानक दर्द जैसी स्थितियां भी अस्थायी रूप से बीपी कम कर सकती हैं।लो ब्लड प्रेशर का इलाज इसके कारण पर निर्भर करता है। आमतौर पर लाइफस्टाइल में बदलाव जैसे ज्यादा पानी पीना, धीरे-धीरे उठना और थोड़ा नमक ज्यादा खाना इसमें मददगार हो सकता है। कुछ मामलों में डॉक्टर दवाएं भी लिख सकते हैं। वहीं अगर कोई दवा बीपी को गिरा रही है तो डॉक्टर उसकी खुराक घटा सकते हैं या दवा बंद कर सकते हैं। लो ब्लड प्रेशर की समस्या से बचने के उपाय लो बीपी से बचने के लिए लाइफस्टाइल और खानपान में कुछ बदलाव जरूरी है। लो ब्लड प्रेशर हमेशा खतरनाक नहीं होता है। कुछ लोगों में यह बिना किसी लक्षण के भी हो सकता है। वहीं अगर इससे अक्सर चक्कर, थकान या बेहोशी जैसे लक्षण दिखें तो यह किसी छिपी हुई स्वास्थ्य समस्या का संकेत हो सकता है।अगर आपको चक्कर आना, कमजोरी, धुंधलापन या बेहोशी जैसा महसूस हो तो तुरंत बैठ जाएं या लेट जाएं। अपने पैरों को ऊपर की ओर उठाएं ताकि दिमाग तक ब्लड फ्लो बढ़ सके। गहरी और धीमी सांस लें, घबराएं नहीं। पानी या ध्ंए पिएं क्योंकि डिहाइड्रेशन भी एक कारण हो सकता है।अगर खाली पेट हैं तो हल्का और जल्दी पचने वाला कुछ खाएं, जैसे बिस्किट या फल। अगर लक्षण बने रहें या बेहोशी जैसा महसूस हो रहा हो तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। ध्यान रखें कि अगर यह स्थिति बार-बार हो रही है तो इसे मामूली न समझें। यह किसी गंभीर समस्या का संकेत हो सकता है, जिसका जांच और इलाज जरूरी है। डॉ. संजीव अग्रवाल बताते हैं कि हां, खाने-पीने की गलत आदतें लो ब्लड प्रेशर को प्रभावित कर सकती हैं। पर्याप्त पानी न पीना, शराब का ज्यादा सेवन और बहुत हल्का या अनियमित भोजन करने से बीपी गिर सकता है। खासकर डिहाइड्रेशन की स्थिति में यह और बिगड़ सकता है। हां, नियमित हल्की एक्सरसाइज जैसे वॉकिंग, योग या स्ट्रेचिंग से ब्लड सर्कुलेशन सुधरता है और लो बीपी कंट्रोल में रह सकता है। लेकिन बहुत तेज या हैवी एक्सरसाइज से बीपी गिर सकता है, इसलिए एक्सरसाइज हमेशा शरीर की क्षमता और डॉक्टर की सलाह के अनुसार ही करें।अगर इसे लंबे समय तक अनदेखा किया जाए तो यह दिमाग, दिल और किडनी जैसे अहम अंगों तक ब्लड और ऑक्सीजन की सप्लाई को प्रभावित कर सकता है। इससे बेहोशी, ऑर्गन फेल्योर या शॉक जैसी गंभीर स्थिति बन सकती है। इसलिए समय रहते सही कारण की पहचान और इलाज कराना बेहद जरूरी है।

लंदन में कहां रहते हैं विराट कोहली? इंग्लैंड के दिग्गज ने बातें-बातें में पता बता दिया

नयी दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली

लंदन शिफ्ट हो चुके हैं। पिछले कुछ समय में उन्हें लंदन में बार-बार स्पॉट किया गया। विराट के बेटे का जन्म भी पिछले साल की शुरुआत में लंदन में ही हुआ था। टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके विराट आखिरी बार आईपीएल 2025 में खेलते नजर आए थे। अब वह फिर से लंदन पहुंच गए हैं। वह सोमवार को विंबलडन में नोवाक जोकोविच का मुकाबला देखने के लिए सेंटर कोर्ट पहुंचे। उनके साथ पत्नी अनुष्का शर्मा भी दिखीं। इंग्लैंड के सबसे सफल बल्लेबाजों में शामिल जोनाथन ट्रॉट ने कहा- क्या वह सेंट जॉन वुड में या उसके पास नहीं रहते? क्या उन्हें वापस आने के लिए मनाया नहीं जा सकता?पूर्व इंग्लैंड बल्लेबाज जोनाथन ट्रॉट ने संकेत दिया है कि भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली इस समय लंदन के सेंट जॉन वुड इलाके में रह रहे हैं। कई रिपोर्ट्स में उनके ठिकाने को लेकर अनुमान लगाए गए, लेकिन उनकी सही जगह की पुष्टि नहीं हुई थी। टेलीग्राफ की एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि कोहली नॉटिंग हिल इलाके में रह रहे हैं। मगर स्टार स्पोर्ट्स पर चर्चा के दौरान ट्रॉट ने संकेत दिया कि कोहली सेंट जॉन वुड में रह रहे हैं, जो उत्तर-पश्चिम लंदन का एक खूबसूरत इलाका है।विराट कोहली का बल्ला टेस्ट क्रिकेट में लंबे समय से शांत था। 2019 के अंत में उनका टेस्ट औसत करीब 55 का हुआ करता था। उसके बाद से 39 टेस्ट में 30 की औसत से विराट ने 2028 रन बनाए। 2020 से 2025 के बीच टेस्ट में विराट ने सिर्फ तीन शतक लगाए। उन्हें लगातार ऑफ स्टंप के बाहर की गेंद को खेलने में परेशानी हो रही थी। आईपीएल 2025 के बीच विराट ने सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर टेस्ट छोड़ने का फैसला सुना दिया। क्रिकेट इतिहास के सबसे सफल बल्लेबाजों में शामिल विराट कोहली टेस्ट में 10000 रन नहीं बना पाए।

पहलवान सुशील कुमार जमानत मिलते ही रेलवे की नौकरी पर लौटे,हत्या के आरोप से मचा था बवाल

नयी दिल्ली। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता रेसलर सुशील कुमार ने हाई-प्रोफाइल

हत्या मामले में जमानत मिलने के बाद आधिकारिक तौर पर उत्तर रेलवे में अपनी ड्यूटी फिर से शुरू कर दी है। कभी भारतीय कुश्ती के स्टार के रूप में पहचाने जाने वाले प्रतिष्ठित पहलवान ने इस सप्ताह की शुरुआत में रेलवे ऑफिस में रिपोर्ट की, जो अदालतों से प्रशासनिक कामकाज की ओर एक बड़ा बदलाव दर्शाता है। सुशील कुमार साथी पहलवान सागर धनखड़ की हत्या के सिलसिले में 2021 से न्यायिक हिरासत में थे। दिल्ली हाई कोर्ट ने हाल ही में मुकदमे की प्रक्रिया में लंबी देरी का हवाला देते हुए उन्हें जमानत दी थी। हालांकि, जांच अभी भी जारी है और सुशील कुमार की कानूनी लड़ाई खत्म नहीं हुई है। रेलवे के सूत्रों ने बताया कि वर्तमान में उत्तर रेलवे में सीनियर कमर्शियल मैनेजर के पद पर नियुक्त सुशील कुमार फॉर्मल ड्रेस में नौकरी पर आए। अधिकारियों ने उनकी बहाली की पुष्टि करते हुए कहा कि यह प्रक्रिया सर्विस रूल्स के अनुसार की गई। सुशील कुमार की वापसी पर लोगों की प्रतिक्रिया मिली-जुली रही है।कुछ लोगों ने हत्या के मामले में आरोपी व्यक्ति की बहाली की आलोचना की है, वहीं कुछ का तर्क है कि दोषी साबित होने तक सुशील कुमार निर्दोष हैं और अपनी पेशेवर जिम्मेदारियां फिर से शुरू करने के हकदार हैं। कभी नेशनल लेवल पर पहचान बनाने वाले सुशील कुमार का ओलंपिक पोडियम (बीजिंग 2008 में कांस्य और लंदन 2012 में रजत) से लेकर हत्या के आरोपी बनने तक का सफर पूरे देश को स्तब्ध कर गया है।

फिलहाल, यह स्टार रेसलर चुपचाप अपनी सामान्य जिंदगी में लौटने पर फोकस करता दिख रहा है। हालांकि, अदालती कार्यवाही अभी भी जारी है, इसलिए इस मामले का साया उनकी वापसी की कोशिशों पर मंडरा रहा है।

बदबू,सीलन,फंगस वाली एसी आपको कर सकती हैं बीमार..बहुत बीमार

नयी दिल्ली। भारत उन गिने-चुने देशों में है, जहां सभी ऋतुएं होती हैं। इनमें मानसून बेहद

सुकून देने वाला मौसम है। इस मौसम में भी कुछ लोग एसी (एयर कंडीशनर) का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन इसकी देखभाल और बदली हुई जरूरतों को नजरअंदाज कर देते हैं। नतीजतन सीलन, फंगस, बदबू, बिजली बिल में इजाफा और कई बार एसी में खराबी तक आ जाती है। इसलिए गर्मी की तुलना में मानसून में एसी की देखभाल कहीं ज्यादा जरूरी होती है। अगर समय रहते ध्यान न दिया जाए तो छोटा-सा फॉल्ट बड़ी परेशानी बन सकता है।मानसून में एसी इस्तेमाल करना इसलिए सहीं नहीं हैं मानसून में हवा में नमी ज्यादा होती है, जो एसी की कार्यक्षमता पर असर डालती है। अगर समय पर सफाई और सर्विसिंग न हो तो एसी में फंगस, बैक्टीरिया और धूल जमा हो सकती है। इससे हवा दूषित हो जाती है, जो एलर्जी, सिरदर्द या सांस की समस्या का कारण बन सकती है। साथ ही नमी के कारण कूलिंग कॉइल और फिल्टर जल्दी गंदे होते हैं, जिससे बिजली की खपत बढ़ती है और कूलिंग कमजोर हो जाती है। कई बार एसी से पानी टपकने लगता है, जिससे दीवारें भी खराब हो सकती हैं। इसलिए मानसून में एसी की देखभाल पर खास ध्यान देना जरूरी है। अगर एसी का फिल्टर गंदा हो या पानी बाहर निकालने वाली पाइप बंद हो जाए तो नमी कमरे में जमा होने लगती है। बहुत ठंडा टेम्प्रेचर रखने से भी दीवारों और खिड़कियों पर पानी जम सकता है, जिससे सीलन बढ़ जाती है। इसलिए मानसून में एसी की सफाई जरूरी है और टेम्प्रेचर ज्यादा कम नहीं रखना चाहिए।मानसून में एसी को सिर्फ चलाना ही नहीं, बल्कि उसकी देखभाल भी जरूरी है। इससे वह लंबे समय तक सही काम करेगी। साथ ही बिजली की बचत भी होगी। नीचे दिए गए कुछ आसान और कारगर तरीकों को अपनाकर आप अपने एसी की परफॉर्मेंस को बेहतर बना सकते हैं।

मानसून में लगातार बढ़ती नमी, बारिश और गंदगी की वजह से एसी के कुछ खास हिस्से जल्दी प्रभावित होते हैं। जैसेकि-एयर फिल्टर बारिश के मौसम में धूल की वजह से एयर फिल्टर पर जल्दी गंदगी जम सकती है। इसलिए हर 10-15 दिन में फिल्टर को निकालकर धोएं। गंदा फिल्टर हवा की क्वालिटी को खराब कर सकता है और एलर्जी या सांस से जुड़ी परेशानियों का कारण बन सकता है। ड्रेनेज पाइप- मानसून में अक्सर पानी की निकासी में दिक्कत आती है, खासकर अगर पाइप में धूल या काई जम गई हो। पानी सही से न निकलने से इनडोर यूनिट से पानी टपकने लगेगा। यह सीलन और दीवारों को नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए समय-समय पर ड्रेनेज पाइप को साफ करवाना जरूरी है। आउटडोर यूनिट (फिन्स और पंखा) - बारिश में आउटडोर यूनिट के आसपास मिट्टी, पत्तियां और कीड़-पतंगे जमा हो सकते हैं। इससे यूनिट के फिन्स और पंखे पर असर पड़ता है और कूलिंग घट जाती है। इसलिए कोशिश करें कि यूनिट छांव या शेड में हो और उसके आसपास सफाई बनी रहे। कूलिंग कॉइल- बारिश में हवा की नमी कॉइल पर जमकर उसे चिपचिपा बना सकती है। इससे कूलिंग धीरे-धीरे कम होने लगती है और बिजली की खपत बढ़ती है। हर सीजन की शुरुआत में इसकी डीप क्लीनिंग जरूर करवाएं। डक्ट (अगर सेंट्रल एसी है) - मानसून में डक्ट के अंदर नमी और गंदगी फंगस को जन्म देती है। इससे हवा में बदबू और एलर्जी के कण फैल सकते हैं। इसलिए मानसून में डक्ट की सफाई कराना जरूरी है, खासकर बच्चों या अस्थमा के मरीजों के लिए।कुछ लोग 16-18 डिग्री पर एसी चला देते हैं, जिससे कमरे में सीलन और पानी की बूंदें जम सकती हैं। यह सेहत और दीवारों दोनों के लिए नुकसानदायक है। साथ ही बारिश के मौसम में आउटडोर यूनिट के आसपास मिट्टी, पत्तियां और कीड़े जमा हो जाते हैं, जिससे यूनिट की परफॉर्मेंस पर असर पड़ता है। इन गलतियों से बचकर आप एसी को न सिर्फ सुरक्षित रख सकते हैं, बल्कि बिजली की बचत और बेहतर कूलिंग भी पा सकते हैं।नम मौसम में पूरे दिन एसी चलाना ठीक नहीं है। इससे कमरे में नमी फंस सकती है, जिससे सीलन, बदबू और फंगल इंफेक्शन की समस्या हो सकती है। साथ ही बिजली की खपत भी बढ़ती है और एसी पर दबाव पड़ता है। बेहतर है कि एसी को ड्राई मोड पर चलाएं, बीच-बीच में कमरे को हवादार करें और जरूरत हो तो सीलिंग फैन का भी इस्तेमाल करें। इससे ठंडक बनी रहेगी और एसी पर लोड भी कम होगा।मानसून में एसी का इस्तेमाल बच्चों और बुजुर्गों के लिए सुरक्षित है, लेकिन सही देखभाल और संतुलित इस्तेमाल के साथ। इस मौसम में हवा में नमी ज्यादा होती है, जो सांस, एलर्जी और फंगल इन्फेक्शन जैसी समस्याएं बढ़ा सकती है। खासकर बच्चों और बुजुर्गों का इम्यून सिस्टम थोड़ा कमजोर होता है, इसलिए उन्हें साफ और आरामदायक वातावरण की ज्यादा जरूरत होती है।

मानसून में एसी का टेम्परेचर थोड़ा अलग और संतुलित रखना चाहिए। इस मौसम में वातावरण में पहले से ही नमी होती है, इसलिए बहुत कम टेम्परेचर (जैसे 16-20 डिग्री) पर एसी चलाना नुकसानदायक हो सकता है। इसलिए तापमान 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच होना चाहिए। इससे कमरे में न तो ज्यादा ठंडक होती है और न ही नमी बढ़ती है। साथ ही एसी की परफॉर्मेंस बेहतर रहती है, बिजली की बचत होती है। नहीं, मानसून में एसी की इनडोर यूनिट को अलग से कवर करने की जरूरत नहीं होती क्योंकि यह पहले से ही घर के अंदर सुरक्षित स्थान पर होती है और मौसम की सीधी मार से बची रहती है। जरूरत कवरिंग की सिर्फ आउटडोर यूनिट को होती है, खासकर तब जब वह खुले में लगी हो और बारिश सीधा उस पर पड़े।

ज्वाला गुट्टा की बेटी के नाम का क्या है अर्थ, हिंदू धर्म में माना जाता है प्रेम का प्रतीक, भगवान कृष्ण को है प्यारा

नयी दिल्ली। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी ज्वाला गुट्टा ने

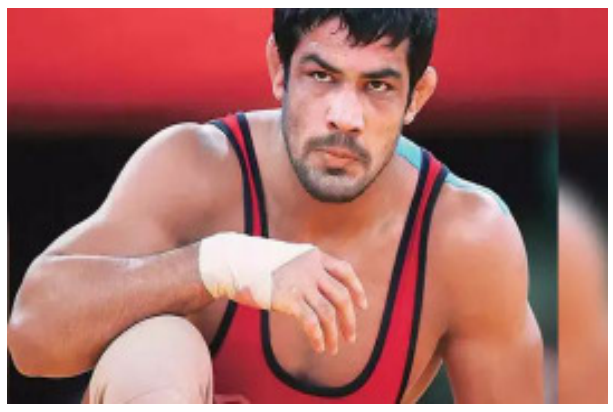

अप्रैल में बेटी को जन्म दिया है। 2021 में ज्वाला ने एक्टर प्रोड्यूसर विष्णु विशाल से शादी की थी। विष्णु विशाल और ज्वाला गुट्टा ने हाल में ही अपनी बेटी का नामकरण समारोह आयोजित किया। इसमें बॉलीवुड के सुपर स्टार और मिस्टर परफेक्शनिस्ट के नाम से मशहूर आमिर खान ने भी हिस्सा लिया। आमिर ने ही ज्वाला और विशाल की बेटी का नामकरण किया।इस कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए आमिर खान हैदराबाद पहुंचे थे। आमिर ने कपल की बेटी का नाम भी रखा – 'मीरा'। ज्वाला गुट्टा ने इंस्टाग्राम पर इवेंट की फोटो शेयर करते हुए लिखा, 'हमारी 'मीरा'! इससे ज्यादा कुछ नहीं मांगा जा सकती आमिर, आपके बिना यह सफर नामुमकिन होता। हम आपसे प्यार करते हैं। खूबसूरत और सोच-समझकर कर नाम देने के लिए शुक्रिया।विष्णु विशाल ने सोशल मीडिया पर लिखा- 'मीरा' बिना शर्त प्रेम और शांति का प्रतीक है। हिंदू धर्म में मीरा के कई अर्थ होते हैं। इसमें समुद्र, शांति और भगवान कृष्ण की भक्त शामिल है।41 साल की ज्वाला गुट्टा ने बैडमिंटन में कई उपलब्धियां हासिल की है। वह मुख्य रूप से डबल्स इवेंट की खिलाड़ी रही। 2011 विश्व चैंपियनशिप में उन्होंने ब्रॉन्ज मेडल जीता था। उबेर कप में भी दो बार ब्रॉज जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे चुकी हैं। उनके नाम कॉमनवेल्थ गेम्स में एक गोल्ड समेत चार मेडल हैं। उन्होंने डबल्स और मिक्स्ड डबल्स में कुल 316 मैच जीते, जो भारतीय खिलाड़ी में सबसे अधिक है। विष्णु विशाल तमिल फिल्म इंडस्ट्री में एक्टर और प्रोडियूसर हैं। शुरुआत में वह क्रिकेटर बनना चाहते थे। वह टीएनसीए के लीग मैचों में खेलते भी थे लेकिन पैर की चोट की क्रिकेट का करियर खत्म कर दिया।

इंडिया वर्सेस इंग्लैंड- टीम इंडिया का खौफ... लॉर्ड्स टेस्ट से पहले ब्रैंडन मैकुलम ने बदली प्लानिंग, पिच को लेकर रखी खास मांग

बर्मिंघम। भारत के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज के दूसरे

टेस्ट मैच में 336 रनों से मिली करारी शिकस्त से आहत इंग्लेंड ने तीसरे टेस्ट मैच के लिए तेज गेंदबाजों की मददगार पिच की मांग की है। 10 जुलाई से लॉर्ड्स के मैदान पर सीरीज का तीसरा मुकाबला होना है। इंग्लैंड की प्लेइंग इलेवन में तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर की वापसी लगभग तय है जबकि गस एटकिंसन की भी टीम में वापसी हुई है। आर्चर लंबे समय तक कोहनी और पीठ की चोटों से उबरने के बाद टेस्ट में वापसी के लिए तैयार है । उन्होंने अपना पिछला टेस्ट फरवरी 2021 में खेला था।गट एटकिंसन हैमस्ट्रिंग की समस्या के कारण पहले दो टेस्ट में हिस्सा नहीं ले पाए। उनकी वापसी से टीम को तेज गेंदबाजी आक्रमण के मजबूत होने की उम्मीद है। इंग्लैंड के कोच ब्रेंडन मैकुलम ने कहा कि वह एमसीसी के मुख्य ग्राउंड्समैन कार्ल मैक्डरमॉट से 'थोड़ी अधिक गति, उछाल और स्विंग' वाली पिच चाहते हैं। उन्होंने पिछले महीने के विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल का हवाला दिया, जहां पैट कमिंस और कगिसो रबाडा गेंद को स्विंग करने में सफल रहे थे।मैकुलम ने 'ईएसपीएनक्रिकइंफो' से कहा, 'यह किसी भी तरह से एक ब्लॉकबस्टर होगा। मुझे लगता है कि अगर पिच से तेज गेंदबाजों को मदद मिली तो यह एक शानदार मैच होगा।' इंग्लैंड ने इससे पहले अपनी आक्रामक खेल शैली के अनुकूल सपाट पिचों को प्राथमिकता दी थी। टीम को लीड्स में अधिक उछाल वाली पिच पर खेले गये पहले टेस्ट में पांच विकेट से जीत मिली, तो वहीं एजबेस्टन की 'उपमहाद्वीपीय परिस्थितियों' में उन्हें करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा।जोफ्रा आर्चर ने दूसरे टेस्ट से पहले इंग्लैंड के साथ अभ्यास किया। मैकुलम ने कहा, 'वह निश्चित रूप से चयन के लिए उपलब्ध होंगे। हमारे तेज गेंदबाजों ने दो टेस्ट मैचों में अच्छा प्रदर्शन किया है। हमें एटकिंसन के चोट से उबरने पर नजर रखने की जरूरत है।'

टेक्नोलॉजी या प्लानिंग हमें भगदड़ों से बचा सकती है

भारत दुनिया की भगदड़-राजधानी बनता जा रहा है। हर जगह भगदड़ है। धार्मिक मेलों में, खेल आयोजनों में, रेलवे स्टेशनों

पर, राजनीतिक रैलियों और यहां तक? स्कूलों में भी। जानकार लोग कहते हैं कि भगदड़ें इसलिए हो रही हैं, क्योंकि भारत की बहुसंख्य आबादी नागरिक अधिकारों के प्रति अशिक्षित है। लेकिन वे पूरी तरह से गलत हैं। भगदड़ें अशिक्षा नहीं, बल्कि अपर्याप्त और लचर भीड़-प्रबंधन के कारण होती हैं। वैसे भी, एक तरफ देश में असाक्षरता घट रही है, दूसरी तरफ भगदड़ों से होने वाले हादसे बढ़ते जा रहे हैं। धार्मिक मेलों और खेल आयोजनों में एकत्र हो रही विशाल भीड़ इस बात का संकेत है कि भारत का उभरता हुआ मध्यम वर्ग अपनी समृद्धि का उत्सव मनाना चाहता है। भारतीय बेहद धार्मिक प्रवृत्ति के हैं और धर्मावलम्बी लोग तीर्थयात्राओं पर जाना चाहते हैं। चूंकि उनकी समृद्धि बढ़ी है, इसलिए उनके पास अपनी इच्छाओं को पूरा करने के लिए संसाधन भी हैं। शुभ अवसरों के बारे में मान्यता है कि उनमें पुण्य भी बहुत मिलता है। इसलिए धार्मिक मेलों और शुभ अवसरों पर बड़ी संख्या में लोग उमड़ रहे हैं। अशिक्षा में कमी और समृद्धि में बढ़ोतरी के चलते आप मान लें कि आने वाले दिनों में यह भीड़भाड़ और बढ़ेगी। जून में आईपीएल के जश्न के दौरान बेंगलुरु में मची भगदड़ से 11 लोगों की मौत हो गई। पुरी की रथयात्रा में तीन लोग मारे गए। फरवरी में दिल्ली रेलवे स्टेशन पर 18 जानें चली गईं। प्रयागराज में महाकुम्भ के दौरान कम से कम 30 लोगों की मृत्यु हो गई थी और उससे पहले जनवरी में भी तिरुपति की भगदड़ में छह लोग मारे गए थे। पिछले वर्ष भी हाथरस के एक धार्मिक कार्यक्रम में भगदड़ के बाद 121 लोगों की मृत्यु हो गई थी और 150 को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था। इन सभी मामलों में या तो भीड़-प्रबंधन बेहद लचर था या इसका पूर्णतः अभाव था। भीड़-प्रबंधन टेढ़ी खीर है और बढ़ते शहरीकरण के साथ यह और दुष्कर होता जा रहा है। अच्छी बात यह है कि इंस्टैंट कम्युनिकेशन की बेहतर क्षमता और भीड़ के मूवमेंट्स के रियल टाइम डेटा के साथ हम इसकी अच्छी योजना बनाते हुए इसका प्रबंधन कर सकते हैं। ग्रीनविच विश्वविद्यालय के फायर सेफ्टी इंजीनियरिंग समूह ने व्यवहार संबंधी प्रयोगों और गणितीय मॉडलों का उपयोग कर यह समझने का प्रयास किया है कि विभिन्न परिस्थितियों में भीड़ किस प्रकार से चलती है। उन्होंने पाया कि चार व्यक्ति प्रति मीटर से अधिक घनत्व की भीड़ का मूवमेंट जोखिमपूर्ण होता है। ऐसी भीड़ में चल रहे व्यक्ति को यह नहीं दिखता कि उसके आसपास क्या हो रहा है। वह सिर्फ अपने आसपास चल रहे चंद लोगों को ही देख पाता है। उसे इस बात का जरा भी अनुमान नहीं होता कि चारों ओर भीड़ का दवाब बन रहा है। हां, सीटीसी कैमरों के जरिए भीड़ की गंभीरता की निगरानी संभव है और रियल टाइम में सुरक्षाकर्मियों और कार्यकर्ताओं को जोखिम भरे इलाकों की जानकारी दी जा सकती है। रियल टाइम डेटा से निगरानी के अलावा हमें प्रयागराज, तिरुपति, पुरी, वाराणसी, बद्रीनाथ, द्वारका जैसे धार्मिक स्थलों पर प्रवेश के नियम-कायदे बनाने होंगे। इन शहरों में स्थानीय प्रशासन को वेनिस से सीख लेनी चाहिए, जहां आने वाले दैनिक आगंतुकों से शुल्क वसूला जाता है। धार्मिक मेलों के दौरान भीड़ कम करने के लिए शुल्क बढ़ा भी दिया जाता है। भारत में तो राजनेता ऐसा शुल्क लगाने में संकोच करेंगे, क्योंकि कोई भी ईश्वर के घर में प्रवेश पर शुल्क लगाने का दोष अपने सिर नहीं लेना चाहेगा। लेकिन अगर वो ऐसा करते हैं तो इससे प्राप्त होने वाले राजस्व को धार्मिक स्थलों की बदतर हो रही बुनियादी सुविधाओं को सुधारने पर खर्च किया जा सकता है। श्रद्धालुगण भी इसकी सराहना ही करेंगे। तीर्थयात्रा से एक सप्ताह पहले पंजीकरण को अनिवार्य किया जा सकता है, ताकि आने वाले लोगों के प्रबंधन के लिए पर्याप्त संसाधन लगाए जा सकें। इस समस्या का कोई एक हल नहीं है। रेलवे स्टेशन का भीड़-प्रबंधन स्कूल और खेल आयोजनों से भिन्न होता है। वैष्णो देवी और तिरुपति मंदिरों में सुबह-शाम की आरती के दौरान भीड़-प्रबंधन की तकनीक धार्मिक यात्राओं और सियासी रैलियों से अलग होती है। महत्वपूर्ण यह है कि हमें विशाल भीड़ को प्रबंधित करने की अपनी क्षमता बढ़ानी होगी। क्योंकि शहरीकरण और बढ़ती समृद्धि के कारण आने वाले समय भीड़ तो और बढ़ेगी ही। भीड़-प्रबंधन टेढ़ी खीर है और बढ़ते शहरीकरण के साथ यह और कठिन होता जा रहा है। पर इंस्टैंट कम्युनिकेशन की क्षमता और भीड़ के मूवमेंट्स के रियल टाइम डेटा के साथ हम इसकी अच्छी योजना बनाते हुए प्रबंधन कर सकते हैं। (ये लेखिका के अपने विचार हैं)

अमेरिका और चीन के बीच हम क्या रणनीति अपनाएं?

2014 से 2018 के बीच शी जिनपिंग ने भारत को अमेरिका के भू-राजनीतिक घेरे से निकाल बाहर करने की भरसक कोशिशें की थीं। सितंबर 2014 में वे

अहमदाबाद में साबरमती रिवरफ्रंट के सामने नरेंद्र मोदी के साथ झूले पर बिना किसी वजह के नहीं बैठे थे।2008 में वुहान और 2019 में महाबलीपुरम में हुई समिट्स में उन्होंने दो और प्रयास किए। इन प्रलोभनों के अलावा शी ने ताकत की आजमाइश करने की भी कोशिश की। इसका सबूत डोकलाम था। लेकिन कोई कवायद काम नहीं आई। भारत अमेरिका के खेमे में बना रहा। 2020 में गलवान की घटना हुई। भारत-चीन संबंधों को फिर से सामान्य होने में पांच साल लग गए।आखिर चीन भारत को अमेरिका के नेतृत्व वाले पश्चिमी गठबंधन से दूर क्यों रखना चाहता है? दलाई लामा पर आक्रामक बयानबाजी और अरुणाचल प्रदेश में जिलों के नाम बदलने की हिमाकतों के बावजूद शी को पता है कि अमेरिका, चीन और भारत के बीच विकसित हो रहे त्रिकोण में भारत एक तीसरा महत्वपूर्ण कोण है।अमेरिका को भी यह बात मालूम है। यही कारण है कि ट्रेड-वॉर की पेचीदगियों के बावजूद प्रतिरक्षा, सुरक्षा और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत-अमेरिका साझेदारी और गहरा रही है। हालांकि, अमेरिका इस बात से भी चिंतित हो सकता है कि भारत अगला चीन बन सकता है।वो जानता है कि आज भारत की जीडीपी उतनी ही है, जितनी कि 2008 में चीन की थी। यदि भारत अपनी वार्षिक जीडीपी वृद्धि दर को 8 प्रतिशत तक बढ़ाता है, तो उसकी अर्थव्यवस्था 18 वर्षों में चौगुनी होकर 16 ट्रिलियन डॉलर हो जाएगी- जो आज चीन की अर्थव्यवस्था के लगभग बराबर होगी।बेशक अमेरिका के लिए भारत, चीन की तुलना में अलग तरह की चुनौतियां और लाभ प्रस्तुत करता है। यह चीन के उलट एक लोकतांत्रिक देश है। इसमें स्वतंत्र मीडिया और एक पारदर्शी न्यायपालिका है। कई मायनों में भारत की विविधता अमेरिका के अनुरूप है।इसलिए अमेरिकी थिंक टैंकों का मानना है कि एक ध्रुवीकृत दुनिया में भारत उनका आदर्श सहयोगी साबित होगा। लेकिन अमेरिका की फितरत यह है कि वह अपने प्रतिस्पर्धियों की नकेल कसने के बारे में सोचता रहता है, फिर चाहे वे आज के हों या आने वाले कल के।यही कारण है कि उसने 1990 के दशक से 2025 तक सोवियत संघ के बाद वाले रूस को घेरने के लिए नाटो के धीरे-धीरे बढ़ते विस्तार का इस्तेमाल किया था। रूस-यूक्रेन युद्ध के मूल में अमेरिका की यही नीति है। रूस की अर्थव्यवस्था पर भारी प्रतिबंध लगाए गए हैं, जिससे चीन पर उसकी निर्भरता बढ़ गई है। शीत युद्ध के दौर के अपने प्रतिद्वंद्वी को कमजोर करने के बाद अब अमेरिका ने अपना ध्यान चीन की ओर लगाया है। लेकिन चीन रूस की तुलना में अलग तरह का खतरा पेश करता है। ईवी, महत्वपूर्ण खनिजों और एआई में चीन की बढ़त अमेरिकी आधिपत्य को चुनौती देती है। 2035 तक भारत की अर्थव्यवस्था 8 ट्रिलियन की हो जाएगी। ऑपरेशन सिंदूर ने दिखाया है कि भारत ने दशकों से चली आ रही अपनी शांतिवादी छवि को त्यागा है। अब पाकिस्तान-प्रायोजित आतंकवाद का मुकाबला सैन्य-कार्रवाई से किया जाएगा। यह अमेरिका को चिंतित करता है। यही कारण है कि वह भारत को तंग करने के लिए पाकिस्तान का इस्तेमाल करता है। भारत-उदय का डर बीजिंग को भी परेशान करता है, अलबत्ता पूरी तरह अलग कारणों से। अमेरिका की तरह चीन भी भारत के बड़े उपभोक्ता बाजार का दोहन करना चाहता है। लेकिन भारत की बढ़ती ताकत उसे खटकती है। शक्तिशाली भारत के प्रति चीन का डर अमेरिका की तुलना में ज्यादा तात्कालिक है। ऐसे में भारत की रणनीति क्या होनी चाहिए? त्रिभुज के तीसरे कोण के रूप में भारत एक अच्छी स्थिति में है। हम चीन को दूर रखते हुए अमेरिका के साथ अपनी आर्थिक, तकनीकी और रक्षा साझेदारी को गहरा कर सकते हैं, लेकिन बीजिंग को भी भारत के बढ़ते उपभोक्ता बाजार का स्वाद चखने का मौका दे सकते हैं। अमेरिकी बाजार में प्रमुख चीनी निर्यात के लिए जगह नहीं होने के कारण बीजिंग को जल्द से जल्द विकल्प तलाशने की जरूरत है। आसियान और ईयू- दो विकल्प हैं। लेकिन चीन पहले से ही आसियान के साथ भारी व्यापार कर रहा है, जिससे उसका लाभ सीमित हो रहा है।इधर यूक्रेन पर रूसी आक्रमण के बाद ईयू के साथ संबंध खराब हो गए हैं। इस भू-राजनीतिक भूलभुलैया में भारत के पास कुछ महत्वपूर्ण कार्ड हैं। लेकिन अगले दशक की प्रमुख शक्ति के रूप में उभरने के लिए उसे रणनीतिक रूप से कदम बढ़ाने होंगे। अमेरिका, चीन और भारत के बीच विकसित हो रहे त्रिकोण में भारत तीसरा कोण है। अमेरिका को यह बात मालूम है। भारत-अमेरिका साझेदारी गहरा रही है। हालांकि अमेरिका इससे भी चिंतित है कि भारत अगला चीन बन सकता है। (ये लेखक के अपने विचार हैं 'मिन्हाज मर्चेंट')

बिना भरोसे से क्विक कॉमर्स ने खरीदार और दुकानदारों को बदल दिया

कोविड के बाद कुछ वर्षों तक मैं परफ्यूम ऑनलाइन ही खरीदता था। क्योंकि ये सुविधाजनक था। घर पर डिलीवरी होती थी।

ऑनलाइन-ऑफलाइन की प्रक्रिया भी एक जैसी थी और ये कांच की बोतलों की सार संभाल भी कर लेते थे। लेकिन बीते एक साल से मैंने ऑनलाइन खरीदारी बंद कर दी। क्योंकि कुछेक बार मुझे खराब अनुभव हुआ। मंगाया गया सामान मुझे नहीं मिला, बोतलें टूटी हुई और दूसरे फ्रेगरेंस की बोतल भेज दी गई। इसे बदलने में भी बहुत समय लगा, जिसके कारण मेरा ब्लड प्रेशर बढ़ गया। इसने मुझे कैश ऑन डिलीवरी (सीओडी) मोड पर खरीदने के लिए मजबूर किया। लेकिन क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म सीओडी मोड पर ज्यादा पैसे लेने लगे। उन्होंने 50 रुपए तक के कई अतिरिक्त शुल्क भी जोड़ना शुरु कर दिया। इसीलिए मैं सभी गैर जरूरी चीजें अपनी यात्राओं के दौरान हवाई अड्डों पर स्थित दुकानों से खरीदने लग गया। बोर्डिंग गेट पर इंतजार के वक्त मुझे कभी नहीं लगा कि मेरा समय व्यर्थ हो रहा है। इसके अलावा उन दुकानों पर टेस्टर भी उपलब्ध थे, जिससे मुझे सही फ्रेगरेंस चुनने में सहायता मिलती थी। ऐसा मैं अकेला नहीं, बल्कि उपभोक्ताओं के एक पूरे वर्ग को तत्काल डिलीवरी मांगने पर बिल में जोड़े गए शुल्क चुभने लगे हैं। बाजार के बड़े हिस्से पर दबदबा रखने वाले प्लेटफॉर्म बिल में कई सारे शुल्क जोड़ने लग गए हैं, जैसे हैंडलिंग चार्ज, डिलीवरी चार्ज, स्मॉल कार्ट शुल्क, बरसात का शुल्क और कभी-कभी सर्ज फीस। इससे वाकई में बिल बहुत बढ़ जाता है। इसका परिणाम यह हुआ कि हमारे घरों के आसपास के स्थानीय दुकानदारों ने अब अपनी रणनीति बदल दी। वे अब क्विक कॉमर्स से भी अधिक त्वरित हो गए हैं। उन्होंने डिलीवरी करने वाले लड़कों में निवेश किया और वो चाहते हैं कि पड़ोस के ग्राहक सिर्फ उनसे ही सामान खरीदें। वे अपने दिमाग में एक नक्शा बना लेते हैं कि वे कहां तक सामान की डिलीवरी कर सकते हैं। और वो ऐसा इसलिए करते हैं ताकि उनकी बिक्री चलती रहे। जाहिर है कि ये दुकानदार डिलीवरी करने वाले लड़कों की तनख्वाह पर खर्च के लिए तैयार हैं और इस खर्च की भरपाई के लिए वे अधिक से अधिक इलाकों में पहुंच बनाते हैं। इससे उनकी बिक्री बढ़ती है। इस उपाय से उनकी दुकानों पर भी व्यस्तता रहने लगी है, जो पहले सिर्फ वहां तक आने वाले ग्राहकों की सेवा तक ही सीमित थीं। खरीदारों की आदत में एक बड़ा बदलाव यह भी आया है कि वे अब कुछेक ऑर्डर एक साथ मिला कर खरीदारी करते हैं, ताकि हर ऑर्डर पर अतिरिक्त शुल्क देने से बचा जा सके। इन दिनों डिलीवरी बॉय बड़े थैलों के साथ आते है, जो महज छह माह पहले तक छोटे-छोटे थैले लेकर आते थे। पहले ग्राहक यह नहीं देखते थे कि वे क्विक कॉमर्स के जरिए कितनी बार ऑर्डर कर रहे हैं। लेकिन अब ये आदत नहीं रही। आपात स्थिति में टमाटर, कड़ी पत्ता जैसी सब्जियां और अन्य उपभोग की चीजें अब समीप के दुकानदारों से ली जा रही हैं, जो इन्हें 10 मिनट डिलीवरी प्लेटफॉर्म से भी अधिक तेजी से पहुंचाने के लिए तैयार हैं। ये उन प्लेटफॉर्म्स के लिए भी सुविधाजनक है, जो कम मूल्य की उन छोटी-छोटी खरीदारियों को हतोत्साहित करना चाहते हैं, जो शुरुआती तौर पर हमें आलसी बनाने के लिए थीं। चूंकि हम उपभोक्ता जल्दी से आलस्य की बीमारी में फंस गए तो इन प्लेटफॉर्म ने अपनी तिजोरी भरने के लिए कई प्रकार के शुल्क लगाना शुरू कर दिया। और अंत में यह चक्र पूरा हुआ। ग्राहक अब भी आलसी बने हुए हैं और सामान खरीदने के लिए घर से बाहर नहीं जाना चाहते। दुकानदारों ने डिलीवरी प्लेटफॉर्म की ओर चले गए उपभोक्ताओं को वापस लाने के लिए डिलीवरी बॉय की सेवाएं जोड़ दीं। कुछ ग्राहक बाहर जाकर सामान खरीदने को तैयार हो रहे हैं। और प्लेटफॉर्म उन अमीर ग्राहकों को सेवा देकर खुश हैं, जो घर पर बैठकर सामान अपने दरवाजे पर मंगाना चाहते हैं। फंडा यह है कि इससे पहले कि खरीदारी के ये आधुनिक साधन हमारी जेब से ज्यादा पैसा ले उड़ें, हमें उस आपसी भरोसे और व्यक्तिगत संबंधों की ओर वापस लौटना होगा, जो कभी हम दुकानदारों के साथ रखते थे।

आपके रसोईघर के उपकरण बहुत जल्दी क्यों चलन के बाहर हो जा रहे हैं?

अगर आप मुंबई में मेरे दोस्त अंजन मुखर्जी के पास संडे-ब्रंच के लिए जाते हैं तो वे यह सुनिश्चित करेंगे कि आप उनकी छत पर बैठकर एक गिलास बीयर या मौसम के हिसाब से गर्म सूप की चुस्कियां लें। यह उनकी पुरानी आदत है। मैं पिछले 30 सालों से उन्हें जानता हूं और उस ब्रंच में उनकी सबसे पुरानी आदत यह है कि वे बीयर की बोतलें 1990 के दशक के गोदरेज के लाल रंग के 165 लीटर के फ्रिज से निकालते हैं।खाना गर्म करने वाला उनका ओवन भी पिछली सदी का है। उनकी छत और छत तक जाने वाली सीढ़ियों पर रखी गई ज्यादातर चीजें अपनी उम्र से ज्यादा पुरानी हो चुकी हैं, फिर भी वे निष्ठापूर्वक उनकी सेवा करती हैं। हो सकता है कि वे चमचमाती हुई न हों। लेकिन वे अपना काम अच्छे से कर रही हैं। मैं हमेशा सोचता हूं कि मेरे और आपके घरेलू उपकरण जल्दी क्यों खराब हो रहे हैं? यह न कहें कि हमारे पास पुराने उपकरणों को रखने के लिए अंजन जैसी जगह नहीं है। यह सच नहीं है। ऐसा इसलिए है क्योंकि हमने आधुनिक उपकरणों की तुलना अंजन की छत पर रखे 30 साल पुराने फ्रिज या 25 साल पुराने ओवन से करना बंद नहीं किया है। और इसे मनोवैज्ञानिक अप्रचलन कहते हैं! मनोवैज्ञानिक अप्रचलन का अध्ययन

करने वाले और कई गैजेट के डिजाइन पर काम करने वाले लोगों का कहना है कि लोग काम कर रही मशीनों को भी बदल देते हैं क्योंकि उन्हें नए और ट्रेंडी या दोस्तों के बीच सबसे फैशनेबल टैग वाले उत्पाद चाहिए। लोग केवल किसी सामान के टूट जाने या खराब होने पर ही उसे नहीं बदलते हैं। वे इसलिए भी पुरानी चीजों को बदल देते हैं, क्योंकि नया सामान ज्यादा आकर्षक दिखता है, ज्यादा हाई-टेक होता है या वो बस उनकी दीवार के रंग से मेल खाने वाला होता है। डिजाइनर्स इस कमजोरी को जानते हैं और इसलिए वे लगातार नए लुक में सामान बनाते रहते हैं। यह उत्पादों के रिप्लेसमेंट को बढ़ावा देने और बिक्री बढ़ाने की एक सरल मार्केटिंग रणनीति है। मैंने कई तकनीशियनों से बात की, जिनके नंबर मेरे मोबाइल में इतने सालों से मेरे घरेलू उपकरणों की मरम्मत के चलते दर्ज हो गए हैं, और उन्होंने मुझे एक आश्चर्यजनक उत्तर दिया। शहर में आज भी ऐसे बेबी बूमर्स (1946 से 1964 के बीच जन्मे लोग) हैं, जिन्हें वे रिपेयरिंग सेवाएं दे रहे हैं और जिनके पास अभी भी पिछली सदी के उपकरण चल रहे हैं। एक कोरियाई कंपनी का प्रतिनिधित्व करने वाले नरेंद्र कहते हैं, जब मैं उनके रसोई के उपकरण खोलता हूं तो अपने इंजीनियरिंग कौशल को बेहतर बना रहा होता हूं और पुराने उपकरणों की मरम्मत करने के सबसे महत्वपूर्ण कारणों में यह भी एक है। उन्होंने यह भी कहा कि आधुनिक उपकरण लंबे समय तक चलने के लिए नहीं बनाए जाते। यही कारण है कि कई उत्पादों में वारंटी और एक्सटेंडेड वारंटी भी 4 साल से अधिक नहीं होती है। पिछले कुछ वर्षों में उपकरणों को ठीक करने के लिए आसानी से मिलने वाले कई पुर्जों को डिजिटल से बदल दिया गया है, जो कि प्रोपराइटरी संस्करण होते हैं और उनकी मरम्मत नहीं किया जा सकती। रिपेयरिंग के महंगे हो जाने का एक कारण यह भी है। कुछ उत्पादों का औसत जीवन बढ़ा है तो कुछ में इसमें खासी कमी आई है। अगर आप चाहते हैं कि आपके घरेलू उपकरण अपने औसत जीवन तक चलें तो ये ट्रिक्स आजमाएं : 1. एप्लायंसेस में ऐसे फीचर्स भी होते हैं, जिनका कोई शायद ही कभी उपयोग करता है या उन्हें समझता भी नहीं है। फिर आप उन्हें खरीदते ही क्यों हैं। नए रिलीज किए गए मॉडल को खरीदने से पहले दो बार सोचें। 2. एक्सटेंडेड वारंटी और नियमित रखरखाव में निवेश करें, ठीक उसी तरह जैसे आप हर तीन महीने में अपनी कार का मेंटेनेंस करते हैं। 3. यदि कोई छोटी-मोटी खामियां हैं तो उनके साथ जीना सीखें।

क्या आपकी कंपनी मोमेंट मार्केटिंग के साथ विज्ञापन में बेहतर है?

तकरीबन तीन हफ्ते पहले हिंद महासागर में एचएमएस प्रिंस ऑफ वेल्स से उड़ान भरने के दौरान ब्रिटेन का लड़ाकू विमान

एफ-35बी खराब मौसम के कारण डायवर्ट हो गया था। जब वह वापस विमानवाहक पोत पर नहीं लौट पाया तो केरल के तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट पर इसकी इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। कम से कम 110 मिलियन डॉलर का ये विमान तब से ही वहां मरम्मत के लिए खड़ा था। इंजीनियरों के कई प्रयासों के बावजूद ये ठीक नहीं हो पाया।यूके रॉयल नेवी को किसी भी शर्मनाक स्थिति से बचाने के लिए इस शनिवार तक इंजीनियरों की टीम जब विमान को फिर शुरू करने के अथक प्रयास कर रही थी, इसी बीच केरल की मार्केटिंग टीमें, मीम मेकर्स तेजी से सक्रिय हो गए।केरल पर्यटन विभाग ने शुरुआत की। अपने स्लोगन 'गॉड्स ओन कंट्री' के प्रमोशन में यूके की आपदा को, विभाग ने खुद के लिए अवसर में बदल लिया। पर्यटन विभाग ने एआई से बनाया पोस्टर लॉन्च किया। इसमें कीमती विमान को लेकर मजाकिया 'रिव्यु' लिखा।मानो विमान खुद कह रहा हो, 'केरल शानदार जगह है, मैं यहां से जाना नहीं चाहता। मैं निश्चित ही इस जगह को फाइव स्टार रेटिंग दूंगा।' पोस्टर के नीचे एक कैप्शन लिखा था 'केरल-ऐसी जगह, जहां से आप कभी जाना नहीं चाहेंगे।' ये पोस्ट तत्काल वायरल हो गई और लोगों का ध्यान खींचने लगी। इंटरनेट पर सक्रिय लोगों ने इसे लेकर खूब मजाकिया टिप्पणियां की। शीघ्र ही कई अन्य लोगों ने भी ऐसा करना शुरू कर दिया। गैजेट की एक छोटी दुकान ने भी इसी चित्र को जुलाई की बिक्री बढ़ाने के लिए काम में लिया, जो बरसाती मौसम में हमेशा घट जाती थी। 'क्या हुआ जो ये टूट गया, इसे जोड़ना क्या हमारा काम नहीं है?'इस विज्ञापन उत्सव में खाने के ब्रांड भी शामिल हो गए। एक विज्ञापन में जेट ने एक फूड ब्रांड को भी फाइव स्टार रेटिंग दी और इसमें कहा 'पवन फूड ने मेरी यात्रा को जायकेदार बना दिया। हर निवाले में घर जैसा स्वाद।' एक अन्य ने भी इस चित्र के साथ जोड़ा 'बहुत महंगा टी ब्रेक, दुनिया का अत्याधुनिक जेट भी खुद को केरल में ठहरने से नहीं रोक पाया। अच्छा नाश्ता आपके साथ ऐसा ही करेगा।' फेस टिश्यू बेचने वाली कंपनी ने पसीने से तरबतर पायलट को तरोताजा रखने को लेकर मजाक किया। उसने कहा 'सबकुछ योजना के अनुसार ही नहीं होता, जरा जेट से पूछिए।पर अच्छी बात है कि तरोताजा रहना तो आपके हाथ में है।' सब्जी बाजार ने एआई इमेजेस का उपयोग किया, जिनमें पायलट एक हाथ में गोभी, दूसरे में टोकरी लिए सब्जी ले रहा है। शिक्षण संस्थानों ने दावा किया कि पायलट इसलिए उतरा, क्योंकि वह उनके यहां एक कोर्स की पढ़ाई करना चाहता है। हालांकि विमान का असली पायलट तो कभी का वापस जा चुका था।वैवाहिक सेवाएं देने वाले पायलट के लिए उत्तम जोड़ी ढूंढ़ने लगे और पीवीसी पाइप निर्माता कंपनी ने जेट के लिए एक बरसात रोधी शेल्टर बनाने की पेशकश की। जब सभी लोग जेट के चित्र के साथ हो हल्ला कर रहे थे तो केरल का डेयरी विभाग कहां चुप रहने वाला था। उसने नारा दिया 'चलिए, आखिरकार कौन एक कूल ब्रेक लेना नहीं चाहेगा?' इसे मोमेंट मार्केटिंग कहा जाता है, जो डिजिटल मार्केटिंग की एक प्रमुख रणनीति है।इसके जरिए हम रचनात्मक तरीके से तात्कालिक घटनाओं का उपयोग करते हैं। यदि आपकी क्रिएटिव टीम में थोड़ी परिस्थिति संबंधी बुद्धिमता है, यानि उसमें ट्रेंडिंग या घट रही स्थितियों पर रचनात्मक मजाकिया वन लाइनर बनाने का गुण है तो आपका ब्रांड इंटरनेट पर मौकों को भुना सकता है और डिजिटल यूजर्स के दिमाग में जगह बना लेगा। और यही किसी विज्ञापन का सबसे महत्वपूर्ण काम होता है।सोचिए कि आपकी टीम मोमेंट मार्केटिंग में कितनी बेहतर है। अमूल एक राष्ट्रीय ब्रांड के तौर पर हर सप्ताह ऐसा कर रहा है। यह समाचारों में ट्रेंड कर रही किसी चीज को फिर से छूता है, इससे उपभोक्ताओं से जुड़ाव में सहायता मिलती है और उसे ट्रेंडिंग विषय को फिर से याद दिलाता है।फंडा यह है कि ग्राहक के दिमाग में चीजें बैठा देना ही मार्केटिंग है और इसके लिए मोमेंट मार्केटिंग से बेहतर क्या हो सकता है।

मार्केटिंग सही हो तो आप कुछ भी, किसी भी कीमत पर बेच सकते हैं

यदि आप उनमें से हैं, जो रेसिंग के बारे में कुछ नहीं जानते तो बीते सप्ताहांत रिलीज हुई 'एफ 1: द मूवी', फॉर्मूला वन की दुनिया जानने के लिए अच्छी फिल्म हो सकती है। हो सकता है फिल्म की कुछ तकनीकी शब्दावली समझ में ना आए, लेकिन देखने में ये इतनी मनमोहक है कि आप 2.36 घंटे तक कुर्सी से नहीं हिल पाएंगे। क्योंकि उन्होंने इसे मैक्स वेर्स्टाप्पेन, चार्ल्स लेक्लर्क और लुईस हैमिल्टन जैसे वास्तविक ड्राइवर्स के साथ फिल्माया है। फिल्म 2023 व 2024 की असली रेसिंग के दौरान फिल्माई गई थी। इसकी ध्वनि आपको जोश से भर देगी। निर्माताओं ने रेसिंग के लिए एक 'उत्तम' कार बनाने के? आवश्यक तकनीकी पहलुओं और उसके पीछे की भौतिकी को भी छुआ है।वास्तव में यह रेसिंग की दुनिया का बेहतरीन परिचय देती है। ब्रैड पिट और डैमसन इदरीस ने अपने किरदारों को इतने प्रभावशाली ढंग से निभाया है, जो लोगों को एफ1 के बारे में जानने के लिए उत्सुक करते

हैं। लेकिन इस फिल्म को देखते वक्त मुझे जरा भी अहसास नहीं हुआ ?कि पॉपकॉर्न की एक बड़ी बकेट के पीछे भी लाखों रुपए का व्यापार छिपा है।पॉपकॉर्न कई दशकों से मूवी थिएटरों और प्रदर्शनकर्ताओं की आय का प्रमुख जरिया रहे हैं। अब जिस बकेट में ये रखे जाते हैं, वह भी उतनी ही महत्वपूर्ण हो रही है। इसी से पूरी दुनिया में थिएटर व्यवसाय फलफूल रहा है। यह मुझे कल तब महसूस हुआ जब मेरे कजिन भाई के बेटे ने अमेरिका से बात की और 'एफ 1: द मूवी' देखने के अपने अनुभव बताए।वह इस फिल्म को तीन बार देख चुका है। इसलिए नहीं कि उसे फिल्म का नायक ब्रैड पिट बहुत पसंद है, बल्कि इसलिए कि पहले दो बार उसे नई एफ 1 पॉपकॉर्न बकेट नहीं मिल पाई थी, क्योंकि थिएटर में यह खत्म हो चुकी थीं। यह बकेट और कुछ नहीं, बल्कि हेलमेट की तरह दिखती हैं, जिनमें आप पॉपकॉर्न रख सकते हो। लेकिन इनकी कीमत 25 से 85 डॉलर तक होती है, जो इस बात पर निर्भर करती है कि कोई कौन-सा पेय और उत्पाद खरीद रहा है।जी हां, लोग इस प्लास्टिक कचरे के लिए इतनी बड़ी कीमत चुकाते हैं, जिसे आप और हम अपने गैरेज में रखना भी पसंद नहीं करें। उस लड़के के पास 18 ऐसे पॉपकॉर्न कंटेनर हैं, जो बीते कुछ वर्षों में थिएटर और फिल्मों के मालिकों ने लॉन्च किए थे। गूगल पर पॉपकॉर्न बकेट सर्च करो। ये शिपिंग समेत 124.99 डॉलर यानि तकरीबन 10 हजार रुपए से अधिक कीमत पर ऑनलाइन स्टोर्स में उपलब्ध हैं।थिएटर्स ने पॉपकॉर्न बकेट को भुना लिया है। वे बड़ी फिल्मों को देखने की जल्दबाजी का भाव पैदा करने और आपके थिएटर संबंधी अनुभवों में कुछ मूल्य जोड़ने के लिए इन विशेष वस्तुओं का उपयोग कर रहे हैं। मैं नहीं जानता कि अंधेरे में एक कंटेनर से पॉपकॉर्न खाने का अनुभव कैसा होता होगा। लेकिन मुझे भरोसा है कि इससे फिल्म प्रदर्शित करने वालों की आमदनी जरूर बढ़ रही है।फिल्म निर्माता कंपनियों और थिएटर मालिकों को लगता है कि इन विशेष पॉपकॉर्न बकेट्स से दर्शकों की यात्रा में अहमियत जुड़ती है और वापस जाते वक्त उनके पास एक मेमोरी होती है, जिसे वे घर में सजा सकते हैं।

यमन में भारतीय नर्स को 16 जुलाई को फांसी होगी,निमिषा पर सहयोगी की हत्या का आरोप; 2017 से जेल में बंद हैं

सना। केरल की नर्स निमिषा प्रिया को यमनी नागरिक की हत्या के मामले में 16 जुलाई को फांसी दी जाएगी। पिछले साल यमन के राष्ट्रपति राशद

अल-अलीमी ने उनकी मौत की सजा को मंजूरी दी थी। मीडिया रिपोर्ट्स ने विदेश मंत्रालय के हवाले से बताया कि भारत सरकार इस मामले पर नजर रखे हुए है और लोकल अधिकारियों और निमिषा के परिवार के साथ लगातार संपर्क में है। निमिषा 2017 से जेल में बंद हैं, उन पर यमन के नागरिक तलाल अब्दो महदी की ड्रग का ओवरडोज देकर हत्या करने का आरोप है। निमिषा और महदी यमन में एक प्राइवेट क्लिनिक में पार्टनर थे। आरोप है कि महदी ने निमिषा का पासपोर्ट कब्जे में ले रखा था और उसे प्रताड़ित करता था। 2008 में केरल के पलक्कड़ की रहने वाली 19 साल की निमिषा प्रिया नौकरी के लिए यमन पहुंचीं। राजधानी सना में एक सरकारी अस्पताल में उन्हें नर्स की नौकरी मिल गई। 2011 में निमिषा शादी के लिए भारत वापस आईं। उन्होंने कोच्चि के रहने वाले टॉमी थॉमस से शादी की और दोनों यमन आ गए। यहां थॉमस को इलेक्ट्रीशियन के असिस्टेंट की जॉब मिल गई, लेकिन सैलरी बहुत कम थी। 2012 में निमिषा ने बेटी मिशाल को जन्म दिया, लेकिन में यमन गुजारा करना मुश्किल होने लगा। 2014 में थॉमस बेटी के साथ कोच्चि लौट गए, जहां वे ई-रिक्शा चलाने लगे। जबकि निमिषा ने कम सैलरी वाली जॉब छोड़कर क्लिनिक खोलने का फैसला किया, लेकिन यमन के कानून के मुताबिक निमिषा को एक लोकल पार्टनर की जरूरत थी। इस दौरान निमिषा की मुलाकात कपड़े की दुकान चलाने वाले महदी से हुई। महदी की पत्नी की डिलीवरी निमिषा ने ही कराई थी। जनवरी 2015 में निमिषा बेटी मिशाल से मिलने भारत आईं। महदी भी उनके साथ भारत आया। इस दौरान महदी ने निमिषा की शादी की एक तस्वीर चुरा ली। बाद में महदी ने इस तस्वीर में छेड़छाड़ कर निमिषा का पति होने का दावा किया। क्लिनिक शुरू करने के लिए निमिषा ने परिवार वालों और दोस्तों से करीब 50 लाख रुपए जुटाए और यमन पहुंचकर क्लिनिक शुरू कर लिया। निमिषा ने पति और बेटी को यमन बुलाने के लिए कागजी काम शुरू किया, लेकिन मार्च में वहां गृहयुद्ध छिड़ गया और वे लोग यमन नहीं आ पाए।यमन में गृह युद्ध की वजह से भारत ने अपने नागरिकों को वहां से निकालने के लिए 'ऑपरेशन राहत' शुरू किया। यह ऑपरेशन अप्रैल-मई 2015 तक चला, जिसमें 4,600 भारतीयों और करीब एक हजार विदेशी नागरिकों को यमन से निकाला, लेकिन इनमें सिर्फ निमिषा ही भारत नहीं लौट पाईं।2016 में महदी ने निमिषा के साथ शारीरिक उत्पीड़न करना शुरू कर दिया। उसने निमिषा के क्लिनिक का प्रॉफिट भी हड़प लिया। जब निमिषा ने इस बारे में सवाल किया तो दोनों के रिश्ते खराब हो गए। महदी निमिषा को यमन से बाहर नहीं जाने देना चाहता था, इसलिए उसने निमिषा का पासपोर्ट अपने पास रख लिया। निमिषा ने पुलिस में महदी की शिकायत भी दर्ज कराई, लेकिन पुलिस ने निमिषा को ही 6 दिनों की हिरासत में ले लिया, क्योंकि महदी ने एडिटेड फोटो दिखाकर निमिषा का पति होने का दावा किया।निमिषा काफी परेशान हो चुकीं थीं। जुलाई 2017 में महदी से पासपोर्ट लेने के लिए निमिषा ने उसे बेहोशी का इंजेक्शन दिया, लेकिन इसका असर नहीं हुआ। फिर निमिषा ने महदी को ओवरडोज दे दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, निमिषा ने महदी के शरीर के टुकड़े कर वाटर टैंक में फेंक दिए। इसके बाद पुलिस ने निमिषा को गिरफ्तार कर लिया। यमन की सुप्रीम ज्यूडिशियल काउंसिल ने निमिषा को महदी की हत्या के आरोप में मौत की सजा सुनाई। निमिषा ने यमन की सुप्रीम कोर्ट में माफी की अपील दायर की, जिसे 2023 में खारिज कर दिया। राष्ट्रपति रशद ने भी 30 दिसंबर 2024 को सजा को मंजूरी दे दी।शरिया कानून के मुताबिक, पीड़ित पक्ष को अपराधियों की सजा तय करने का हक है। हत्या के मामले में मौत की सजा है, लेकिन पीड़ित का परिवार पैसे लेकर दोषी को माफ कर सकता है। इसे 'दीया' या 'ब्लड मनी' कहा जाता है, जिसका जिक्र कुरान में भी किया गया है।

गुजरात में पुल टूटा, चलती गाड़ियां नदी में गिरीं,9 लोगों की मौत,8 को बचाया

वडोदरा। गुजरात के वडोदरा में महिसागर नदी पर बना ब्रिज

बुधवार सुबह टूट गया। हादसे के समय ब्रिज से गाड़ियां गुजर रही थीं। पुल टूटने पर दो ट्रक, दो कार और एक रिक्शा कुल पांच गाड़ियां नदी में गिर गईं। एक टेंकर टूटे सिरे पर फंस गया। हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई, जबकि 8 को स्थानीय लोगों ने बचाया। फायर ब्रिगेड की तीन टीमें रेस्क्यू के लिए भेजी गई हैं। 45 साल पुराना यह ब्रिज मध्य गुजरात को सौराष्ट्र को जोड़ता था। पुल टूट जाने से भरूच, सूरत, नवसारी, तापी और वलसाड जैसे दक्षिण गुजरात के शहरों से सौराष्ट्र पहुंचने में ज्यादा समय लगेगा। अब इसके लिए अहमदाबाद होते हुए लंबा रास्ता लेना पड़ेगा।हादसे के बाद तुरंत ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और लोगों को रेस्क्यू किया। एक स्थानीय युवक ने बताया, 'हम सुबह से ही बचाव अभियान चला रहे हैं। अब तक 9 शव बरामद हुए हैं, जिनमें से एक बच्चा है और एक बच्चा लापता है। इस दौरान हमें प्रशासन और अधिकारियों से कोई मदद नहीं मिली है।'इस हादसे में 8 लोग घायल हुए हैं। 6 लोगों को पादरा अस्पताल और 2 को वडोदरा के सयाजी अस्पताल में शिफ्ट किया गया है। इस घटना की जानकारी मिलते ही लोगों की भीड़ जमा हो गई। उन्होंने प्रशासन के खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर किया। लोगों का कहना था कि 45 साल पुराने इस पुल की मरम्मत के लिए प्रशासन को कई बार सूचित किया जा चुका है। प्रशासन की तरफ से कोई कार्रवाई न किए जाने के कारण आज यह हादसा हुआ है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस हादसे के लिए पूरी तरह से प्रशासन ही जिम्मेदार है।इसी तरह राजूभाई अठिया ने भी महिसागर नदी पर हुई यह भयावह घटना देखी। उन्होंने कहा- पुल पर दो-तीन ट्रक थे और पुल ढह गया। हादसे के वक्त वह अपने साथी के साथ द्वारका से अंकलेश्वर जा रहे थे। पुल अचानक ढह गया और गाड़ी नदी नीचे गिर गई। मैं पानी से बाहर निकला और एक गाड़ी के ऊपर चढ़कर बैठ गया। मेरा दोस्त लापता है। थोड़ी देर बाद लोग नाव लेकर मदद के लिए आए और मुझे बाहर निकाला। घटना के वक्त पुल पर तीन गाड़ियां थीं, दो पिकअप वैन, एक ईको-कार और एक रिक्शा। हादसा अचानक हुआ, जिससे किसी को संभलने का मौका नहीं मिला।ब्रिज से गुजर रहे महेशभाई परमार (उम्र 23) भी इस घटना में बाल-बाल बच गए। महेश ने बताया कि हम दो दोस्त काम पर जा रहे थे। लेकिन इसी बीच बाइक पंक्चर हो गई। पंक्चर ठीक करवाने के बाद हम ब्रिज से गुजर ही रहे थे कि तभी तभी अचानक पुल टूट गया। हम तीन-चार गाड़ियों के पीछे थे। देखा तो एक इको कार, एक पिकअप और एक ट्रक पुल से नीचे गिर गए थे। नीचे चीख-पुकार मची थी। लेकिन ब्रिज के ऊपर मौजूद लोग उनकी मदद नहीं कर सकते थे।हादसे के चश्मदीद 25 वर्षीय संजयभाई सोमाभाई चावड़ा ने बताया कि हम तीन दोस्त बाइक से कंपनी जा रहे थे। तभी अचानक ब्रेक लगाना पड़ा, क्योंकि पुल बीच में से टूट गया था। चीख-पुकार सुनकर मेंने नीचे देखा तो पांच-छह गाड़िया गिर गई थीं। हमारे साथ अन्य चार-पांच लोग बच गए थे।बचाव अभियान में शामिल अतुलकुमार ठाकोरभाई पढियार ने कहा- हादसे की खबर मिलते ही मैं और मेरे एक साथी तुरंत रिक्शा लेकर वहां पहुंचे। हमने देखा कि लोग बचाने की आवाज लगा रहे थे। एक महिला को तैरते देखा और उन्हें बाहर निकाला, उनकी जान बच गई है। दो-तीन ड्राइवरों के हाथ-पैर में चोटें आईं और उन्हें अस्पताल भेज दिया गया है। हमने और आसपास के कुछ लोगों ने सात-आठ लोगों को नदी से बाहर निकाला।

पाकिस्तान में फिर तख्तापलट कर सकती है सेना,आर्मी चीफ मुनीर को अगला राष्ट्रपति, शहबाज शरीफ को हटाकर बिलावल को पीएम बनाने की चर्चा

नयी दिल्ली। पाकिस्तान की सियासत में इन दिनों जबरदस्त हलचल है। चर्चाएं जोरों पर हैं

कि राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी को जल्द ही पद छोड़ने के लिए कहा जा सकता है और उनके स्थान पर शक्तिशाली सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर देश के नए राष्ट्रपति बन सकते हैं।इसके साथ ही पाकिस्तान में मौजूदा संसदीय प्रणाली को बदलकर राष्ट्रपति प्रणाली लागू किए जाने की भी तैयारी बताई जा रही है। सत्ता परिवर्तन का खेल पाक आर्मी के समर्थन से हो रहा है। पाक आर्मी चीफ फील्ड मार्शल असीम मुनीर पाकिस्तान की सत्ता संरचना में सबसे ताकतवर पद पर आसीन हैं। वे सत्ता पर अपनी पकड़ को और मजबूत करते जा रहे है। हाल ही में उन्हें फील्ड मार्शल के पद पर पदोन्नत किया गया है। इस पद के साथ असीम मुनीर को आजीवन सैन्य विशेषाधिकार, कानूनी प्रतिरक्षा और असंवैधानिक हस्तक्षेपों से सुरक्षा प्राप्त हो जाती है।आर्मी चीफ मुनीर और जरदारी के बीच बढ़ने समीकरणों के लेकर के पूर्व पीएम नवाज शरीफ की पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज ने विरोध जताना शुरू कर दिया है। मौजूदा प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और उनकी पार्टी पीएमएलएन इस संभावित बदलाव का विरोध कर रहे हैं।उन्हें डर है कि यदि राष्ट्रपति प्रणाली आई तो न केवल शहबाज की प्रधानमंत्री पद से छुट्टी होगी, बल्कि पाकिस्तान की सियासत में पीएमएलएन और शरीफ परिवार की प्रासंगिकता भी खत्म हो जाएगी। खबर है कि इसलिए पीएमएलएन पाकिस्तानी आर्मी के विभिन्न धड़ों से संपर्क में हैं, ताकि बिलावल के उदय को रोका जा सके।पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के नेता आसिफ अली जरदारी के इस्तीफे की चर्चा उनकी गिरती सेहत के आधार पर हो रही है। रिपोर्टों के अनुसार, जरदारी ने यह शर्त रखी है कि अगर बिलावल भुट्टो जरदारी को कोई ऐसा बड़ा पद मिले जहां वह एक परिपक्व नेता के रूप में उभर सकें, तो वह इस्तीफा दे सकते हैं। पीपीपी ने बिलावल भुट्टो के लिए पीएम का पद मांगा है। हालांकि, खुद पीपीपी के अंदर बिलावल की भूमिका को लेकर मतभेद हैं। आर्मी चीफ मुनीर का दखल पाकिस्तानी संसद, न्यायपालिका और विदेश नीति पर भी देखा जा रहा है। उनकी वॉशिंगटन, रियाद और बीजिंग जैसी जगहों पर उनकी हाई-प्रोफाइल कूटनीतिक यात्राएं इस बात का प्रमाण हैं कि वे पाकिस्तान के 'स्थायित्व दूत' के रूप में देखे जाते हैं। विश्लेषकों का मानना है कि असीम मुनीर राष्ट्रपति बनकर सिर्फ प्रतीकात्मक पद पर नहीं रहना चाहते, बल्कि पाकिस्तान की पूरी राजनीतिक व्यवस्था में बदलाव लाना चाहते हैं। यह प्रयास जनरल जिया-उल-हक के 1977 के तख्तापलट की वर्षगांठ के समय सामने आया है, जिससे इसे एक 'सॉफ्ट कू' के रूप में देखा जा रहा है। कहा जा रहा है कि संसद, न्यायपालिका और मीडिया पर असीम मुनीर का पूर्ण नियंत्रण है और इसलिए संविधान में बदलाव कर राष्ट्रपति प्रणाली लागू करने में उन्हें कोई खास मुश्किल नहीं होगी।पाकिस्तान में इससे पहले 3 सेना प्रमुख ऐसे रहे हैं जो बाद में देश के राष्ट्रपति बने। हालांकि, तीनों ही तख्तापलट करने के बाद ही राष्ट्रपति पद पर पहुंचे थे। पाकिस्तान में आज तक कोई भी प्रधानमंत्री 5 साल का कार्यकाल पूरा नहीं कर पाया है।

उ.प्र में पहली बार आबकारी विभाग की इन्वेस्टर समिट,नितिन अग्रवाल बोले- 40 हजार करोड़ के एमओयू हुए, 8 हजार करोड़ जमीन पर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पहली बार आबकारी विभाग

की ओर से आज इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में इन्वेस्टर समिट का आयोजन किया गया। इस मौके पर प्रदेश के आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने बताया कि विभाग ने अब तक 40,000 करोड़ रुपए के निवेश समझौते (श्ध्ळ) किए हैं, जिनमें से 8,000 करोड़ की परियोजनाएं जमीन पर उतर चुकी हैं। शेष निवेश परियोजनाओं को गति देने की दिशा में विभाग तेजी से काम कर रहा है। मंत्री नितिन अग्रवाल ने कहा कि यह पहला मौका है जब उत्तर प्रदेश में आबकारी विभाग अपनी इन्वेस्टर समिट कर रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बहुत बड़े स्तर पर एमओयू साइन किए गए हैं और हमारा विभाग प्रदेश की इकोनॉमी मजबूत करने की दिशा में कार्य कर रहा है।उन्होंने कहा कि जो निवेशक अब तक जमीन पर काम शुरू नहीं कर पाए हैं, उन्हें अब सरकार की ओर से सुविधाएं दी जाएंगी। हमारे 40,000 करोड़ के एमओयू में से 8,000 करोड़ की ग्राउंड ब्रेकिंग हो चुकी है। बाकी जो निवेशक अभी इंतजार में हैं, उन्हें अब पूरी मदद दी जाएगी। इसके अलावा जो उद्योग प्रदेश में आना चाहते हैं, उन्हें भी मौका दिया जाएगा। इस बार कुछ नए निवेशकों को भी आमंत्रित किया गया है ताकि उन्हें प्रदेश में मौजूद संभावनाओं से अवगत कराया जा सके। इन्वेस्टमेंट के साथ-साथ राज्य की जीडीपी भी बढ़ेगी और रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। बड़ी संख्या में प्रदेश और बाहरी राज्यों के इन्वेस्टर्स ने इस समिट में भाग लिया और उत्तर प्रदेश में उद्योग लगाने की इच्छा जाहिर की'उन्होंने कहा कि 'अभी एक्जैक्ट फिगर देना मुश्किल है। एक बार कार्यक्रम पूरा हो जाए, उसके बाद ही हम तय कर पाएंगे कि कितना इन्वेस्टमेंट आया है।

हमें उम्मीद है कि करीब 2000 करोड़ के आसपास एमओयू साइन होंगे। जो निवेशक किसी भी समस्या से जूझ रहे हैं, उनके मुद्दों का समाधान भी इसी समिट में किया जाएगा, ताकि निवेश की राह आसान हो सके।' लखनऊ के लिए इसमें है खास- राज्य सरकार की नीतियों से राजधानी में निवेशकों का रुझान तेजी से बढ़ा है। आबकारी सम्मेलन के जरिए लखनऊ को अल्कोहल आधारित उद्योगों का नया केंद्र बनाने की दिशा में बड़ा कदम। सम्मेलन में प्रदेश के औद्योगिक भविष्य का रोडमैप तैयार किया जाएगा।

राहुल बोले- बिहार में भी चुनाव चोरी करने की कोशिश:महाराष्ट्र में ऐसा कर चुके हैं; चुनाव आयोग के कमिश्नर भाजपा-आरएसएस की तरह बात कर रहे

पटना। राहुल गांधी बुधवार को पटना में महागठबंधन के प्रदर्शन में शामिल हुए। बिहार

में वोटर लिस्ट की स्क्रीनिंग को लेकर विपक्षी पार्टियां विरोध कर रही हैं। यहां राहुल ने आरोप लगाया कि जैसे महाराष्ट्र का चुनाव चोरी किया गया था, वैसे ही बिहार के चुनाव को चोरी करने की कोशिश की जाएगी। उन्होंने कहा- इलेक्शन कमिश्नर भाजपा और आरएसएस नेताओं की तरह बात करते हैं। उन्हें (भाजपा) पता चल गया है कि हमने महाराष्ट्र मॉडल समझ लिया है, वे अब बिहार मॉडल लाए हैं। ये गरीबों का वोट छीनने का तरीका है। राहुल ने कहा- आपको जो करना है करिए, लेकिन बाद में कानून आप पर हावी होगा। कानून आपको नहीं छोड़ेगा। मैं आपको गारंटी दे रहा हूं कि आप कितने ही बड़े क्यों न हो कानून आपको नहीं छोड़ेगा। आप अपना काम नहीं कर रहे हो।राहुल ने कहा, कुछ महीने पहले महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव हुआ। उसके कुछ महीने बाद महाराष्ट्र और हरियाणा का विधानसभा का चुनाव हुआ। लोकसभा चुनाव में इंडिया ने जीत दर्ज की। कुछ महीने बाद विधानसभा के चुनाव में हार गई। उस समय हमने ज्यादा कुछ बोला नहीं। कुछ समय बाद हमने डेटा देखना शुरू किया। हमने पाया कि लोकसभा चुनाव के बाद विधानसभा चुनाव में एक करोड़ नए वोटर्स जुड़े। मतलब विधानसभा चुनाव में 10फीसदी ज्यादा वोटर्स ने वोट किया। जब हमने पता लगाया कि ये वोटर कहां से आए, कौन हैं, तो आश्चर्य की चीजें निकली। जिन-जिन सीटों पर वोटर्स बढ़े, वहां भाजपा जीती। सारे के सारे नए वोट भाजपा को गए। जब हमने वोटर लिस्ट और वोटिंग की वीडियो मांगी तो इलेक्शन कमीशन शांत हो गया। एक शब्द नहीं कहा। एक बार नहीं कई बार कहा। उन्हें बताया कि कानून के मुताबिक, हमें वोटर्स लिस्ट दी जाए। कानून कहता है कि वीडियोग्राफी हमें दी जाए। आज तक महाराष्ट्र के वोटर लिस्ट हमें नहीं दी गई। वीडियो देने का कानून बदल दिया। कांग्रेस ने 25 जून को महाराष्ट्र चुनाव में गड़बड़ी के आरोपों को लेकर इलेक्शन कमीशन को लेटर लिखा था। पार्टी ने आयोग से एक हफ्ते में महाराष्ट्र चुनाव की डिजिटल वोटर्स लिस्ट मांगी थी। साथ ही महाराष्ट्र और हरियाणा में वोटिंग के वीडियो देने को कहा था। कांग्रेस ने कहा था कि यह पुरानी मांग है और इलेक्शन कमीशन आसानी से दे सकता है। डेटा मिलने पर हम एनालिसिस करेंगे और इलेक्शन कमीशन से चर्चा करेंगे। इससे पहले 12 जून को इलेक्शन कमीशन ने राहुल को लेटर लिखकर चुनाव में धांधली के उनके आरोपों पर चर्चा के लिए बुलाया था। इसके जवाब में कांग्रेस ने आयोग को लेटर लिखा। राहुल को भेजी चिट्ठी में इलेक्शन कमीशन ने लिखा था कि संसद के पारित इलेक्टोरल लॉ, उसके नियमों और इलेक्शन कमीशन के निर्देशों के जरिए बहुत सख्ती से देश में चुनाव कराए जाते हैं। महाराष्ट्र चुनाव प्रक्रिया विधानसभा क्षेत्र स्तर पर सेंट्रलाइज्ड होती है। इसमें इलेक्शन कमीशन से नियुक्त 1 लाख 186 से ज्यादा बीएलओ, 288 इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर, 139 जनरल ऑब्जर्वर, 41 पुलिस ऑब्जर्वर, 71 खर्च ऑब्जर्वर और 288 रिटर्निंग ऑफिसर, नेशनल और क्षेत्रीय पार्टियों के 1 लाख 8 हजार 26 बूथ एजेंट शामिल थे। इनमें कांग्रेस के 28 हजार 421 एजेंट थे। राहुल ने क्या आरोप लगाया था- 'महाराष्ट्र चुनाव में मैच फिक्सिंग की गई थी। इसी तरह की फिक्सिंग अब बिहार में होगी, फिर वहां होगी जहां भाजपा हारती दिख रही हो।' राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा था- महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री की सीट पर 5 महीने में 8फीसदी वोटर बढ़ गए। कुछ बूथों पर 20 से 50फीसदी तक वोटर बढ़े। बीएलओ ने अज्ञात लोगों के वोट डालने की खबर दी थी। मीडिया ने बिना वेरिफाइड एड्रेस वाले हजारों वोटरों का पता लगाया। उन्होंने लिखा था- चुनाव आयोग इस पर चुप है। क्या ये मिलीभगत है। ये अलग-अलग गड़बड़ियां नहीं हैं। यह वोटों की चोरी है। इसे छिपाना ही कबूलनामा है। इसी वजह से हम मशीन रीडेबल डिजिटल वोटर लिस्ट और वोटिंग फुटेज देने की मांग करते हैं।इलेक्शन कमीशन पर राहुल के 3 आरोप- 1. लोकसभा चुनाव के लिए पांच साल में महाराष्ट्र में 32 लाख वोटर्स जोड़े गए। पांच महीने बाद विधानसभा चुनाव के लिए 39 लाख वोटर जोड़े गए। पांच महीने में पांच साल से ज्यादा वोटर कैसे जुड़ गए? 2. विधानसभा चुनाव में राज्य की कुल वयस्क आबादी से ज्यादा वोटर कैसे थे? 3. कामठी विधानसभा सीट पर भाजपा की जीत का अंतर लगभग उतना ही है जितने नए वोटर जोड़े गए।

पुणे में तीसरी मंजिल की ग्रिल से लटकी बच्चीःपड़ोसी ने बचाया, बच्ची को घर में बंद करके मां बड़ी बेटी को स्कूल छोड़ने गई थी

पुणे। पुणे में मंगलवार सुबह चार साल की एक बच्ची बिल्डिंग की तीसरी मंजिल की ग्रिल में

फंसकर लटक गई। बच्ची की मां उसे गलती से घर में बंद करके बड़ी बेटी को स्कूल बस तक छोड़ने गई थी। घर में बंद बच्ची खेलते-खेलते खिड़की के पास पहुंच गई और ग्रिल से बाहर लटक गई। उसका सिर ग्रिल में अटक गया। उसी बिल्डिंग में रहने वाले एक फायर फाइटर ने बच्ची को लटकते देखा और तेजी से तीसरी मंजिल पर पहुंचे। दरवाजा बाहर से बंद होने पर नीचे गए और बच्ची की मां को घटना की जानकारी दी। इसके बाद दोनों ने ऊपर आकर बच्ची को बचाया। घटना मंगलवार सुबह करीब 9 बजे गुजर निंबालकरवाड़ी इलाके की सोनावणे बिल्डिंग की है।पिछले साल तमिलनाडु में एक बच्ची को रेस्क्यू करने का वीडियो वायरल हुआ था। घटना अवादी शहर के एक हाउसिंग अपार्टमेंट की थी। 8 माह की एक बच्ची चौथी मंजिल से मां के हाथ से छूटकर गिर गई। बच्ची दूसरी मंजिल पर धूप से बचने के लिए लगे शेड पर जा गिरी। वह काफी देर तक शेड के किनारे पर लटकी रही। बच्ची को बचाने के लिए पड़ोसी ग्राउंड फ्लोर पर चादर तानकर खड़े रहे ताकि नीचे गिरने पर बच्ची को बचा सकें। तभी तीन आदमी पहली मंजिल की खिड़की पर आ गए। उनमें से एक आदमी खिड़की की रेलिंग पर चढ़ गया और बच्ची को बचा लिया।

मुंबई में शिवसेना विधायक ने कैंटीन कर्मचारी को पीटा,फडणवीस ने स्पीकर से कार्रवाई का अनुरोध किया, बोले- मामला गंभीर

मुंबई। शिवसेना (शिंदे गुट) विधायक संजय गायकवाड़ एक वीडियो में कैंटीन कर्मचारी को पीटते नजर आ रहे हैं। वीडियो मंगलवार रात को मुंबई के आकाशवाणी विधायक गेस्ट हाउस का है। विवाद खराब दाल परोसने से जुड़ा है। जब खराब क्वालिटी का खाना बुलढाणा विधायक गायकवाड़ को परोसा गया तो वे नाराज हो गए। गायकवाड़ कैंटीन में आए और स्टाफ की पिटाई कर दी। मामले को लेकर विधायक संजय गायकवाड़ ने बुधवार को कहा- वहां खाने की क्वालिटी अच्छी नहीं थी। मुझे अपने किए पर कोई पछतावा नहीं है। वहीं, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने घटना की आलोचना की। उन्होंने कहा- यह गंभीर मुद्दा है। इसे स्वीकार नहीं किया जाएगा। मैं स्पीकर से मामले का नोटिस लेकर कार्रवाई का अनुरोध करता हूं।बुधवार को शिवसेना विधायक अनिल परब ने संजय गायकवाड़ के वीडियो का मुद्दा उठाया। उन्होंने सरकार पर राजनीतिक मनमानी का आरोप लगाया। इस पर सीएम

फडणवीस ने सदन में कहा, 'इस तरह का आचरण सही संदेश नहीं देता। ऐसा व्यवहार अस्वीकार्य है और किसी के लिए भी सम्मानजनक नहीं है। एक विधायक के रूप में गायकवाड़ के कृत्य ने सभी विधायकों की प्रतिष्ठा धूमिल की है।' सीएम ने कहा, 'आपसे (विधान परिषद अध्यक्ष राम शिंदे) आग्रह करता हूं कि मुद्दे की जांच करें। समस्या है तो कार्रवाई की जा सकती है। जनप्रतिनिधियों के मारपीट करने से लोगों के बीच गलत संदेश जाता है। आप (विधान परिषद अध्यक्ष) और स्पीकर (राहुल नार्वेकर) इसका संज्ञान लें और कार्रवाई करें।' विधायक गायकवाड़ ने बुधवार को कहा- कल रात करीब साढ़े 9 बजे मैंने खाने का ऑर्डर दिया। दाल-चावल का एक निवाला मुंह में डाला तो बहुत गंदा लगा। दूसरा निवाला खाया तो उल्टी हो गई। मैंने खाना सूंघकर देखा तो वह सड़ा हुआ था। उसमें से बदबू आ रही थी। मैंने पहले भी कैंटीनवालों से कहा था कि ताजा खाना दिया करो। 15 दिन का चिकन, 20 दिन का मटन, 10 दिन के अंडे, चार-चार दिन पुरानी सब्जी देते हैं। इतना समझाने के बाद भी उन लोगों ने ऐसा किया। मैं खाना लेकर नीचे गया मैनेजर को बुलाया। पूछा- खाना आपके यहां का है। उसने कहा- हां, मैंने सूंघने को कहा तो बोला- बदबू आ रही है।

यूपी की शिक्षा मंत्री गुलाब देवी का हापुड़ में एक्सीडेंट-सिर में गंभीर चोट

हापुड़। यूपी की माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी (70 साल) का मंगलवार को हापुड़ में एक्सीडेंट हो गया। उनकी एक्सयूवी पुलिस जीप से टकरा गई। सिर में चोट लगने के कारण गंभीर रूप से घायल हुई हैं। वहीं, ड्राइवर सतबीर के हाथ में चोट लगी है। हादसे के बाद मंत्री की गाड़ी में लगे एयरबैग नहीं खुले। मंत्री और ड्राइवर को रामा अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। डीएम अभिषेक पांडे और एसपी ज्ञानंजय सिंह मौके पर पहुंचे। सीएमओ डॉक्टर सुनील त्यागी की टीम मंत्री का इलाज कर रही है। मंत्री के सिर की एमआरआई कराई जा रही है। दरअसल, मंत्री गुलाब देवी मंगलवार दोपहर दिल्ली से मुरादाबाद की तरफ जा रही थीं। उनकी एक्सयूवी के आगे पुलिस जीप चल रही थी। पिलखुआ थाना क्षेत्र में छिजारसी टोल प्लाजा के पास पुलिस जीप के आगे चल रही प्राइवेट गाड़ी ने अचानक ब्रेक लगाया। इसलिए पुलिस जीप के ड्राइवर को भी

ब्रेक लगाना पड़ा। लेकिन मंत्री की एक्सयूवी पुलिस जीप से टकरा गई। गुलाब देवी कार में पीछे बैठी थीं। उनका सिर गाड़ी से टकराया। इससे वह घायल हो गईं। टक्कर इतनी तेज थी कि कार का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे। मंत्री को स्कॉर्पियो में बिठाकर टोल प्लाजा से करीब एक किमी दूरी पर स्थित रामा अस्पताल में भर्ती कराया गया।पिलखुवा कोतवाली प्रभारी निरीक्षक पटनीश कुमार ने बताया, क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त कार को सड़क से हटवाकर यातायात बहाल कराया गया है।मंत्री गुलाब देवी की एक्सयूवी के ड्राइवर सतबीर ने बताया, मैंने टोल क्रॉस किया। अभी ठीक से कार का गेयर भी नहीं लग पाया था। तभी आगे वाली गाड़ी ने अचानक ब्रेक लगा दी। एस्कॉर्ट वाली गाड़ी आगे चल रही थी। उसने भी अचानक ब्रेक लगा दी। उससे बचने के चक्कर में मेरी गाड़ी टकरा गई।सीएम योगी आदित्यनाथ और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने घायल मंत्री का हाल जाना है। सीएम ने डीएम अभिषेक पांडेय को फोन कर मंत्री से बात की। सीएम ने बेहतर इलाज के निर्देश दिए।

रश्मिका को डेट कर रहे हैं विजय देवरकोंडा? ,रिलेशनशिप स्टेटस पर बोले- 35 साल का हो गया हूं, मैं सिंगल नहीं हूं

नयी दिल्ली। विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना अक्सर अपनी 'बिल्कुल, मैं 35 साल का हो गया हूं। मैं सिंगल नहीं हूं।'विजय ने प्यार करता हूं और उसी के लिए काम करता हूं। हालांकि, विजय ने यह साफ

लव लाइफ को लेकर सुर्खियों में रहते हैं। दोनों को कई बार एक-दूसरे के साथ समय बिताते हुए भी देखा गया है। हालांकि, अब तक दोनों ने अपने रिश्ते को लेकर कभी भी खुलकर बात नहीं की। लेकिन अब पहली बार विजय देवरकोंडा ने इस मामले पर अपना रिएक्शन दिया है। द हॉलीवुड रिपोर्टर इंडिया से बातचीत के दौरान जब विजय से उनके रिलेशनशिप स्टेटस के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने साफ तौर पर कहा, आगे कहा, मुझे लगता है कि एक्टर होना थोड़ा अजीब होता है। एक तरफ आप चाहते हैं कि लोग आपके काम को देखें और उसकी तारीफ करें, लेकिन दूसरी तरफ आप चाहते हैं कि लोग आपकी निजी जिंदगी से दूर रहें और आपको अकेला छोड़ दें। उन्होंने यह भी कहा, मैं मजाक में कहा करता था कि काश मैं एक नकाब पहन सकता और मेरी जगह कोई और स्टार विजय देवरकोंडा बनकर लोगों के सामने आता और मैं बस शांति से एक्टिंग करता रहता। मैं एक्टिंग से नहीं किया कि वह किसे डेट कर रहे हैं, लेकिन उनके इस बयान के बाद लोग इसे रश्मिका मंदाना से जोड़ने लगे हैं। फैन्स का मानना है कि विजय रश्मिका को ही डेट कर रहे हैं।विजय देवरकोंडा जल्द ही फिल्म किंगडम में नजर आएंगे। यह फिल्म जुलाई में रिलीज होगी। फिल्म के टीजर में एक्टर का दमदार अवतार देखने को मिला था, जिसकी रश्मिका मंदाना ने भी काफी तारीफ की थी। विजय के अलावा फिल्म में भाग्यश्री बोरसे और सत्यदेव भी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

14 साल की समारा साहनी ने दिए हीरोइनों की तरह एक्सप्रेशन्स वीडियो देख लोग बोले- ये अरिजीत सिंह को बेटी कब हुई?

नयी दिल्ली। रणबीर कपूर की भांजी और नीतू कपूर की नातिन दुनिया में कदम रखने की तैयारी अभी से कर रही हैं। नीतू कपूर वह थोड़ी गंभीर रहती हैं और अंत में मुस्कुराने लगती हैं। वह चेहरे

समारा साहनी ने इस साल खूब लाइमलाइट बटोरी। आदर जैन की शादी में उनका जो वीडियो सामने आया उसके बाद से वह सबकी नजरों में छा गईं। अब इंस्टाग्राम पर वह फिर से सुर्खियों में हैं। उनका एक वीडियो सामने आया है, जिसे देखकर हर कोई अलग-अलग प्रतिक्रिया दे रहा है। कुछ ने तो उन्हें सिंगर अरिजीत सिंह की बेटी तक कह दिया है और कोई नीतू सिंह की जवानी से तुलना कर रहा है। रिद्धिमा कपूर साहनी की बेटी समारा साहनी की उम्र 14 साल है लेकिन वह फिल्मों की की नातिन हाल ही में पपाराजी से मिली थीं तो उनसे हालचाल ले रही थीं। उनसे प्यार से पेश आ रही थीं। इतना ही नहीं, एक्ट्रेसेस की तरह पोज भी दे रही थीं। अब लेटेस्ट वीडियो में भी वह बला की खूबसूरत लग रही हैं। पार्टी लुक में वह अपने कालिताना अंदाज से सबका ध्यान अपनी तरफ खींच रही हैं।समारा साहनी वीडियो में इंग्लिश सॉन्ग पर लिपसिंग कर रही हैं और एक्सप्रेशन्स के साथ उसे प्रेजेंट कर रही हैं। खुले बाल, चेहरे पर मेकअप लगाकर वह कमाल की अप्सरा लग रही हैं। शुरुआत में के हाव-भाव को गाने के बोल के हिसाब से बदलती दिख रही हैं। अब इस पर लोगों ने तरह-तरह के रिएक्शन्स दिए हैं।समारा के वीडियो पर एक यूजर ने लिखा, 'बहुत क्यूट लगती है।' एक ने लिखा, 'अच्छे से ग्रूमिंग हुई है।' एक ने लिखा, 'ये बहुत मैच्योर और बूढ़ी आंटी लगती है।' एक यूजर ने नानी से तुलना करते हुए लिखा, 'नीतू सिंह की कॉपी, हवस फिल्म जैसे नीतू सिंह लग रही।' एक ने लिखा, 'ये तो 25 साल की लग रही।' एक यूजर ने तो चुटकी लेते हुए पूछा, 'ये अरिजीत सिंह को बेटी कब हुई?'

पाकिस्तानी एक्ट्रेस हुमैरा असगर की सड़ी हुई लाश मिली,दो हफ्ते से बंद पड़ा था कराची का अपार्टमेंट, 7 सालों से अकेली रह रही थीं एक्ट्रेस

नयी दिल्ली। पाकिस्तानी एक्ट्रेस हुमैरा असगर का कराची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। इंडिया

कराची, पाकिस्तान स्थित अपार्टमेंट में शव मिला है। 8 जुलाई को एक्ट्रेस का शव सड़ती-गलती हालत में मिला। वो लंबे समय से उस अपार्टमेंट में अकेली रह रही थीं। एक्ट्रेस की पोस्टमार्टम रिपोर्ट अब तक नहीं आई है। टुडे की रिपोर्ट में पाकिस्तान के डीआईजी (डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल) सयैद असद रजा के हवाले से बताया गया है कि 8 जुलाई को करीब 3 बजे उन्हें घटना की जानकारी मिली थी। एक्ट्रेस हुमैरा असगर कराचीज इतेहाद कॉमर्शियल एरिया के फेज 5 में पिछले 6-7 सालों से अकेली रहती थीं। पड़ोसियों को उनके अपार्टमेंट से तेज सड़न की बू आ रही थी। साथ ही वो पिछले कुछ दिनों से बाहर नहीं आई थीं। हालात संदिग्ध लगने के बाद पड़ोसियों ने पुलिस को कॉल कर घटना की जानकारी दी।पुलिस ने काफी देर तक दरवाजा खटखटाया, लेकिन जब अंदर से कोई जवाब नहीं मिला, तो पुलिस दरवाजा तोड़कर अंदर दाखिल हुई। जहां उन्हें एक्ट्रेस की सड़ी हुई लाश मिली। पुलिस का मानना है कि उनकी मौत करीब 2 हफ्ते पहले हो चुकी थी। एक्ट्रेस का शव कराची के जिन्ना पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल सेंटर भेजा गया है। मेडिकल सेंटर की डॉक्टर सुमैया सैयद ने बताया है कि बॉडी इतनी बुरी तरह सड़ चुकी है कि मौत का सही कारण सामने आने में समय लग सकता है। वहीं दूसरी तरफ फोरेंसिक टीम ने घर की बारीकी से जांच की है। इसके साथ ही कराची पुलिस ने पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने तक जनता और मीडिया से किसी भी तरह की अफवाहों और अनुमान से बचने की अपील की है।एक्ट्रेस हुमैरा असगर की उम्र 32-35 साल के लगभग बताई जा रही है। वो एक था बादशाह और जलेबी जैसे पॉपुलर पाकिस्तानी ड्रामा का हिस्सा रह चुकी हैं।

मुझे शक है कि हसबैंड का कुलीग से बढ़ रही नजदीकियां कैसे जानूं, कहीं ये मेरे दिमाग का वहम तो नहीं

नयी दिल्ली। इन चीज़ो को समझते हैं एक महिला और विशेषयज्ञ के सवाल जवाब से। सवाल- सवालमेरी शादी को 2 साल हो चुके हैं। मैं बैंक में सरकारी नौकरी करती हूं और मेरी पोस्टिंग चेन्नई में है, जबकि मेरे हसबैंड दिल्ली में कॉर्पोरेट सेक्टर में काम करते हैं। हम एक-दो महीने में ही मिल पाते हैं। हाल ही में मुझे शक होने लगा है कि मेरे हसबैंड का अपनी एक कुलीग के साथ अफेयर हो सकता है।

डॉ. अपर्णा माथुर, कपल थेरेपिस्ट, बेंगलुरु- जवाबः- सबसे पहले तो आपको एक गहरी सांस लेनी चाहिए और खुद को थोड़ा सा क्रेडिट देना चाहिए। दो साल से आप एक लॉन्ग डिस्टेंस रिलेशनशिप को चेन्नई से दिल्ली तक संभाल रही हैं। यह कोई छोटी बात नहीं है, लेकिन यह भी सच है कि दूरी कभी-कभी हमारे मन में शक और डर के बीज बो देती है। आप जो महसूस कर रही हैं, वो बिल्कुल नॉर्मल है। आइए इसे एक-एक करके समझते हैं और आपके सवालों का जवाब ढूंढते हैं। खुद से पूछें ये सवाल- क्या उनके व्यवहार में कोई बड़ा बदलाव आया है? जैसे पहले वे हर रात लंबी बातें करते थे, अब सिर्फ हां-हूं में बात खत्म कर देते हैं। क्या वे पहले की तरह कम्युनिकेट करते हैं? - अब कॉल्स कम हो गए हैं, मैसेजेज का जवाब देर से आता है? क्या कोई ठोस संकेत मिला है? -कोई अजीब मैसेज, कॉल लॉग में कुछ छुपाना या ऐसा कुछ जो आपको सचमुच परेशान करे।

पहले वे ऑफिस की हर बात शेयर करते थे, अब कुछ टॉपिक्स पर चुप्पी साध लेते हैं। अगर इन सवालों का जवाब 'नहीं' है तो बहुत मुमकिन है कि यह आपका वहम हो सकता है। लॉन्ग डिस्टेंस में दिमाग कभी-कभी ओवरथिंकिंग मोड में चला जाता है, खासकर जब आप अकेले हों और उनके बारे में सोच रही हों। अगर जवाब हां है, तो हमें थोड़ा और गहराई से सोचने की जरूरत हो सकती है।शक और डर आपके रिश्ते को कमजोर कर सकते हैं। इसलिए इन्हें कंट्रोल करना जरूरी है। अभी आप जो महसूस कर रही हैं- असुरक्षा या चिंता सब लॉन्ग डिस्टेंस का एक साइड इफेक्ट हो सकता है, लेकिन आप इसे मैनेज कर सकती हैं। अपनी हॉबीज को दें समय-बैंक की नौकरी के बाद थोड़ा टाइम अपनी हॉबीज को दें, दोस्तों और फैमिली के लिए वक्त निकालें। कोई वेब सीरीज देखें या कुकिंग ट्राई करें। इससे दिमाग शांत रहेगा। अच्छे पल याद करें- अपने पति के साथ बिताए अच्छे पलों को याद करें, जैसे आपकी पहली डेट या जब वे आपके लिए सरप्राइज लेकर चेन्नई आए थे। योग या मेडिटेशन करें- सुबह 10 मिनट योग करें या रात को मेडिटेशन करें। इससे आपका स्ट्रेस कम होगा।

जर्नलिंग करें- अपने डर और शक को कागज पर लिकें। लिखते वक्त आपको अपनी भावनाएं ज्यादा स्पष्ट रूप से समझ आएंगी। सच्चाई कैसे जानें? अपने पति से इस बारे में खुलकर बात करें। हालांकि, इस बात का ध्यान रहे कि यह बातचीत झगड़े में नहीं बदलनी चाहिए। आपको अपनी फीलिंग्स शेयर करनी हैं, न कि उन पर इल्जाम लगाना है।अगर आपको अपने पार्टनर से बात करनी है तो वीकेंड पर जब आप दोनों फ्री और रिलैक्स हों, तब बात शुरू करें। कभी भी इस तरह बात न करें कि 'तुम उस कुलीग के साथ अफेयर में हो।' इसके बजाय अपनी फीलिंग्स बताएं। उसे ईमानदारी से बताएं कि मुझे तुम्हारी दोस्ती से थोड़ी असुरक्षा हो रही है। पार्टनर का जवाब जजमेंटल होकर न सुनें, उसे ध्यान से सुनें और समझने की कोशिश करें। आप कुछ इस तरह बात शुरू कर सकती हैं: 'पिछले कुछ दिनों से मैं थोड़ा परेशान हूं। शायद दूरी की वजह से ऐसा लग रहा है। लेकिन जब मैं कॉल करती हूं और तुम अपनी कुलीग के साथ होते हो, तो मुझे अच्छा नहीं महसूस होता है। क्या हम इस बारे में खुलकर बात कर सकते हैं?'

जब आप बात करेंगी, तो उनके रिएक्शन से बहुत कुछ साफ हो जाएगा। यह स्टेप सच्चाई जानने में आपकी मदद करेगा। ये संकेत देखेंः- क्या वे आपकी बात को सीरियसली लेते हैं? अगर वे आपको भरोसा देने की कोशिश करते हैं तो यह अच्छा साइन है। क्या वे बात से बचते हैं या गुस्सा करते हैं? अगर वो टॉपिक बदल दे या डिफेंसिव हो जाए तो थोड़ा अलर्ट रहें। क्या वे आपको गलत ठहराते हैं? अगर वो आपकी फीलिंग्स को नजरअंदाज करके ये कहे कि तुम ओवरथिंकिंग कर रहे हो तो अलर्ट रहें। अगर वे आपकी भावनाओं का सम्मान करते हैं और कहता हैं कि मुझे नहीं पता था कि तुम ऐसा फील कर रही हो, मैं आगे से इस बात का ध्यान रखूंगा, तो शायद आपका शक बेकार है। अगर वो गुस्सा करता है या बात को टालता है तो संभव है कि वह कुछ छुपा रहा है। अगर बात बिगड़ जाए तो क्या करें? अगर बातचीत के बाद भी आपको शांति न मिले, तो घबराएं नहीं। कुछ और ऑप्शन्स हैं जो आप ट्राई कर सकती हैं।

रिलेशनशिप काउंसलर से मदद लें, एक न्यूट्रल थर्ड पार्टी आप दोनों को सही दिशा दिखा सकती है। बैकअप प्लान बनाएं, अपने लिए इमोशनल और फाइनेंशियल सपोर्ट सिस्टम तैयार रखें, दोस्त, फैमिली या अपनी नौकरी पर फोकस। खुद को प्राथमिकता दें, अपने आत्म-सम्मान और मेंटल हेल्थ को सबसे ऊपर रखें।लॉन्ग डिस्टेंस में रिश्ता तभी चलता है जब भरोसा और बातचीत मजबूत हो।

अपने पति के साथ नियमित कॉल्स करें, हफ्ते में एक बार लंबी बात, बाकी दिन छोटे-छोटे अपडेट्स। अपनी जिंदगी की बातें शेयर करें, जैसे आज ऑफिस में क्या हुआ या आपने क्या नया ट्राई किया। उन्हें भी ऐसा करने के लिए कहें। इससे दूरी कम लगेगी।

आलिया भट्ट से 77 लाख की धोखाधड़ी,पूर्व असिस्टेंट गिरफ्तार,2 साल तक फर्जी पेपर्स में साइन करवाकर पर्सनल और प्रोडक्शन अकाउंट से निकाले पैसे

नयी दिल्ली। आलिया भट्ट की पूर्व पर्सनल असिस्टेंट वेदिका प्रकाश को मुंबई पुलिस ने गिरफ्तार (4) के तहत शिकायत दर्ज हुई थी। तब से ही उनकी तलाश जारी थी। पुलिस के मुताबिक, आलिया भट्ट

कर लिया है। वेदिका पर आलिया के साथ 77 लाख रुपए की धोखाधड़ी करने के आरोप हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो वेदिका ने 2 सालों तक एक्ट्रेस के पर्सनल और प्रोडक्शन हाउस के अकाउंट से लाखों रुपए लूटे हैं। वेदिका 10 जुलाई तक पुलिस कस्टडी में रहेंगी। करीब 5 महीने से उनकी तलाश जारी थी। मुंबई पुलिस ने उन्हें बैंगलोर से गिरफ्तार किया है। वेदिका प्रकाश शेट्टी 32 साल की हैं। वो बीते कुछ सालों से आलिया भट्ट की पर्सनल मैनेजर थीं। एनडीटीवी की रिपोर्ट में पुलिस के हवाले से बताया गया है कि वेदिका ने मई 2022 से लेकर अगस्त 2024 तक आलिया के पर्सनल और प्रोडक्शन हाउस इटरनल सनशाइन प्रोडक्शन प्राइवेट लिमिटेड के अकाउंट से पैसे लूटे हैं।ये मामला तब सामने आया जब आलिया भट्ट की मां और एक्ट्रेस सोनी राजदान ने जनवरी में वेदिका प्रकाश के खिलाफ धोखाधड़ी मामले में जुहू पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई। उनके खिलाफ धारा 316 (4), 318 के साथ काम करने के दौरान वेदिका को एक्ट्रेस की फाइनेंशियल जिम्मेदारियां दी गई थीं। साथ काम करते हुए वेदिका ने आलिया से कई नकली पेपर्स में साइन करवाए। वो ट्रेवल, मीटिंग्स, इवेंट के खर्च से जुड़े नकली इनवॉइस बनवाती थीं, जिसके लिए वो ऑनलाइन इमेजिंग एप यूज करती थीं। पैसों के लेन-देन में वेदिका अपने दोस्तों को भी शामिल करती थीं। वेदिका प्रकाश मुंबई की एनजी कोऑपरेटिव हाइसिंग सोसाइटी में रहती हैं। 2024 में उन्हें पर्सनल मैनेजर की पोस्ट से हटा दिया गया था। आलिया के अलावा भी वेदिका कई एक्टर्स की मैनेजर रह चुकी हैं। बताते चलें कि आलिया भट्ट ने साल 2021 में प्रोडक्शन हाउस इटरनल सनशाइन प्राइवेट लिमिटेड की शुरुआत की थी। शाहरुख के रेड चिल्ली प्रोडक्शन के साथ मिलकर इस प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले आलिया ने फिल्म डार्लिंग्स प्रोड्यूस की है, जिसमें वो और शेफाली शाह लीड रोल में थे।

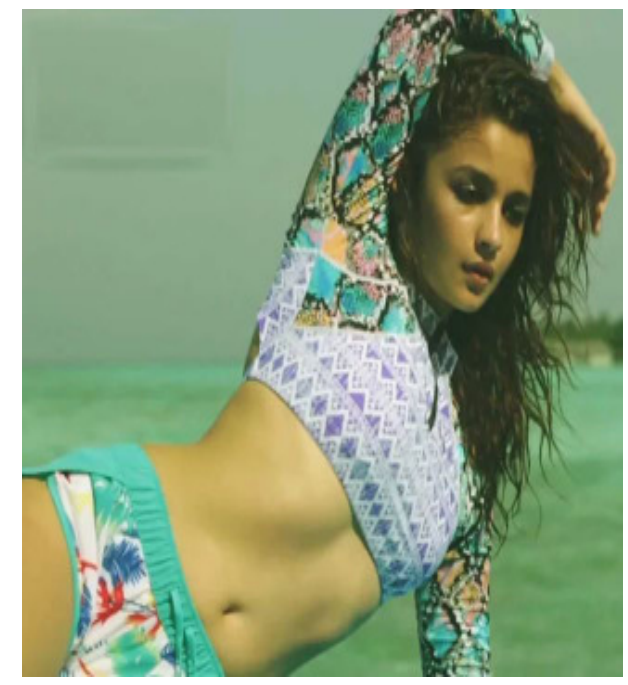

नयनतारा की डॉक्यूमेंट्री पर विवाद,एपी इंटरनेशनल ने 5 करोड़ का लीगल नोटिस भेजा,'चंद्रमुखी' का फुटेज इस्तेमाल करने का आरोप

चेन्नई। साउथ एक्ट्रेस नयनतारा

अपनी डॉक्यूमेंट्री 'नयनताराः बियॉन्ड द फेयरी टेल' को लेकर अक्सर विवादों रहती हैं। अब उन्हें एपी इंटरनेशनल कंपनी ने 5 करोड़ रुपए का लीगल नोटिस भेजा है। आरोप है कि डॉक्यूमेंट्री में बिना अनुमति फिल्म 'चंद्रमुखी' के फुटेज का इस्तेमाल किया गया है। इस मामले में मद्रास हाईकोर्ट ने आज नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। वहीं, इससे पहले धनुष ने भी एक्ट्रेस के खिलाफ केस किया था। सिनेमा एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, एपी इंटरनेशनल का आरोप है कि डॉक्यूमेंट्री 'नयनताराः बियॉन्ड द फेयरी टेल' के प्रोड्यूसर्स ने उनकी फिल्म 'चंद्रमुखी' के फुटेज बिना उनकी अनुमति के इस्तेमाल किए हैं। जब इस मामले में उन्होंने पहले कानूनी नोटिस भेजा था, तो उसे नजरअंदाज कर दिया गया। ऐसे में अब कंपनी ने डॉक्यूमेंट्री के निर्माताओं से 5 करोड़ रुपए का मुआवजा भी मांगा है।आज मद्रास हाईकोर्ट में इस मामले की सुनवाई हुई। कोर्ट ने नेटफ्लिक्स और टार्क स्टूडियो एलएलपी को आदेश दिया है कि वे डॉक्यूमेंट्री से विवादित फुटेज को तुरंत हटा दें। साथ ही दोनों पक्षों को दो हफ्ते के अंदर जवाब देने के लिए भी कहा गया है। बता दें, नयनतारा की डॉक्यूमेंट्री को 2024 में रिलीज किया गया था, जिसमें उनकी पर्सनल से लेकर प्रोफेशनल लाइफ को दिखाया गया था। वहीं, यह पहली बार नहीं है जब इस डॉक्यूमेंट्री पर ऐसे आरोप लगे हैं। इससे पहले एक्टर धनुष ने भी आरोप लगाया था कि इस डॉक्यूमेंट्री में उनकी फिल्म 'नानुम राउडी धान' का एक क्लिप बिना इजाजत के इस्तेमाल किया गया।

ये लोग प्रार्थना सभा में भी.. आशीष विद्यार्थी ने बॉलीवुड की खोली पोल-पट्टी, सुनाया मुकुल आनंद के निधन का किस्सा

नयी दिल्ली। फिल्म इंडस्ट्री में किसी की मौत के बाद तमाम जाने-माने सेलेब्स मौत से पहले सलमान खान, संजय दत्त और रवीना टंडन की 'दस' का निर्देशन कि जब वो जाने लगे तो तब की स्थिति और भी ज्यादा अजीब हो गई। उन्होंने कैपेसिटी में हैं। आप एक पेशेवर के रूप में शोक मना रहे हैं। सबकुछ स्लो है।

सफेद कपड़ों और आखों पर काला चश्मा पहने नजर आते हैं। इसको लेकर दिग्गज एक्टर आशीष विद्यार्थी ने एक कड़वे सच का खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि कैसे वहां पर लोग फुसफुसाकर बात करते हैं। एक फिल्ममेकर ने तो उनसे डेट्स के बारे भी डिस्कस किया, जोकि तब उन्हें बहुत अजीब लगा था। उन्होंने तब के जमाने के डायरेक्टर मुकुल आनंद की प्रार्थना सभा का किस्सा सुनाया है। आशीष विद्यार्थी ने हाल ही में फिल्म निर्माता मुकुल एस आनंद की मौत के बाद मुंबई में एक प्रार्थना सभा में अपने पहले एक्सपीरियंस को याद किया। मुकुल कर रहे थे। उन्होंने साइरस ब्रोचा के पॉडकास्ट 'साइरस सेज' में कहा, 'हम शूटिंग के लिए उटाह गए थे। ये पहली बार था, जब मैं अमेरिका गया था। हम वापस आए और उनकी मौत हो गई।'उन्होंने आगे बोला, 'मैं फिल्म इंडस्ट्री में एक नौसिखिया था। मैं मुंबई में कभी किसी प्रार्थना सभा में नहीं गया था। जब मैं पहली बार वहां पहुंचा, तो सभी लोग सफेद कपड़े पहने हुए थे और उनके पास काले चश्मे थे। मेरे पास कभी सफेद कपड़े नहीं थे। मैं बहुत असहज महसूस कर रहा था, क्योंकि मैं अकेला रंगीन कपड़े पहने हुए था।'आशीष ने बताया बताया, 'जब मैं बाहर निकल रहा था और मुझे बहुत बुरा लग रहा था तो मैंने अपने हाथ जोड़ लिए और अपना सिर नीचे कर लिया। फिर एक सज्जन ने मेरी कोहनी को छुआ और कहा- बहुत खेद है। अगले हफ्ते की डेट्स की बात करते हैं।' ये सुनकर आशीष ने वैसे ही हाथ जोड़े हुए और सिर झुकाए हुए इसी हावभाव से उन्हें जवाब दिया।उन्होंने आगे कहा, 'बाहर निकलने के बाद मुझे हैरानी हुई कि क्या हो रहा है। जब तक आप पर्सनली संबंधित नहीं होते, तब तक आपको वास्तव में दर्द महसूस नहीं होता। लेकिन यहां आप प्रोफेशनल हर कोई फुसफुसा रहा है। ये ऐसा है जैसे आप हॉस्पिटल में हैं, मैं आपको फोन करता हूं और आप कहते (फुसफुसाते) हैं- मैं अस्पताल में हूं। तो मैं कहता (फुसफुसाता) हूं- सब कुछ ठीक है? तो मैं उस मोमेंट का सम्मान करने के लिए फुसफुसाना शुरू कर देता हूं।' इसके अलावा एक्टर आशीष ने एक्स पर शोक से जुड़े ट्रेंड के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, 'आजकल ट्विटर पर कुछ बहुत ही दिलचस्प चलन सामने आया है। ये 'ओम शांति' है। जैसे वें ध्छ कहते हैं। और इसके बाद एक और लाइन आती है बहुत जल्दी चले गए।

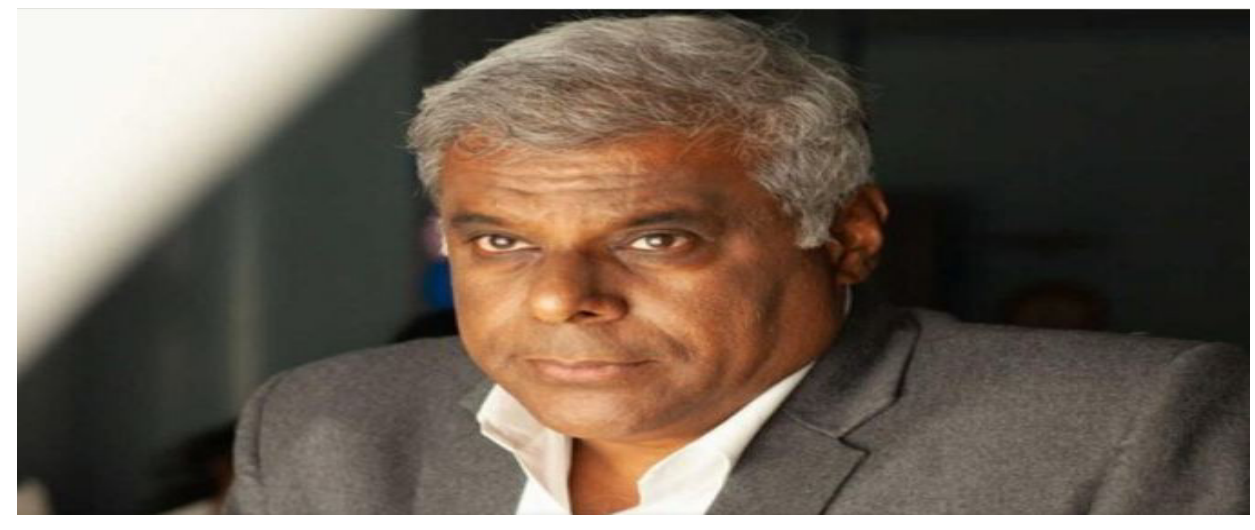

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।